सूर्योदय 6:28 सूर्यास्त 6:30

आज का तापमान

शिमला	06.0 न्यू	18.4 अधि
धर्मशाला	08.6 न्यू	21.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,071
निफ्टी	23,581

सोना 1,56,000 | चांदी 2,54,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | बुधवार, 18 मार्च 2026 | 5 चैत्र, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 3, अंक 78, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

संजय दत्त-नोरा का गाना 'सरके चुनर' विवादों में

एजेंसी, नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्म केडी द डेविल का गाना 'सरके चुनर', जिसमें संजय दत्त और नोरा फतेही हैं, रिलीज होते ही विवादों में आ गया है। सोशल मीडिया पर गाना अश्लील बोल और सेंशुअलिटी के कारण वायरल हो रहा है और दिल्ली पुलिस तक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि गाने के लिरिक्स और फिल्मांकन आपत्तिजनक और वल्गर हैं। (अनंत ज्ञान)

यूपी में एडेड स्कूलों के शिक्षकों की बढ़ी ग्रेच्युटी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी बढ़ा दी है। अब यह अधिकतम 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के शासनादेश के अनुसार यह बढ़ी हुई सीमा तभी लागू होगी जब महंगाई भत्ता (डीए) मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगा। इससे सेवानिवृत्ति पर शिक्षकों और कर्मचारियों को अधिक आर्थिक लाभ मिलेगा। (अनंत ज्ञान)

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रंप : नाटो

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका को शुरुआती बढ़त मिली थी, जब खामेनेई समेत 40 से अधिक अधिकारियों के मारे जाने की खबर आई। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल गए हैं और जंग का अंत नजर नहीं आ रहा। जवाब में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। अब ट्रंप ने नाटो देशों से मदद मांगी है, लेकिन सहयोगी देशों ने अपने वॉरशिप भेजने से इनकार कर दिया, जिससे अमेरिका कूटनीतिक रूप से अलग-थलग नजर आ रहा है। (विस्तृत पेज 13)

बंगाल में ममता बनर्जी ने 74 विधायकों के काटे टिकट

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने 294 में से 291 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए, जबकि 3 सीटें सहयोगी को दीं। ममता बनर्जी ने 74 विधायकों के टिकट काटकर बड़ा बदलाव किया और 15 सीटों पर उम्मीदवार बदले। ममता भबानीपुर से चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से होगा, जिन्होंने 2021 में नंदीग्राम में उन्हें हराया था। ममता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि डरने के बजाय मैदान में आकर मुकाबला करे। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- प्रदेश में टीचरों की नॉन-टीचिंग ड्यूटी पर सवाल -पेज 3
- आज पेश होगा नगर निगम धर्मशाला का वार्षिक बजट -पेज 5
- चंबा में ट्रैफिक जाम के बीच एंबुलेंस की राह हुई कठिन -पेज 7
- स्कूलों में टीजीटी शिक्षकों के सैकड़ों पद खाली -पेज 9
- दोस्त बना दुश्मन: देसी कट्टे से दोस्त पर फायर, आरोपी गिरफ्तार -पेज 12

वित्तीय अनुशासन | आर्थिक संकट के बीच सुक्खू सरकार का सख्त कदम

निगम–बोर्डों के अध्यक्ष–उपाध्यक्षों व सलाहकारों का कैबिनेट रैंक खत्म

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में आर्थिक तंगी के बीच सुक्खू सरकार ने एक बड़ा और सख्त प्रशासनिक निर्णय लेते हुए सभी बोर्ड, निगम और आयोगों में दिए गए कैबिनेट रैंक को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही इन पदों पर आसीन व्यक्तियों के वेतन और मासिक भत्तों का 20 प्रतिशत हिस्सा 30 सितंबर 2026 तक स्थगित करने का आदेश जारी किया गया है।

इस निर्णय के तहत जिन नेताओं से कैबिनेट रैंक वापस लिया गया है, उनमें केहर सिंह खाची, नरेश चौहान, सुनील कुमार बिट्टू, भवानी सिंह पठानिया, आरएस बाली, नंदलाल और गोकुल बुटेल शामिल हैं। ये सभी विभिन्न बोर्डों निगमों और सलाहकार पदों पर तैनात थे। यह फैसला प्रदेश की बिगड़ती वित्तीय स्थिति और बढ़ते राजकोषीय दबाव के बीच खर्चों पर लगाम कसने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है, जिसका व्यापक प्रशासनिक और राजनीतिक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

आर्थिक अनुशासन की ओर निर्णायक मोड़

जानकारों का मानना है कि यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं बल्कि आर्थिक अनुशासन स्थापित करने की दिशा में बड़ा संकेत है। कैबिनेट रैंक समाप्त करने और वेतन-भत्तों पर अस्थायी रोक लगाने से सरकार तत्काल व्यय में कमी लाने का प्रयास कर रही है, जिससे वित्तीय दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सके।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि प्रशासनिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत चेयरमैन, वाइस–चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन, प्रधान सलाहकार और राजनीतिक सलाहकार जैसे पदों को अब कैबिनेट रैंक से मिलने वाली सभी सुविधाओं से वंचित कर दिया

◆ **वेतन और भत्तों में भी की 20 प्रतिशत कटौती, 30 सितंबर तक रहेगी जारी**

गया है। सरकार ने सभी विभागीय सचिवों को निर्देश दिए हैं कि इस आदेश का तत्काल और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रशासनिक ढांचे में अनुशासन और पारदर्शिता लाई जा सके।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस फैसले को प्रदेश की आर्थिक परिस्थितियों से जोड़ते हुए कहा कि केंद्र द्वारा आरडीजी में कटौती के बाद राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कड़े निर्णय लेने आवश्यक हो गए हैं। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाले समय में भी सरकार इसी प्रकार के और कदम उठा सकती है, ताकि वित्तीय संतुलन बहाल किया जा सके और विकास कार्यों को बाधित होने से बचाया जा सके। दूसरी ओर, इस फैसले को लेकर राजनीतिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं।

हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

सत्ता पक्ष और विपक्ष होंगे आमने–सामने, टकराव तय

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण बुधवार यानी 18 मार्च से आरंभ हो रहा है। यह सत्र बहस, बयानबाजी और इम्तिहान की घड़ी लेकर आ रहा है। हुकूमत और मुखालफत आमने–सामने होंगे, जहां एक ओर सरकार अपने कामकाज और नीतियों का बचाव करती नजर आएगी, वहीं विपक्ष सवालों के तीर चलाकर माहौल को गर्माएगा। यह सत्र सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि राजनीतिक असर और अवाम के मुद्दों की असल जंग का मंच बनने जा रहा है।

पहले चरण में फरवरी माह के दौरान जो कार्यवाही हुई, उसने संकेत दे दिए थे कि आने वाले दिनों में सदन शांत नहीं रहने वाला। अब दूसरे चरण में कुल 13 बैठकों के बीच करीब सैंकड़ों सवालों की गूंज सुनाई देगी। बेरोजगारी, आर्थिक दबाव, कर्मचारियों से जुड़े मसले, विकास कार्यों की रफ्तार और केंद्र–राज्य संबंध जैसे मुद्दे विपक्ष के एजेंडे में प्रमुख रहेंगे, जिससे सरकार को हर मोर्चे पर चौकन्ना रहना पड़ेगा। इस सत्र का सबसे अहम मोड़ 21 मार्च को आएगा, जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अपना चौथा बजट पेश करेंगे। यह बजट सिर्फ आंकड़ों के साथ–साथ सरकार की नीतिगत दिशा और आर्थिक सोच का आईना होगा। दूसरी ओर विपक्ष पूरी तैयारी के साथ सरकार को घेरने की रणनीति में है। सदन के भीतर तीखे सवाल, नियमों के तहत चर्चाएं और संभावित हंगामे इस बात के संकेत हैं कि हर दिन राजनीतिक तौर पर अहम होगा। सत्ता पक्ष जहां अपनी उपलब्धियों का बचाव करते हुए आक्रामक रुख अपनाएगा, वहीं विपक्ष जन मुद्दों को लेकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा।

बजट सत्र में 834 सवाल होंगे चर्चा में

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। इस बार सदस्यों द्वारा सरकार के सामने कुल 834 सवाल रखे जाएंगे, जिनमें 665 तारांकित और 169 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा से होगी, जिसका जवाब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 20 मार्च को देंगे।

21 मार्च को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। इसके बाद 23-25 मार्च को सामान्य चर्चा और 27, 28, 30 मार्च को बजट की मांगों पर विस्तार से विचार और मतदान होगा। सदन में उठाए गए सवाल सीधे जनता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित हैं। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सदस्यों और सरकार से सहयोग की अपील की है, ताकि सत्र शांतिपूर्ण और प्रभावी ढंग से चल सके और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिले।

लोकसभा से आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट का एक सांसद है। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे।

उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत–चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद के सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले

◆ **सांसदों से बोले स्पीकर बिरला- पोस्टर और एआई से बनीं तस्वीरें न दिखाएं**

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेंद यादव ने कहा कि सदन की मर्यादा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा। उन्होंने कहा कि खासकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इसका ख्याल रखें। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से कहा कि प्लेकार्ट और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।' सभी 8 सांसदों का निलंबन रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि यह रद्द हो गया है।' (अनंत ज्ञान)

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने वाली महिलाओं को भी मैटरनिटी लीव : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे गोद लेने वाली माताओं के लिए एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि गोद लेने वाली महिलाओं को जन्म देने वाली माताओं के समान ही मातृत्व लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। कोई महिला चाहे कितने भी महीने का बच्चा गोद क्यों न ले, उसे 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए। बता दें कि इसे पहले 2020 की सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 60(4) कहती थी कि केवल तीन महीने से छोटे बच्चों को गोद लेने वाली माताओं को ही 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। इससे बड़े बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को मातृत्व लाभ नहीं मिलता था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनुचित और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन बताया। (अनंत ज्ञान)

पाक की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 400 की मौत

तालिबान का आरोप- पाक ने नशा मुक्ति सेंटर पर गिराए बम

एजेंसी, काबुल

पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए। तालिबान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है और कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। (अनंत ज्ञान)

काबुल अस्पताल पर पाक के हमले की भारत ने की निंदा

नई दिल्ली। भारत ने काबुल के एक अस्पताल पर पाकिस्तान द्वारा किए हवाई हमले की निंदा की है। इस हमले में चार सौ से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि भारत 16 मार्च की रात काबुल में 'उम्मीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल' पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा करता है। यह हिंसा का एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है. जिसमें एक ऐसी जगह पर बड़ी संख्या में आम नागरिकों की जान चली गई, जिसे किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य के तौर पर सही नहीं ठहराया जा सकता।

एपस्टीन विवाद : दिल्ली हाईकोर्ट से हरदीप पुरी की बेटी को मिली राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को बड़ी राहत देते हुए एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवादित कंटेंट पर तत्काल रोक लगा दी है। कोर्ट ने गूगल, मेटा और लिंक्डइन समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 24 घंटे के अंदर आपत्तिजनक सामग्री हटाने का आदेश दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला बनता है। अदालत ने कहा कि अगर विवादित कंटेंट पर रोक नहीं लगाई गई तो याचिकाकर्ता को अपूरणीय क्षति होगी।

हिमायनी पुरी ने अपनी मानहानि याचिका में दावा किया कि जेफरी एपस्टीन से जुड़े कुछ आरोपों को उनके नाम से गलत तरीके से जोड़ा गया है, जिससे उनकी छवि गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। याचिका में 10 करोड़ रुपए के हर्जाने और सभी ऑनलाइन

◆ **24 घंटे में हटेगा विवादित कंटेंट**

प्लेटफॉर्म्स से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि बयान गलत तरीके से जोड़े गए थे। आपत्ति दर्ज कराने के बाद भी कुछ कंटेंट नहीं हटाया गया।

वकील ने कहा कि निष्पक्ष रिपोर्टिंग की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना सबूत के नुकसान पहुंचाना मानहानि है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि आरोपों की जांच करना एजेंसियों का काम है, अदालत इसका फैसला नहीं करेगी, लेकिन फिलहाल याचिकाकर्ता की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए अंतरिम राहत देना जरूरी है। अदालत ने सभी संबंधित प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि हिमायनी पुरी से जुड़ा कोई भी विवादित कंटेंट, जिसमें एपस्टीन फाइल्स का जिक्र हो और उन्हें गलत तरीके से जोड़ा गया हो, उसे 24 घंटे के अंदर हटाया जाए। (अनंत ज्ञान)

इसराइल का दावा– ईरान के सबसे ताकतवर अफसर अली लारीजानी को मारा

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान। इसराइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने दावा किया है कि रात को की गई एयरस्ट्राइक में ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारीजानी मारे गए हैं। अगर इसराइल का यह दावा सही साबित होता है, तो वह इस युद्ध में खामेनेई के बाद मारे जाने वाले सबसे ताकतवर शख्स होंगे। इसके साथ ही इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि एक अलग हमले में ईरान के बसीज पैरामिलिट्री फोर्स के कमांडर गुलामरजा सुलेमानी को भी मार गिराया गया। हालांकि, इन दावों पर अभी तक ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं आई है। वहीं, इसराइल के दावों के बीच लारीजानी के एक्स अकाउंट पर एक हाथ से लिखा नोट पब्लिश किया है। इसमें उन्होंने हमले में मारे गए ईरानी नौ सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई है, जिनका अंतिम संस्कार आज होने की उम्मीद थी। (अनंत ज्ञान)

◆ **खामेनेई की मौत के बाद संभाली थी देश की कमान**

---

47 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर होर्मुज से भारत लौटा 'नंदा देवी' जहाज

एजेंसी, नई दिल्ली

जामनगर के वडीनार (कांडला) पोर्ट पर मंगलवार सुबह एक बड़ा एलपीजी कार्गो लेकर जहाज एमटी नंदा देवी पहुंचा। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह के अनुसार, जहाज सुबह करीब 2:30 बजे पोर्ट के एंकरिज क्षेत्र में पहुंचा।

उन्होंने बताया कि नंदा देवी जहाज 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है, जिसका ट्रांसफर गहरे समुद्र में शिप–टू–शिप प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। इस कार्गो को एमटी बीडब्ल्यू बिरच जहाज में स्थानांतरित किया जाएगा और यह प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। सुशील कुमार ने जहाज के कैप्टन और क्रू से मुलाकात कर इस महत्वपूर्ण कार्गो को सुरक्षित पहुंचाने के लिए उनका आभार जताया। साथ ही उन्होंने ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

एमटी नंदा देवी हाल के दिनों में दूसरा भारतीय एलपीजी जहाज है, जिसने सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पार कर भारतीय तट तक पहुंच बनाई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के प्रयासों को मजबूती मिली है। इससे एक दिन पहले ही एलपीजी कैरियर शिवालिक करीब 40,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचा था। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्गो का एक हिस्सा मुंद्रा में उतारा जाएगा, जबकि बाकी एलपीजी को मैंगलोर भेजा जाएगा। (अनंत ज्ञान)

इराक के समुद्र में फंसे 2000 भारतीय नाविक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ते तनाव के बीच पर्शियन गल्फ में फंसे हजारों नाविकों में भय का माहौल है। कुल्लू की मणिकर्ण घाटी निवासी रमन कपूर ने बताया कि उनका शिप ईराक से कार्गो लेकर आया है, लेकिन मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ नहीं पा रहा। एयरपोर्ट और समुद्री मार्ग बंद हैं और जहाज में अलर्ट रहने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है।

कैप्टन कपूर ने कहा कि युद्ध के कारण करीब 500–700 जहाज समुद्र में फंसे हैं, जिनमें 2000 भारतीय नाविक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी शिप पर कभी भी हमला हो सकता है, खासकर उन जहाजों पर जिनका अमेरिका

◆ **कुल्लू जिले के कैप्टन रमन कपूर ने वीडियो शेयर कर बताई आपबीती**

या इसराइल से कोई लिंक है। ईरान का उद्देश्य है कि पर्शियन गल्फ से भारत और चीन को छोड़ अन्य देशों के तेल टैंकर बाहर न जाएं।

कुल्लू के कप्तान ने देशवासियों से सभी नाविकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने की अपील की और भारत सरकार से आग्रह किया कि वह भारतीय नाविकों और जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए तुरंत कदम उठाए। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी और क्रू उनका निरंतर सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुआ करते हैं कि यह युद्ध जल्द समाप्त हो, ताकि वे सुरक्षित घर पहुंच सकें।

खुशखबरी | टनल का हो चुका है निर्माण; अब होगी फोरलेन से कनेक्टिविटी, पर्यटकों को मिलेगी राहत

कंडाघाट फोरलेन पर रेल ओवर ब्रिज को रेलवे बोर्ड की मंजूरी

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। प्रदेश की राजधानी को जोड़ने वाले चंडीगढ़–शिमला नेशनल हाईवे–5 के कंडाघाट में निर्माणाधीन फोरलेन पर रेल ओवर ब्रिज के निर्माण को आखिरकार रेलवे बोर्ड की मंजूरी मिल गई। विश्व धरोहर रेललाइन के ऊपर से रेल ओवरब्रिज निर्माण को बोर्ड मंजूरी मिलने से इस कार्य में तेजी आएगी। करीब छह माह से रेलवे बोर्ड की मंजूरी न मिलने के कारण ब्रिज निर्माण पर असमंजस की स्थिति बन गई थी।

अनंत ज्ञान स्पैशल

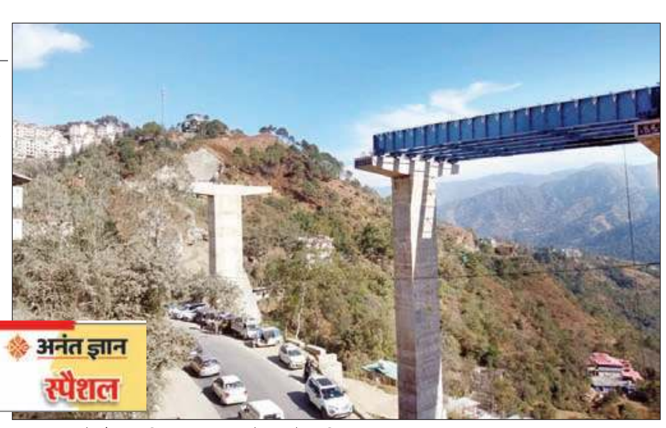

कंडाघाट में तैयार किया जा रहा रेल ओवरब्रिज। अनंत ज्ञान

अब कंपनी ने रेल ओवर ब्रिज को टनल से जोड़ने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। वहीं, दूसरी ओर टनल में भी फिनिशिंग कार्य को पूरा हो चुका है। टनल में लाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है। उम्मीद की जा रही है कि इसी वर्ष टनल से वाहनों की आवाजाही होगी। रेल ओवरब्रिज के निर्माण के बाद ही वाहनों को गुजारा जाएगा।

सोलन के कैथलीघाट फोरलेन में कंडाघाट में टनल का निर्माण किया गया है। टनल से सड़क को कनेक्ट करने के लिए 400 मीटर लंबा रेल ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। इसका 50 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। रेलवे लाइन के नजदीक काम रूका हुआ था जो अब शुरू हो गया है। रेल मंत्रालय की मंजूरी मिलते ही निर्माण कंपनी ने भी राहत की सांस ली है। फोरलेन का यह ऐसा हिस्सा है जो कंडाघाट को बाईपास कर रेल लाइन के ऊपर से होते हुए सीधे टनल से मिलेगा। यहां से सफर करना किसी रोमांच से कम नहीं होगा।

जाम से मिलेगा छुटकारा

सोलन-कैथलीघाट फोरलेन में कंडाघाट में टनल से आवाजाही शुरू होने के बाद जाम से वाहन चालकों को छुटकारा मिल जाएगा। साथ ही सोलन से शिमला के लिए समय भी कम लगेगा। वर्तमान में कंडाघाट बाजार में लोगों को जाम की समस्या से परेशान होना पड़ता है, लेकिन आवाजाही होने के बाद लोगों का समय बचेगा। हालांकि, पहले चरण में लोगों को टनल से दोनों ओर के वाहनों की आवाजाही होगी क्योंकि अभी एक ही टनल का निर्माण कार्य हुआ है। बाद में दूसरी टनल भी बनेगी। इससे यातायात की सुगमता तो होगी ही पर्यटकों का आकर्षण भी बढ़ेगा।

'ब्रिज के ठीक नीचे से कालका शिमला विश्व धरोहर रेल लाइन क्रॉस हो रही है। ऐसे में रेल ओवर ब्रिज की अनुमति लेने में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। इससे पहले टनल निर्माण के दौरान भी कंपनी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब रेलवे बोर्ड से इसकी मंजूरी मिलने रेल ओवरब्रिज निर्माण का कार्य तेज गति से पूरा किया जाएगा।

–ई. दीपक, महाप्रबंधक एरिफ कंपनी

प्रदेश में न टीएसओ, न उपकरण, न खातों में राशि, सेब बागवान बेहाल

महंगाई, मौसम और रोगों के बीच हजारों बागवानों पर संकट गहराया

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवानी एक गहरे संकट के दौर से गुजर रही है, जहां एक तरफ कुदरत की बेरहम मार, अनियमित मौसम, ओलावृष्टि और बढ़ते रोगों का साया है, वहीं दूसरी ओर सरकारी नीतियों की सुस्ती ने बागवानों की मुश्किलों को और भी संगीन बना दिया है। कभी राज्य की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली लगभग पांच हजार करोड़ की बागवानी अर्थव्यवस्था आज असमंजस और बेबसी के भंवर में फंसी नजर आ रही है, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है।

बीते कुछ वर्षों में सेब बेल्ट में संक्रमण और रोगों की बढ़ती घटनाओं ने उत्पादन को लगातार प्रभावित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार समय पर स्प्रे और देखभाल न होने से पेड़ों की सेहत कमजोर हो रही है, जिससे उत्पादन में गिरावट दर्ज की जा रही है। ऐसे में ट्री स्प्रे ऑयल और अन्य आवश्यक बागवानी उपकरणों की उपलब्धता बागवानों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है, लेकिन इस बार न तो ये संसाधन समय पर उपलब्ध कराए गए और न ही विकल्प के रूप में कोई ठोस व्यवस्था जमीन पर नजर आई।

सरकार द्वारा घोषित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के तहत बागवानों को सीधे खातों में सहायता राशि देने का दावा किया गया था, जिससे वे अपनी जरूरत के अनुसार सामग्री खरीद सकें। मगर हकीकत यह है कि बड़ी संख्या में बागवानों के खातों में अब तक कोई राशि नहीं पहुंची है। इस देरी ने खासकर छोटे और सीमांत बागवानों को गहरे आर्थिक संकट में डाल दिया है, जो पहले ही महंगाई और बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं और अब बाजार से महंगे दामों पर सामग्री खरीद पाना उनके लिए लगभग नामुमकिन हो गया है। इस पूरी स्थिति ने बागवानी क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। जहां एक ओर उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर उचित सहायता के अभाव में बागवानों का भरोसा भी कमजोर पड़ता जा रहा है। समय पर स्प्रे और देखभाल न होने से आने वाले सीजन की फसल पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

सरकार की दोहरी नीति पर सवाल, तुरंत दे राहत : चेतन

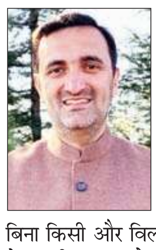

इस मुद्दे पर भाजपा के प्रदेश आईटी एवं सोशल मीडिया प्रभारी चेतन सिंह बरागटा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार की नीतियां पूरी तरह असफल साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बागवानों को न तो टीएसओ और बागवानी उपकरण दिए जा रहे हैं और न ही उनके खातों में डीबीटी के तहत राशि पहुंच रही है, जो बेहद चिंताजनक और अस्वीकार्य स्थिति है। बरागटा ने मांग की कि सरकार तुरंत स्पष्ट करे कि सहायता राशि में देरी क्यों हो रही है और बिना किसी और विलंब के बागवानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित करे, ताकि वे अपनी फसल को बचा सकें और इस संकट से बाहर निकल सकें।

शिलाई में अवैध पेड़ कटान पर एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला शिमला ने सिरमौर के शिलाई क्षेत्र में हुए अवैध पेड़ कटान के विरोध में उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रही हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। परिषद ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई। प्रदेश सह मंत्री तेजस्विनी गुलेरिया ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या दोषी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं संजौली इकाई अध्यक्ष ऋतिक ने आरोप लगाया कि प्रदेश में वन, खनन और नशा माफिया के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो परिषद प्रदेशभर में उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी।

एसआईआर को चुनाव की तरह लेने का आह्वान

मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की तैयारी

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एसआईआर कार्यशाला में उपस्थित कांग्रेस नेता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस ने इसे एक चुनाव की तरह गंभीरता से लेने का आह्वान किया है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि हर बूथ पर विशेष सतर्कता बरतते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न हो और न ही किसी प्रकार से अनधिकृत नाम जोड़े जाएं।

राजीव भवन स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित विशेष कार्यशाला में पार्टी नेताओं को एसआईआर की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई और बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में बताया गया कि आने वाले समय में प्रत्येक जिले में बीएलओ और पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे मतदाता सूची में नाम जोड़ने से संबंधित सभी प्रपत्रों को सरलता से भर सकें। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर एक सुनियोजित रणनीति के तहत उन मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं जो भाजपा को समर्थन नहीं देते, जिसे लोकतंत्र पर सीधा प्रहार बताया गया। पार्टी ने कहा कि जनमत की सुरक्षा के लिए मतदाताओं को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है।

संगठनात्मक ढांचे के बाद तेज होगी निगरानी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि पीसीसी, जिला और ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणियों के गठन के बाद एसआईआर प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका संगठनात्मक कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही हाईकमान से मंजूरी मिलते ही पार्टी इस दिशा में पूरी ताकत के साथ काम शुरू कर देगी।

जुन्गा अस्पताल में बच्चों को वितरित किए ओआरएस और जिंक टैबलेट

बच्चों को ओआरएस व जिंक टैबलेट देते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा के तहत सिविल अस्पताल जुन्गा में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को ओआरएस पैकेट और जिंक टैबलेट वितरित किए गए तथा उनके स्वास्थ्य की जांच भी की गई।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत ने बताया कि देश में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में डायरिया से होने वाली मौतों को शून्य करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है, जो 16 से 30 मार्च तक पूरे देश में चलाया जा रहा है। अस्पताल प्रभारी डॉ. मनोज वर्मा ने लोगों से पानी उबालकर पीने और बच्चों को केवल स्वच्छ पानी देने की अपील की। उन्होंने कहा कि घर की पानी की टंकियों में समय-समय पर ब्लीचिंग पाउडर डालना जरूरी है, ताकि जलजनित बीमारियों से बचाव हो सके। अभियान के तहत आशा कार्यकर्ताओं द्वारा जुन्गा क्षेत्र में घर-घर जाकर बच्चों को ओआरएस और जिंक की दवाएं निःशुल्क वितरित की जाएंगी। इस अवसर पर दंत चिकित्सक डॉ. राजेश और नई दिशा केंद्र के काउंसलर प्रवीण कुमार भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को दिया सर्वेक्षण का विशेष प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय क्षेत्रीय कार्यालय शिमला द्वारा राष्ट्रीय घरेलु आय सर्वेक्षण 2026-27 के वार्षिक सर्वेक्षण को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उप निदेशक अजय कुमार कुमावत ने किया। उन्होंने कहा कि इस सर्वेक्षण से एकत्र आंकड़ों के आधार पर सरकार घरेलु आय के विभिन्न स्रोतों का आकलन कर प्रभावी नीतियां और योजनाएं तैयार कर सकेगी। इस दौरान विभिन्न उप क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य सर्वेक्षण से जुड़ी परिभाषाओं, अवधारणाओं और प्रश्नावलियों की विस्तृत जानकारी देना तथा सीएपीआई सॉफ्टवेयर के माध्यम से डाटा संग्रहण का प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी सहदेव ने प्रतिभागियों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों से सर्वेक्षण को सफल बनाने हेतु आम जनता से सही जानकारी उपलब्ध कराने का आह्वान भी किया गया।

दत्तनगर में आयुष ग्राम मेले में स्वास्थ्य जांच और औषधीय पौधों के वितरण से लोगों को मिला लाभ

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। रामपुर उपमंडल के आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र दत्तनगर में आयुष विभाग द्वारा आयोजित आयुष ग्राम मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि वन मंडल अधिकारी गुरु हर्ष सिंह ने किया। इस दौरान लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं, वहीं पंचायत भवन में आयोजित गोष्ठी में औषधीय पौधों के महत्व और उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी गई।

मेले में उपमंडलीय आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहिणी के नेतृत्व में करीब 150 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों का वितरण किया गया। उपस्थित लोगों ने जड़ी-बूटियों के गुणों के बारे में जानकारी प्राप्त की और इसे भविष्य में उपयोगी बताया। स्थानीय लोगों, महिला मंडल प्रतिनिधियों और युवाओं ने इस पहल को लाभकारी बताते हुए ऐसे आयोजनों को समय-समय पर आयोजित करने की मांग की।

औषधीय पौधों का वितरण करते अधिकारी। अनंत ज्ञान

मुख्य अतिथि गुरु हर्ष सिंह ने कहा कि औषधीय पौधे घरेलू उपचार के साथ-साथ ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का साधन भी बन सकते हैं। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को इसके प्रति जागरूक होकर खेती अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने सेवाएं दीं तथा आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय पंचायत का सहयोग सराहनीय रहा।

शिमला में आज जन मुद्दों को लेकर प्रदर्शन करगी सीपीएम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की राज्य कमेटी के आह्वान पर 9 मार्च को नाहन से शुरू हुआ जन आक्रोश जत्था 18 मार्च को शिमला में अपने समापन के साथ एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में सामने आएगा। इस दिन कालीबाड़ी हॉल में शाम चार बजे नुक्कड़ नाटक और आम सभा आयोजित की जाएगी, जिसके बाद लोअर बाजार से होते हुए शेर-ए-पंजाब चौक तक रैली निकाली जाएगी। जनसभा को पार्टी के केंद्रीय और राज्य स्तर के कई वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे, जबकि शिमला शहर से सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भागीदारी इस आयोजन को व्यापक जन समर्थन का रूप देगी।

जिला सचिव विजेंद्र मेहरा और लोकल कमेटी सचिव जगत राम ने कहा कि यह जत्था आम जनता के बुनियादी मुद्दों को लेकर खड़ा हुआ है, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, श्रम संहिताएं, मनरेगा, बिजली विधेयक, स्मार्ट मीटर, बीज विधेयक और फ्री ट्रेड समझौते जैसे विषय शामिल हैं। उनका आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार की नीतियां कॉर्पोरेट हितों को बढ़ावा दे रही हैं और आम जनता के जीवन, जीविका और रोजगार पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, जबकि लोकतांत्रिक अधिकारों का भी लगातार दमन किया जा रहा है, जिससे जनता का आक्रोश अब सड़कों पर साफ नजर आने लगा है।

दिल्ली रैली को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज

नेताओं ने बताया कि 24 मार्च को दिल्ली में प्रस्तावित विशाल रैली के लिए प्रदेशभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया है और शिमला शहर के वार्डों में जनता के बीच जाकर मुद्दों को उठाया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मजदूर विरोधी चारों श्रम संहिताओं को रद्द करने, किसान विरोधी बीज विधेयक को वापस लेने, मनरेगा को मजबूत करने और बिजली क्षेत्र के निजीकरण को रोकने की मांग की है।

मटर के औसतन दाम से किसानों में मायूसी

28 रुपए किलो तक सीमित हुए भाव, अच्छी गुणवत्ता वाले मटर की बेकद्री

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के जुन्गा क्षेत्र सहित सिरमौर सीमा से सटे इलाकों में तैयार हुई पहाड़ी मटर अब प्रदेश की विभिन्न सब्जी मंडियों में पहुंचने लगी है, लेकिन इस बार किसानों को उम्मीद के अनुरूप दाम नहीं मिल पा रहे हैं। प्रदेश की सबसे बड़ी सब्जी मंडी सोलन में अच्छी गुणवत्ता की मटर महज 28 रुपये प्रति किलोग्राम के औसत भाव पर बिक रही है, जिससे किसानों के चेहरों पर मायूसी छा गई है। किसानों का कहना है कि बीते वर्ष इसी अवधि में मटर का भाव 40 से 45 रुपये प्रति किलोग्राम तक रहा था, जबकि इस बार लागत निकालना भी मुश्किल होता दिख रहा है।

किसानों के अनुसार इस वर्ष सर्दियों में कम बारिश होने के कारण मटर की फसल प्रभावित हुई है और पैदावार भी औसतन रही है। प्रगतिशील किसान दयाराम वर्मा और दौलत राम मेहता ने बताया कि फसल इस बार तय समय से करीब पंद्रह दिन पहले तैयार हो गई थी, लेकिन उत्पादन कम रहने के बावजूद बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल रहा। आढ़ती विनोद कुमार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मंडियों में मटर के दाम स्थिर बने हुए हैं और शिमला व सिरमौर क्षेत्र का मटर 25 से 28 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच बिक रहा है।

सब्जी मंडियों में पहुंचा पहाड़ी मटर। अनंत ज्ञान

कई क्षेत्रों में हाल ही में हुई ओलावृष्टि के कारण मटर की फलियों का रंग प्रभावित हुआ है, जिससे गुणवत्ता घटने के चलते किसानों को बेहतर दाम नहीं मिल पा रहे हैं। जुन्गा क्षेत्र के चालक संदेश कुमार ने बताया कि वह हर वर्ष पीरन, सतलाई और बलोग पंचायतों से सब्जियों का ढुलान करते हैं, लेकिन इस बार मटर के कम दाम से किसानों में निराशा है। उल्लेखनीय है कि मार्च से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक क्षेत्र में मटर का सीजन चरम पर रहता है, जिसके बाद टमाटर, शिमला मिर्च और फ्रांसबीन की फसल बाजार में आनी शुरू हो जाती है।

नगर परिषद रोहड़ू और नगर पंचायत नारकंडा के वार्डों की नई सीमाएं तय

- जिला प्रशासन ने जारी किया वार्ड परिसीमन का ड्राफ्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला प्रशासन ने नगर परिषद रोहड़ू और नगर पंचायत नारकंडा के आगामी आम चुनावों के मद्देनजर वार्ड परिसीमन का ड्राफ्ट प्रस्ताव जारी कर दिया है। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि नए क्षेत्रों को शामिल करते हुए वार्डों की सीमाएं तय की गई हैं और इस पर आम जनता से आपत्तियां व सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

जारी प्रस्ताव के अनुसार रोहड़ू नगर परिषद को विभिन्न वार्डों में बांटते हुए उनकी सीमाएं विस्तार से निर्धारित की गई हैं, जिनमें दशालनी, अपर बाजार, मैन बाजार, समाला, बस स्टैंड क्षेत्र, ब्लॉक एरिया, कोर्ट एरिया, बौटिनाला और शक्ति नगर जैसे इलाके शामिल हैं। वहीं नगर पंचायत नारकंडा में भी काली मिट्टी, दुर्गा मंदिर, सर्किट हाउस, रिज क्षेत्र, पुराना बाजार, लाल कोठी और मैला मैदान सहित कई वार्डों की नई सीमाएं तय की गई हैं। प्रशासन का कहना है कि परिसीमन का यह ड्राफ्ट स्थानीय परिस्थितियों और जनसंख्या के आधार पर तैयार किया गया है ताकि चुनाव प्रक्रिया अधिक संतुलित और पारदर्शी बन सके।

सात दिन में जनता से आपत्तियां-सुझाव मांगे

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह ड्राफ्ट प्रस्ताव अगले 7 दिनों तक संबंधित कार्यालयों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगा। इस दौरान कोई भी निवासी यदि किसी प्रकार की आपत्ति या सुझाव देना चाहता है तो वह निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से उपायुक्त कार्यालय या संबंधित नगर निकाय में जमा कर सकता है। निर्धारित समयावधि में प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद ही अंतिम परिसीमन प्रस्ताव को मंजूरी दी जाएगी।

एसआईआर प्रक्रिया में न हो कोई चूक : डीसी

तीन जिलों के निर्वाचन अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो शिमला। शिमला में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में जिला शिमला, सोलन और सिरमौर के निर्वाचन अधिकारियों को प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम कश्यप ने करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी बिंदुओं को भली-भांति समझें और उन्हें जमीनी स्तर पर सही तरीके से लागू करें।

उपायुक्त ने जानकारी दी कि वर्ष 2002 से 2025 तक मतदाता सूचियों के मिलान में जिला शिमला की सूची 98 प्रतिशत तक सटीक पाई गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि अब जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हर पात्र व्यक्ति तक फार्म पहुंचे और कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। साथ ही आगामी जनगणना और पंचायती राज चुनावों को देखते हुए अधिकारियों को संसाधनों और जनशक्ति का संतुलित उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते डीसी शिमला। अनंत ज्ञान

अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. मुरारी लाल ने कहा कि देश के कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और हिमाचल में अब इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करने और पारदर्शिता बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यशाला में आईटी एप्लिकेशन, जिम्मेदारियों के निर्धारण, मीडिया समन्वय और जनसमस्याओं के समाधान जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

- तकनीकी पहलुओं को अच्छे से समझें अधिकारी
- मतदाता सूची को और अधिक सटीक बनाने पर जोर

किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : सुरेश कश्यप

- पीएम-किसान और फसल बीमा से हिमाचल के किसानों को करोड़ों की राहत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा सांसद सुरेश कश्यप द्वारा लोकसभा में उठाए गए प्रश्न के जवाब में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि संकट को कम करने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक सुरक्षा और तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही है। शिमला संसदीय क्षेत्र में 2.06 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खेती हो रही है, जहां मक्का, गेहूं, धान, आलू और सब्जियां प्रमुख फसलें हैं। प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के तहत वर्ष 2025-26 में केंद्र की ओर से 397.60 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच हिमाचल के 5.79 लाख किसानों को 376.79 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के किसानों को अब तक 373.32 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी जा चुकी है।

इसके अलावा विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत हर वर्ष लाभान्वित किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों को आर्थिक मजबूती, फसल सुरक्षा और आधुनिक कृषि सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है, जिससे प्रदेश सहित पूरे देश में कृषि क्षेत्र को नई मजबूती मिल रही है।

एग्जाम राज्य में 1620 केंद्रों पर हुआ आयोजन, पूर्ण साक्षरता की ओर निर्णायक कदम

18 हजार ने दी साक्षरता की परीक्षा

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत शेष बचे असाक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 15 मार्च को राज्यभर में साक्षरता परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। प्रदेश के प्राइमरी स्कूल स्तर पर लगभग 1620 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए, जिनमें करीब 18 हजार असाक्षर लोगों ने भाग लेकर साक्षर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। इस संबंध में राज्य नोडल अधिकारी वीरेंद्र चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर कर रहा है।

प्रदेश के निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली ने बताया कि प्रदेश पहले ही भारत सरकार के मापदंडों के अनुसार पूर्ण साक्षरता का दर्जा प्राप्त कर चुका है और वर्तमान साक्षरता दर 99.3 प्रतिशत है, लेकिन शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी 0.7 प्रतिशत आबादी को साक्षर बनाना शेष है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी शिक्षकों और जेबीटी अध्यापकों के सहयोग से शेष असाक्षर लोगों को शिक्षित करने का कार्य निरंतर जारी है, जो समाज के लिए अत्यंत सराहनीय प्रयास है। 15 मार्च को आयोजित एफएलएनएटी मूल्यांकन परीक्षा में भाग लेने वाले हजारों लोगों का साक्षरता की ओर बढ़ना इस अभियान की बड़ी सफलता है। इस परीक्षा की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि कंडा जेल शिमला में देखने को मिली, जहां नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 24 कैदियों को जेल के भीतर ही शिक्षा प्रदान की गई और उन्होंने 15 मार्च को परीक्षा दी। यह पहल न केवल शिक्षा का प्रसार है, बल्कि कैदियों के पुनर्वास और उनके भविष्य को संवारने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। इससे वे समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनेंगे और आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर होंगे।

नवभारत साक्षरता परीक्षा में भाग लेते प्रतिभागी। अनंत ज्ञान

प्रदेश में चल रहा यह व्यापक साक्षरता अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में भी लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि शिक्षा के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पढ़े-लिखे स्वयंसेवकों द्वारा निःस्वार्थ भाव से दी जा रही सेवाएं समाज में नई चेतना का संचार कर रही हैं। विशेष रूप से महिलाओं, श्रमिक वर्ग और वंचित समुदायों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान को और अधिक प्रभावी बना रही है। आने वाले समय में यह प्रयास न केवल हिमाचल को शत-प्रतिशत साक्षर बनाएगा, बल्कि प्रदेश को सामाजिक और आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जनता पर आर्थिक बोझ और नेताओं को मलाईदार पद : संदीपनी भारद्वाज

- बोर्ड-कॉरपोरेशनों में नियुक्तियों व वेतन कटौती को बताया दिखावा
- अपनों को लाभ पहुंचाने में लगी कांग्रेस सरकार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा प्रदेश के प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि एक ओर प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रही है, वहीं सरकार अपने नेताओं और समर्थकों को बोर्ड-कॉरपोरेशनों, आयोगों और सलाहकार पदों पर नियुक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि इन पदों पर पहले 30 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलता था, जिसे बढ़ाकर 80 हजार कर दिया गया और भत्तों सहित कुल पैकेज एक लाख रुपए से अधिक पहुंच गया। उनके अनुसार मार्च 2026 तक करीब 40 चेयरमैन और वाइस-चेयरमैन की नियुक्तियां की जा चुकी हैं, जबकि अब 20 प्रतिशत वेतन कटौती का फैसला केवल दिखावा है।

संदीपनी भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार ने सलाहकारों, ओएसडी और विभिन्न आयोगों व बोर्डों में बड़ी संख्या में राजनीतिक नियुक्तियां कर अपनों को लाभ पहुंचाने की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक, पर्यटन, उद्योग और अन्य संस्थानों में भी इसी तरह नियुक्तियां की गई हैं, जबकि प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और कर्मचारी, युवा तथा किसान अपनी मांगों को लेकर परेशान हैं। भाजपा ने सरकार से अनावश्यक राजनीतिक नियुक्तियां समाप्त कर संसाधनों का उपयोग जनता के कल्याण और विकास कार्यों में करने की मांग की है।

चुनौतियों के बावजूद शिक्षा व स्वास्थ्य बजट में नहीं होगी कटौती: मुख्यमंत्री

सीएम सुक्खू ने न्यू एज पाठ्यक्रमों व भाषा कार्यक्रमों को शुरू करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वित्तीय चुनौतियों के बावजूद शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के बजट में किसी प्रकार की कटौती न करने की स्पष्ट घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और दूरदराज क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा सुधारों पर आयोजित एक दिवसीय प्रधानाचार्य सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार करना समय की आवश्यकता है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

प्रधानाचार्य सम्मेलन की अध्यक्षता करते सीएम सुक्खू। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधारों के तहत विज्ञान, वाणिज्य और ललित कला जैसे विशेष महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। हमीरपुर में 50 बीघा भूमि पर विज्ञान महाविद्यालय स्थापित करने के लिए 20 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा राज्यभर में अन्य विशेष महाविद्यालयों की स्थापना की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सहायक प्राध्यापकों और जूनियर सहायक प्राध्यापकों के 800 पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए महाविद्यालयों में न्यू एज पाठ्यक्रमों और अतिरिक्त भाषा कार्यक्रमों को शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कॉलेज रैंकिंग प्रणाली भी लागू की गई है। इसके तहत राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर ने समग्र रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया, जबकि संजौली कॉलेज दूसरे और राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला तीसरे स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों को सम्मानित करते हुए प्रत्येक को एक लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

ओपीएस व डिजिटल पहल पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता मिलेगी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश संस्कृत अकादमी का विक्रमी संवत कैलेंडर भी जारी किया तथा बिलासपुर, धर्मशाला और चौड़ा मैदान स्थित महाविद्यालयों की डिजिटल पहलों का वर्चुअल शुभारम्भ किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षाविद भी उपस्थित रहे।

अंब के वरिगल में छात्रा से स्नैचिंग, बाइक सवार 3 आरोपी फरार

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना जिले के अंब थाना क्षेत्र के अंतर्गत वरिगल गांव में एक कॉलेज छात्रा से स्नैचिंग की वारदात सामने आई है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार खुशबू धीमान, जो पॉलिटेक्निक कॉलेज अंबोटा की छात्रा है, सोमवार शाम पढ़ाई के बाद अपने घर लौट रही थी। गांव के नजदीक पहुंचते ही बाइक पर सवार तीन लोग—दो युवक और एक युवती—अचानक उसके पास पहुंचे और झपट्टा मारकर उसके कानों से बालियां छीन लीं। वारदात इतनी तेजी से हुई कि छात्रा को संभलने या शोर मचाने का मौका तक नहीं मिला और आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। अंब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। डीएसपी अनिल पटियाल ने मामले की पुष्टि करते हुए जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

कैबिनेट रैंक मुक्ति; आरोपों की 'बौछार' पर छवि सुधारने का प्रयास

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। सत्ता सुख के दरमियान आरोपों की 'बौछार' से पीछा छुड़ाने के लिए कैबिनेट रैंक की मुक्ति से सरकार की छवि सुधारने में कितना फायदा होगा। इसका तो बाद में पता चलेगा, लेकिन सीएम सुक्खू ने राज्यसभा चुनाव से पहले इस तरह के डबल गेम प्लान से मॉडर्न बनने का भरोसा दिलाने का भी प्रयास किया है। ₹1 से 20 की कटौती करके आरडीजी को भी इसी चर्चा में शामिल करके जमीनी लाभ बटोरने के लिए लक्ष्मण रेखा क्रॉस की है।

जिन नेताओं के इस कैबिनेट रैंक को आरोप मुक्त करने का बीड़ा उठाया गया है, इसका फायदा हकीकत में कितना होगा? क्या सरकार की छवि सुधारने में निश्चित रूप में फायदा मिलेगा या फिर पार्टी को फायदा होगा? इन सभी सवालों का जवाब अभी इतनी जल्दी मिलने वाला नहीं है, लेकिन इसकी बुनियाद निश्चित रूप में बनाने का तौर तरीका बदल गया है। आरडीजी को लेकर प्रदेश सरकार ने जिस बड़े स्तर पर माहौल बनाने का प्रयास किया था, कैबिनेट रैंक उसमें हर बार चर्चा का विषय बने थे। विपक्ष के नेता और भाजपा के लोग हर मोर्चे पर इन्हीं कैबिनेट रैंक को 'मित्रों' की सरकार में शामिल करके बार-बार सरकार की 'बखिया' उधेड़ने का प्रयास कर रहे थे।

वैसे एक बात तो ठीक है मुख्यमंत्री ने भी मॉडर्न रूप धारण करके बोझ बने इन नेताओं को कैबिनेट रैंक से अलग करके कुछ की करनी और भरनी से पीछा छुड़ाने का भी प्रयास किया है।

डॉ. वर्मा के लिए नए हालात, संभावित राहत

हमीरपुर में सुनील शर्मा बिट्टू का रुतबा सदर से चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा के लिए भी नए हालात निश्चित रूप में राहत देने वाले होंगे। दो महत्व भी हमीरपुर से चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन सरकार में बिट्टू की मौजूदगी को लेकर अब आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नए सिरे से बुनियाद बनाने में इच्छुक इन नेताओं को निश्चित रूप में अलग-अलग की लड़ाई लड़नी पड़ेगी, क्योंकि अब पावर्स डाइल्यूट हो गई है। इसका फायदा कौन उठाएगा, किसे राहत मिलेगी। क्या 'रुतबे' में कोई कमी आएगी, इन सब सवालों का जवाब व्यावहारिक रूप में यहां जब देखने को मिलेगा, उसी से पता चल पाएगा। लेकिन एक बात सही है कि हमीरपुर में कांग्रेस के भीतर नेताओं की लड़ाई दिलचस्प मरहले में पहुंच गई है। इस घटनाक्रम का भी कितना फर्क पड़ेगा? आने वाले दिनों में इनकी दौड़ धूप से पता चल जाएगा।

- राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले सीएम सुक्खू का डबल गेम
- आरडीजी को जोड़कर जमीन पर लाभ बटोरने की रणनीति

विकास को रफ्तार देने की दिशा में प्रदेश सरकार का बड़ा रोडमैप: विक्रमादित्य सिंह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति देने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और नवोन्मेषी पहलों को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण और शहरी विकास विभाग के माध्यम से सड़कों, आधारभूत संरचना और शहरी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जबकि दूरदराज, पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है।

उन्होंने प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि हाल ही में केंद्रीय मंत्रियों नितिन गडकरी और मनोहर लाल खट्टर के साथ हुई बैठक में प्रदेश से जुड़े अहम मुद्दों को प्रभावी ढंग से रखा गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राज्य सरकार द्वारा लगभग 600 करोड़ रुपये के प्रस्ताव भेजे गए थे, जिनमें से 'राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना 2025-26' के तहत 366 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इन परियोजनाओं में शिमला सब्जी मंडी के पुनर्विकास, हमीरपुर बस स्टैंड को आधुनिक सिटी सेंटर में बदलने और धर्मशाला में नेबरहुड इम्प्रूवमेंट प्लान जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं, जो प्रदेश के शहरी विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देंगी।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 1500 किलोमीटर सड़कों का निर्माण 2300 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 15 अप्रैल से कार्य शुरू होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से भूमि उपलब्ध कराने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि बजट की कोई कमी नहीं है, लेकिन भूमि की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से नहीं होगा कोई समझौता

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट तक किया जा सकता है, जबकि सरकार पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ विकास को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है।

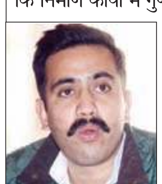

सतलुज से पानी लाने की परिकल्पना भाजपा की कांग्रेस श्रेय लेने में व्यस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने सतलुज से शिमला तक पानी लाने की महत्वाकांक्षी योजना को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह परियोजना पूरी तरह से पूर्व भाजपा सरकार की सोच, विजन और दूरदर्शिता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के जल संकट के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल की और अप्रैल 2019 में शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड का गठन कर जल एवं सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की नींव रखी। इसके बाद अगस्त 2021 में लगभग 1813 करोड़ रुपये की सतलुज पेयजल योजना को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य शिमला शहर को 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करना था। कर्ण नंदा ने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार केवल पहले से शुरू परियोजनाओं का श्रेय लेने में लगी है, जबकि योजना की परिकल्पना, स्वीकृति और वित्तीय प्रबंधन भाजपा शासनकाल में ही तय हो चुका था। उन्होंने कहा कि सरकार को श्रेय लेने के बजाय यह स्पष्ट करना चाहिए कि परियोजना की लागत में बढ़ोतरी क्यों हुई और कार्य की गति धीमी क्यों है। उन्होंने यह भी कहा कि शिमला जैसे पर्यटन शहर के लिए निरंतर जलापूर्ति भाजपा की प्राथमिकता रही है।

शिमला पहुंचा सतलुज नदी का पानी अब रोजाना जल आपूर्ति की उम्मीद

पानी सप्लाई को लेकर जानकारी देते मेयर व डिप्टी मेयर। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित सतलुज पेयजल परियोजना ने आखिरकार हकीकत का रूप ले लिया है। मंगलवार को सतलुज का पानी शहर तक पहुंच गया और सुबह करीब 11 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के बाद संजौली स्थित जल भंडारण टैंक में पहली बार पानी डाला गया। इस ऐतिहासिक मौके पर मेयर सुरेंद्र चौहान, उप महापौर उमा कौशल, शहरी विधायक हरीश जनारथा, नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र कुमार अत्री सहित एसजीपीएनएल के वरिष्ठ अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे।

शहर में पानी की किल्लत से जूझ रहे लोगों के लिए यह एक बड़ी राहत की खबर मानी जा रही है। परियोजना से नियमित जल आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद के साथ ही पानी की राशनिंग समाप्त होने के संकेत मिले हैं। संबंधित कंपनी ने भी संकेत दिए हैं कि सतलुज से पर्याप्त पेयजल मिलने के बाद अब शिमला में रोजाना पानी देने की व्यवस्था लागू की जा सकती है, जिससे हजारों परिवारों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से निजात मिलेगी।

हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड भारत माता के सप्तसिंधु: अनुराग ठाकुर

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने पंजाब यूनिवर्सिटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में आयोजित झंकार – द प्रेसिडेंशियल फेस्ट में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान युवा साथियों का उत्साहवर्धन किया और उनसे संवाद करते हुए भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड भारत माता के सप्तसिंधु हैं। गिद्दा, भांगड़ा, नाटी, उत्तराखंड का छोलिया और पांडव नृत्य सभी इस समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा हैं। भारत की शक्ति उसकी विविध संस्कृति और परंपराओं में निहित है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और उन्हें देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति, राजनीति और संसदीय परंपराओं में युवाओं का आपसी संवाद एक सकारात्मक संकेत है और विकसित भारत का लक्ष्य युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि एक लाख योग्य युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में लाया जाए। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे इस लक्ष्य का हिस्सा बनें क्योंकि उनके पास विजन, मिशन और समर्पण है।

उन्होंने बताया कि हिमाचल के युवाओं के लिए युवा चेंजमेकर नाम से लीडरशिप और फेलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें अब तक दस हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। चयनित युवाओं को नेतृत्व की विशेष प्रशिक्षण दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल हिमाचल के विकास के बड़े लक्ष्य का हिस्सा है, जिससे प्रदेश के युवा विकास की दिशा तय करने में अग्रणी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के दौरान हिमाचली संस्कृति को दर्शाने वाली विभिन्न पारंपरिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस अवसर पर धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एबीवीपी और पंजाब विश्वविद्यालय कैंपस स्टूडेंट्स काउंसिल के सहयोग से किया गया।

प्रदेश में टीचरों की नॉन-टीचिंग ड्यूटी पर सवाल

पढ़ाई पर असर, वैकल्पिक व्यवस्था व दूसरे विभागों से स्टाफ लेने की मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही सरकारी स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका गहराने लगी है। पंचायत चुनाव, जनगणना और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) जैसे बड़े प्रशासनिक कार्य एक साथ होने जा रहे हैं, जिनके लिए भारी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। परंपरागत रूप से इन कार्यों के लिए 50 प्रतिशत से अधिक स्टाफ शिक्षा विभाग से लिया जाता रहा है, जिससे इस बार भी बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी नॉन-टीचिंग कार्यों में लगने की संभावना है। इसका सीधा असर कक्षाओं की नियमित पढ़ाई पर पड़ सकता है, खासकर उन स्कूलों में जहां पहले से ही शिक्षकों की कमी बनी हुई है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने स्वयं स्वीकार किया है कि नॉन-टीचिंग कार्यों में शिक्षकों की तैनाती से पढ़ाई प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव, जनगणना और एसआईआर जैसे कार्यों के लिए अधिकतर स्टाफ शिक्षा विभाग से ही लिया जाता है, जिससे स्कूलों की व्यवस्था बाधित होती है।

मंत्री ने इस चिंता को सरकार के समक्ष रखते हुए इन कार्यों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की जरूरत पर जोर दिया है, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार को इन कार्यों के लिए अन्य विभागों से कर्मचारियों की तैनाती बढ़ानी चाहिए। कई स्कूलों में पहले से ही विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी है, ऐसे में यदि गणित या विज्ञान के शिक्षक को ड्यूटी पर भेजा जाता है तो उसकी भरपाई तुरंत संभव नहीं होती। चुनाव ड्यूटी के दौरान शिक्षक कम से कम 15 दिनों तक स्कूल से दूर रहते हैं, और इस बार जनगणना व मतदाता सूची पुनरीक्षण के अतिरिक्त कार्यों से यह अवधि और बढ़ सकती है, जिससे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया बाधित होना तय माना जा रहा है।

शिक्षित बेरोजगारों को जोड़ने का सुझाव

राज्य प्रवक्ता संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र पुंडीर ने इस समस्या के समाधान के लिए शिक्षित बेरोजगार युवाओं को अस्थायी रूप से शामिल करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि सरकारी कर्मचारियों को केवल निगरानी और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी जाए, जबकि गणना और फील्ड से जुड़े कार्यों के लिए युवाओं की सेवाएं ली जा सकती हैं। विशेष रूप से जनगणना में गणनाकर्ता के रूप में युवाओं की नियुक्ति से एक ओर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, वहीं दूसरी ओर स्कूलों की पढ़ाई भी प्रभावित होने से बच सकेगी।

- मंत्री ने भी माना, पढ़ाई पर पड़ता है असर

राज्यपाल से मुख्य सचिव और डीजीपी ने की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला में मंगलवार को लोक भवन में बैठक के दौरान मुख्य सचिव संजय गुप्ता व पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान मुख्य सचिव ने प्रदेश की मौजूदा प्रशासनिक स्थिति, प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने, सेवा वितरण प्रणाली में सुधार लाने तथा जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी निवारण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

वहीं पुलिस महानिदेशक ने राज्यपाल को प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराते हुए जन सुरक्षा को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने और पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता व जवाबदेही बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत कानून-व्यवस्था, सतर्क प्रशासन और जनहितैषी दृष्टिकोण राज्य के समग्र विकास, शांति और जनकल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सरकार के खिलाफ अविश्वास का माहौल: जयराम

नेता प्रतिपक्ष ने कैबिनेट रैंक की वापसी को बताया दिखावटी कदम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हिमाचल में सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ अविश्वास का माहौल बन चुका है। उन्होंने कैबिनेट रैंक वापस लेने की प्रक्रिया को महज जनता की आंखों में धूल झोंकने का असफल प्रयास करार दिया। उनका कहना था कि यदि सरकार वास्तव में फिजूलखर्ची रोकना चाहती, तो यह निर्णय पहले ही लिया जाना चाहिए था।

विधानसभा परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में जयराम ठाकुर ने कहा कि मौजूदा बजट सत्र सरकार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है। विपक्ष ने प्रदेश में ठप पड़े विकास कार्यों, बिगड़ती कानून व्यवस्था और अन्य जनहित के मुद्दों पर नियमों के तहत नोटिस दिए हैं, जिनका जवाब देना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और संसाधनों के दुरुपयोग को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ रही है, जो सरकार के प्रति अविश्वास को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है और इस पर विशेषाधिकार हनन के तहत जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय परंपराओं का उल्लंघन करते हुए राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को लंबित रखना गंभीर विषय है, जो सरकार की असमंजस भरी स्थिति को उजागर करता है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार केवल सुर्खियां बटोरने के लिए फैसले ले रही है।

राज्यपाल से मिले नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की सियासत के बीच आज एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट देखने को मिली, जब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक, प्रशासनिक और विकासात्मक परिस्थितियों को लेकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में विचार-विमर्श हुआ। मुलाकात को औपचारिक शिष्टाचार भेंट बताया गया, लेकिन इसे प्रदेश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में भी अहम माना जा रहा है।

जयराम ने राज्यपाल को प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया और जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर लोक भवन में गरिमामय माहौल देखने को मिला और दोनों नेताओं के बीच संवाद सौहार्द और सहयोग की भावना के साथ संपन्न हुआ।

इंटरजेनरेशनल बॉन्डिंग को मजबूत बनाने पर दिया जोर

बैठक में विचार-विमर्श करते बुद्धिजीवी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हेल्पएज इंडिया रीजनल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग सेंटर शिमला, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार व प्रदेश विवि के इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वीसी ऑफिस कमेटी रूम में इंटरजेनरेशनल बॉन्डिंग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. बलदेव नेगी द्वारा किया गया, जिन्होंने विभाग की शैक्षणिक व शोध गतिविधियों के साथ समाज से जुड़े मुद्दों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के बीच संवाद को बढ़ावा देने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

विभाग की निदेशक प्रो. अपर्णा नेगी ने अपने स्वागत संबोधन में इंटरजेनरेशनल बॉन्डिंग को एक मजबूत सामाजिक सेतु बताते हुए इसके व्यापक विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं हेल्पएज इंडिया के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने समावेशी समाज के निर्माण में विभिन्न पीढ़ियों के बीच बेहतर संबंधों की अहम भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी विषय के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

जानकारी 21 को प्रस्तुत होगा राज्य का बजट, 30 मार्च को होगा पारित: पठानिया

834 प्रश्नों के साथ गरमाएगा बजट सत्र

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र अब अपने दूसरे चरण में प्रवेश करने जा रहा है, जिसकी शुरुआत 18 मार्च से होगी। इस चरण को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दोनों ही अपने-अपने मुद्दों के साथ तैयार नजर आ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि अब तक सत्र की तीन बैठकें हो चुकी हैं, जबकि कुल 16 बैठकें प्रस्तावित हैं। उन्होंने जानकारी दी कि इस चरण में कुल 834 प्रश्न प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 665 तारांकित हैं, जिससे स्पष्ट है कि सदन में तीखी और व्यापक चर्चा देखने को मिल सकती है।

अध्यक्ष ने बताया कि 21 मार्च को राज्य का बजट प्रस्तुत किया जाएगा, जिस पर तीन दिनों तक सामान्य चर्चा होगी। इसके बाद दो दिन कट प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा और 30 मार्च को बजट पारित किया जाएगा। 31 मार्च को निजी सदस्य दिवस निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि नियम 130 के तहत पांच विषय चर्चा के लिए आए हैं, वहीं स्थगित प्रश्नों के उत्तर भी दिए जाएंगे। इससे यह संकेत मिलता है कि सदन में जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर और विस्तृत विचार-विमर्श होगा।

पठानिया ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सदस्य अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को पूरी स्वतंत्रता के साथ उठा सकेंगे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विषयों, जैसे ईरान-इजराइल से जुड़े मामलों पर भी चर्चा की संभावना जताई। अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने याचिका समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से जनहित के कई मामलों का समाधान किया गया है और अधिकारियों के सहयोग से मामलों के निपटारे में तेजी आई है।

विशेषाधिकार मामलों में देरी पर सख्ती

विशेषाधिकार मामलों को लेकर अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अधिकांश मामलों में जवाब प्राप्त हो चुके हैं, लेकिन देरी को गंभीरता से लिया गया है। इसी कारण मुख्य सचिव को तलब किया गया है, ताकि विलंब के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। वहीं राज्यसभा सदस्य हर्ष महाजन से जुड़े मामले पर उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी हुई है तो उसके लिए खेद व्यक्त किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है कि इस बार बजट सत्र न केवल विकास मुद्दों बल्कि जवाबदेही और अनुशासन के प्रश्नों पर भी केंद्रित रहेगा।

विधानसभा बजट सत्र से पहले सुरक्षा कड़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की तैयारियों के बीच राजधानी शिमला में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से सख्त कर दिया गया है। सत्र के सुचारू संचालन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सीआईडी की विशेष तैनाती की गई है। विधानसभा परिसर के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है, जबकि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सत्र के दौरान सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार इस सत्र को शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

भाजपा विधायक दल ने सत्र से पहले सरकार को घेरने की बनाई रणनीति

अनंत ज्ञान

- जनता से जुड़े मुद्दों पर आक्रामक रुख
- प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाने का ऐलान

ब्यूरो, शिमला। विली पार्क, शिमला में मंगलवार को भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें आगामी विधानसभा सत्र को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई। बैठक में प्रदेश की कांग्रेस सरकार की नीतियों, प्रशासनिक कार्यशैली और जनविरोधी फैसलों पर गहन मंथन हुआ। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है, विकास कार्य ठहराव का शिकार हैं और सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित रह गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि कर्मचारियों, पेंशनरों, किसानों, बागवानों और बेरोजगार युवाओं से जुड़े मुद्दों को सदन के भीतर और बाहर जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने वादों को निभाने में पूरी तरह विफल रही है, जिससे प्रदेश में कुशासन का वातावरण बन गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा विधायक दल जनता की आवाज बनकर हर मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगेगा और प्रदेश हितों से जुड़े विषयों पर उसे कठघरे में खड़ा करेगा। बैठक में विपिन परमार, सतपाल सत्ती, रणधीर शर्मा, अनिल शर्मा, सुधीर शर्मा, सुखराम चौधरी, बिक्रम ठाकुर, राकेश जमवाल, बलबीर वर्मा सहित अन्य विधायक उपस्थित रहे। साथ ही निर्णय लिया गया कि कांग्रेस सरकार की नीतियों से जनता को हो रही परेशानियों को उजागर करने के लिए प्रदेशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

युवाओं की आवाज उठती रहेगी, सरकार चाहे किसी भी पार्टी की हो : श्रेय अवस्थी

शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता एवं भाजपा के सोशल मीडिया के सह-संयोजक श्रेय अवस्थी ने अनंत ज्ञान से विशेष बातचीत में छात्र राजनीति से लेकर युवाओं के रोजगार के मसलों समेत मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य जैसे कई अहम मसलों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। पेश हैं मुख्यांश-

प्रश्न : आपकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत कैसे हुई?

उत्तर : शुरुआत छात्र राजनीति से हुई। दिल्ली में छात्र संघ चुनाव करीब से देखे तो हिमाचल के युवाओं के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिली। पहले एनएसयूआई में था, जहां प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव भी लड़ा, लेकिन मुझे लगा कि यहां 'गॉडफादर कल्चर' ज्यादा हावी है। फिर मैंने भाजपा ज्वाइन कर ली।

प्रश्न : भाजपा में आने का टर्निंग प्वाइंट क्या रहा?

उत्तर : मैं शुरू से ही राष्ट्रवाद और प्रोग्रेसिव राजनीति में विश्वास रखता हूं। कांग्रेस में मेरे विजन को जगह नहीं मिली, इसलिए युवाओं के मुद्दे उठाने के लिए भाजपा का दामन थामा।

प्रश्न: फोरलेन प्रोजेक्ट को लेकर आपने क्या पहल की?

उत्तर : मैंने शाहपुर में फोरलेन निर्माण से जुड़ी लोगों की समस्याएं डेलीगेशन के साथ केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा से मिलकर उठाईं, जिस पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

प्रश्न : बड़े नेताओं से अपने संबंधों को कैसे देखते हैं?

उत्तर : मैं किसी पद या लाभ के लिए नहीं, बल्कि एक आम युवा प्रतिनिधि के रूप में काम करता हूं। मेरा उद्देश्य हमेशा युवाओं की समस्याएं, रोजगार और विकास में देरी जैसे मसले उठाना रहा है।

प्रश्न : हिमाचल अनइंप्लॉयड यूथ फेडरेशन बनाने का विचार कैसे आया?

उत्तर : मैंने देखा कि 5 लाख नौकरियों के वादे के बावजूद युवाओं को निराशा मिली। भर्ती में देरी से रोष बढ़ा, इसलिए युवाओं की आवाज के लिए मंच बनाया, जहां युवा अपनी आवाज उठा सकें-चाहे वह धरना-प्रदर्शन हो, ज्ञापन हो या डिजिटल कैंपेन।

प्रश्न : आपकी टीम कैसे काम करती है?

उत्तर : मैं और मेरी टीम किसी मुद्दे पर बोलने से पहले दस्तावेज सत्यापन करते हैं, ताकि सही जानकारी ही सार्वजनिक हो।

प्रश्न : आपकी शिक्षा और पर्सनल बैकग्राउंड क्या है?

उत्तर : मैं मूल रूप से शाहपुर का रहने वाले हूं। शुरुआती पढ़ाई यूएई में हुई, फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। अरनी यूनिवर्सिटी से बीटेक (सिविल) और एचपीयू शिमला से एमबीए किया है।

प्रश्न : आपके राजनीतिक आइडल कौन हैं?

उत्तर : मेरे प्रेरणास्रोत एसपी सिंह बघेल, मेजर विजय सिंह मनकोटिया और डॉ. राजीव बिंदल हैं, जिनसे मैंने सार्वजनिक जीवन, संघर्ष और संगठनात्मक कार्यशैली सीखी।

प्रश्न : आपने किताबें लिखने की प्रेरणा कहां से ली?

उत्तर : मुझे बचपन से लिखने का शौक रहा, मैंने "Himachal Youth Beyond Government Job" और 'सनातन सत्यम' के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया।

प्रश्न : एआई समिट के अनुभव और विवाद पर आपकी क्या राय है?

उत्तर : मैं एआई समिट को उपलब्धि मानता हूं तथा विरोध को दुर्भाग्यपूर्ण।

प्रश्न : हिमाचल सरकार के कामकाज को आप कैसे आंकते हैं?

उत्तर : सरकार ने युवाओं को सिर्फ निराशा दी है। रोजगार के वादे पूरे नहीं हुए, भर्तियां रुकी हुई हैं।

प्रश्न : 2027 चुनाव और आपकी रणनीति क्या है?

उत्तर : मेरा मानना है कि बीजेपी 2027 में सरकार बनाएगी और हमारी सोशल मीडिया टीम तथ्यों पर काम कर, योजनाएं युवाओं तक पहुंचाएगी।

प्रश्न : क्या आपका फेडरेशन बीजेपी सरकार में भी उतना ही सक्रिय रहेगा?

उत्तर : हमारा संगठन हमेशा युवाओं की आवाज उठाता रहेगा, चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो।

प्रश्न : राज्यसभा उम्मीदवार न देने के फैसले पर आपकी राय?

उत्तर : यह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का रणनीतिक फैसला है और भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

मित्रों को खुश करने में डूबी सरकार जनता भुगत रही आर्थिक मार : परमार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा आज लिया गया निर्णय न केवल देर से लिया गया कदम है, बल्कि यह इस बात का भी स्पष्ट प्रमाण है कि प्रदेश की आर्थिक बदहाली के लिए सीधे तौर पर स्वयं मुख्यमंत्री और उनकी कार्यप्रणाली जिम्मेदार है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस फैसले को सरकार आज मजबूरी में ले रही है, उसे बहुत पहले ही जनहित में लागू किया जाना चाहिए था।

परमार ने कहा कि प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है कि बीते समय में किस प्रकार सत्ता का दुरुपयोग करते हुए कैबिनेट रैंक और अन्य लाभकारी पद रेवड़ियों की तरह बांटे गए। यह सब केवल अपने चहेते मित्रों और समर्थकों को खुश करने के लिए किया गया। शासन का यह गैर-जिम्मेदाराना रवैया ही आज हिमाचल प्रदेश को आर्थिक गर्त में धकेलने का मुख्य कारण बना है। जिस प्रकार से बिना किसी ठोस आवश्यकता के कैबिनेट रैंक प्रदान किए गए, उससे सरकारी खजाने पर अनावश्यक बोझ पड़ा। आज जब वित्तीय स्थिति चरमरा चुकी है, तब जाकर सरकार को अपनी गलतियों का एहसास हो रहा है, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी है। आज सरकार द्वारा कुछ कैबिनेट रैंक वापस लेने का निर्णय केवल एक दिखावटी कदम प्रतीत होता है। यह आधा-अधूरा प्रयास है, जिससे न तो प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और न ही जनता का भरोसा लौटेगा। प्रदेश सरकार को तुरंत प्रभाव से सभी अनावश्यक खर्चों पर रोक लगानी चाहिए, अपने चहेते लोगों को दी जा रही सभी सुविधाएं वापस लेनी चाहिए। अन्यथा, आने वाले समय में जनता जवाब जरूर देगी।

न्यूज ब्रीफ

श्रीकृष्ण के जन्म उत्सव का महत्व बताया

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। मनियाडा ठंडोल शिव मंदिर में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के छठे दिन शुभ विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें विवाह के मंगल गीत गाए गए और श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा वाचक पुरोहित संदीप शर्मा ने कृष्ण के जन्म उत्सव का महत्व बताया और इसे सौभाग्य मानने की बात की। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा के दौरान आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं और गांव में भक्ति गीतों के साथ वातावरण भक्तिमय बन गया। गोपाल सेवा समिति और गांववासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पाइन ग्रोव स्कूल में फाउंडेशन स्टोन कार्यक्रम आयोजित

पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा। जसवां-परागपुर क्षेत्र के स्यूलखड्ड में पाइन ग्रोव पब्लिक स्कूल के फाउंडेशन स्टोन (शुभारंभ) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कामगार एवं कर्मचारी कल्याण बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष ठाकुर सुरिंदर सिंह मनकोटिया और उनकी धर्मपत्नी रजनी मनकोटिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, उसके बाद स्कूल का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस स्कूल में नर्सरी से 8वीं कक्षा तक शिक्षा दी जाएगी और पहले वर्ष में किसी भी बच्चे से एडमिशन फीस नहीं ली जाएगी। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। ठाकुर मनकोटिया ने कहा कि इस स्कूल से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा।

सेंसई पवन ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। देहरादून में आयोजित तीन दिवसीय रेनबुकाई कराटे ट्रेनिंग कैंप में डाडासीबा के समुराई फिटनेस सेंटर के कोच सेंसई पवन ने भाग लेकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। सेंसई पवन जो पिछले कई वर्षों से ढलियारा, देहरा और डाडासीबा में बच्चों को कराटे प्रशिक्षण दे रहे हैं, ने इस कैंप में भाग लिया। कैंप में देशभर से आए प्रोफेशनल कोचों ने रेनबुकाई के चीफ सेंसई सुबोध धीमान से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। सेंसई धीमान ने कराटे के पारंपरिक रूप को बनाए रखने और मानसिक एवं शारीरिक विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रेनबुकाई कराटे को आत्मरक्षा, योग और ध्यान से जोड़कर इसके वैश्विक स्तर पर महत्व को बताया।

कृषि सहकारी सभा का वार्षिक अधिवेशन 25 को

अनंत ज्ञान, गलोड़। दी कमलाह कृषि सेवा सहकारी सभा सीमित का वार्षिक अधिवेशन 25 मार्च को सुबह 11 बजे सभा कार्यालय में होगा. सभा सचिव पश्विंदर सिंह ने बताया कि साधारण अधिवेशन में सभा सदस्यों को वार्षिक आंकडे, आय-व्यय लाभ-हानि और लेखा को पढ़कर सुनाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अधिवेशन में उपस्थित होने का आग्रह किया।

दाडनू में दुकान से देसी शराब बरामद

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। पुलिस थाना धर्मशाला के तहत आते दाडनू में पुलिस की टीम द्वारा एक दुकान से 6 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की गई है। सोमवार शाम पुलिस की टीम संबंधित क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस द्वारा दुकान से 6 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की गई है। उधर, एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर बताया कि पुलिस द्वारा संबंधित दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

केसीसी बैंक ने की ई-वाहन ऋण योजना लांच

ई-वाहन में 7.5 फीसदी रहेगी ब्याज दर और चौपहिया वाहन के लिए 7.6 फीसदी

अनंत ज्ञान

- बैंक का डिपॉजिट 15 हजार करोड़ रुपए अधिक : एमडी
- 170 में से 140 ने पास किया प्रमोशन टेस्ट, इसी वर्ष पूरी होगी प्रक्रिया

ब्यूरो, धर्मशाला। केसीसी बैंक के 106वें स्थापना दिवस पर ई-वाहन ऋण योजना लांच की गई। ई-वाहन के 7.5 फीसदी रहेगी ब्याज दर, चौपहिया वाहन के लिए 7.6 फीसदी रहेगी। बैंक बैंक का डिपॉजिट 15 हजार करोड़ रुपए अधिक है। बैंक में प्रमोशन के लिए 170 कर्मियों ने टेस्ट दिया था, जिसमें से 140 पास हुए हैं, इसी वित्तीय वर्ष में यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

यह बात केसीसी बैंक के एमडी जफर इकबाल ने मंगलवार को ई-वाहन ऋण योजना की लांचिंग के दौरान कही। बैंक में वाहनों के लिए ऋण की ब्याज दर आठ फीसदी थी, जबकि ई-वाहन ऋण योजना में इसे 7.5 फीसदी ब्याज रखा गया है। इस पूरे वित्तीय वर्ष में उक्त सुविधा पांच जिलों सहित राज्यभर के लिए लागू रहेगी। इसके अलावा किसी भी प्रकार के व्यक्तिगत चौपहिया वाहन के लिए ब्याज दर 7.6 फीसदी रखी गई है। 19 मार्च को होने वाली बैंक में वार्षिक बैठक में भी इस योजना पर विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष मार्च में डिपोजिट 14 हजार 888 करोड़ था, जोकि अब बढ़कर 15 हजार 614 करोड़ हो गया है। बैंक में सोसायटीज और लोगों डिपोजिट भी बढ़ा है और लोगों का डिपोजिट, सोसायटीज के डिपोजिट से अधिक है। पिछले वर्ष माह माह में बैंक का एनपीए 19.5 फीसदी था, जोकि अब 17.91 फीसदी है। नेट एनपीए में एक साल में दो फीसदी का सुधार किया है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को लोन समय पर उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोन लेने वाले यह न सोचें की वन टाइम सेटलमेंट या ऋण माफी जैसा कुछ होगा, जो पहले होता रहा है, अब आगे नहीं होगा, प्रबंधन के लिए बैंक का मुनाफा बेहद जरूरी है।

एमडी ने बताया कि 80 फीसदी कर्मियों की डीपीसी के तहत प्रमोशन गई है। प्रमोशन के लिए जो टेस्ट होता है, उसका आयोजन किया जा चुका है तथा रिजल्ट भी आ गया है। वित्त वर्ष की समाप्ति से पहले प्रयास किया जाएगा कि रिजल्ट पास करने वालों की डीपीसी करके उन्हें प्रमोट कर दिया जाए। 170 के करीब कर्मियों ने प्रमोशन टेस्ट दिया था जिसमें से 140 के करीब पास हुए हैं। एमडी ने कहा कि बैंक कर्मियों की पेंशन को लेकर ट्रस्ट बना हुआ है, जहां बैंक के कर्मियों की कंट्रीब्यूशन काटी जाती है तथा बैंक सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देता है, यह प्रक्रिया रूटीन में चल रही है। टाइमलाइन के हिसाब से कुछ लोगों को लगता है कि उनका कुछ नहीं हुआ था और लोग कोर्ट गए थे। कोर्ट से बैंक को निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें 186 के करीब लोगों के ऑर्डर आ चुके हैं, जिनकी वेरिफिकेशन हो रही है। सुप्रीम कोर्ट और हिमाचल हाईकोर्ट से निर्देश हैं, कि बैंक पेंशनर्स का जो हक बनता है, उन्हें वो दिया जाए, इसके लिए बैंक प्रबंधन प्रतिबद्ध है। सरकार से नए कर्मियों की भर्ती के लिए मांग की जा रही है, साथ ही आउटसोर्स के लिए भी मांग रखी जाएगी। अप्रैल माह में तीनों बैंक का संयुक्त सम्मेलन किया जाएगा। जिसमें मंथन कर बेहतर कार्य करने के लिए प्रारूप तैयार किया जाएगा।

हमीरपुर-सुजानपुर-थुरल-मारंडा सड़क के निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी

- केंद्रीय मंत्री ने सांसद इंदु गोस्वामी के आग्रह पर दी स्वीकृति
- इस मार्ग के सभी पुल किए जाएंगे डबललेन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी के आग्रह पर हमीरपुर-सुजानपुर-थुरल-मारंडा सड़क को सेंट्रल रोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से निर्मित करने को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की है। सांसद इंदु गोस्वामी ने बताया कि यह राजमार्ग हमीरपुर और कांगड़ा जिले की जीवन रेखा है और इस मार्ग के निर्माण से दोनों जिलों के पांच लाख लोगों को यात्रा के सुगम अवसर प्रदान होंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा कोष (सीआरआईएफ) के अधीन इस सड़क मार्ग के सभी पुल डबललेन किस जाएंगे तथा पालमपुर-सुजानपुर-हमीरपुर यात्रा मार्ग की सभी तंग सड़कों को चौड़ा किया जाएगा। इस सड़क परियोजना पर लगभग दो सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इंदु ने बताया कि इस राजमार्ग के निर्माण से हमीरपुर और पालमपुर के बीच दूरी कम होगी तथा पर्यटन सहित आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने इंदु गोस्वामी द्वारा पिछले छह बरसों के दौरान पठानकोट-मंडी-चण्डीगढ़-मनाली सहित राज्य के आर्थिक महत्व के अनेक राज मार्गों की पैरवी करने के लिए उनकी प्रशंसा की और कहा कि उनकी पैरवी की बदौलत राज्य के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान सुनिश्चित हुआ है।

आपदा प्रभावित परिवारों को सोलर लैंप और मोबाइल चार्जर किए वितरित

सोलर लैंप एवं मोबाइल चार्जर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। मंडी जिले की विभिन्न पंचायतों में आपदा प्रभावित परिवारों के सहयोग के लिए सोलर लैंप एवं मोबाइल चार्जर वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम हिमालय उन्नति मिशन के तत्वावधान में श्रीश्री ग्रामीण विकास कार्यक्रम ट्रस्ट, आर्ट ऑफ लिविंग एवं प्राणा के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल के तहत 135 से अधिक आपदा प्रभावित परिवारों को सौर ऊर्जा से संचालित लैंप एवं मोबाइल चार्जिंग सुविधाएं प्रदान की गईं, जिससे उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित एवं टिकाऊ ऊर्जा का लाभ मिल सके। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्ट ऑफ लिविंग की टीचर हीरा देवी, युवाचार्य सचिन दुग्गल, जोगिंदर शर्मा, जवाहर लाल, मणि देवी, हिमालय उन्नति मिशन के प्रतिनिधि एवं समुदाय समन्वयक बलराम गर्ग तथा कार्यक्रम निदेशक अमित मेहता द्वारा किया गया। मंडी जिले की 5 पंचायतों के 29 गांवों को कवर किया गया। स्थानीय प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन संभव हो सका। कार्यक्रम निदेशक अमित मेहता ने कहा कि हिमालय उन्नति मिशन हिमालयी क्षेत्रों में सतत विकास, स्वच्छ ऊर्जा एवं आपदा राहत कार्यों को निरंतर गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चिट्टा बरामदगी मामले में मुख्य तस्कर पालमपुर से गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पालमपुर निवासी अदित्य निवासी रोड़ी रोड़ी से 35 ग्राम हेरोइन सहित रंगे हाथों गिरफ्तार करने के मामले में मुख्य तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया है। बताते चलें कि इससे पहले आदित्य के खिलाफ पुलिस थाना पालमपुर में मादक पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पजीकृत हुआ था। उपरोक्त आरोपी से गहन पूछताछ, तकनीकी विश्लेषण व ट्रांजेक्शन हिस्ट्री से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सुराग मिला कि उक्त आरोपी से बरामद चिट्टा लक्ष्य पठानिया निवासी लुधियाना से लिया गया था। जिला कांगड़ा पुलिस की ओर से फरार चले आ रहे मुख्य तस्कर लक्ष्य को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे तथा एक विशेष गुप्त टीम का गठन करके अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही थी।

विशेष गुप्त टीम व थाना पुलिस की टीम की कड़ी मेहनत, अथक प्रयास व सूझबूझ, के चलते मुख्य तस्कर लक्ष्य को गत शाम पालमपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है तथा नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि कांगड़ा पुलिस निरंतर नशा माफिया के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। हमारी प्राथमिकता नशे की जड़ों तक पहुंचकर उसके स्रोतों को समाप्त करना है।

कैबिनेट रैंक की बंदरबांट से सरकारी खजाने पर पड़ा अनावश्यक बोझ : भंडारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। आम आदमी प्रदेश प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने प्रदेश सरकार की ओर से विभिन्न बोर्डों, निगमों और आयोगों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों से कैबिनेट रैंक वापस लेने के फैसले पर तीखा प्रहार किया है। भंडारी ने कहा कि यह आदेश इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि सरकार ने पिछले समय में केवल अपने चहेतों को रेवड़ियां बांटने के लिए कैबिनेट रैंक की बंदरबांट की थी, जिससे सरकारी खजाने पर करोड़ों का अनावश्यक बोझ पड़ा। कल्याण भंडारी ने कहा कि सरकार को अब जाकर होश आया है कि कैबिनेट रैंक का दर्जा केवल दिखावे और फिजूलखर्ची के लिए था। जब प्रदेश का आम आदमी महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा था, तब सरकार अपने चहेतों को लाल बत्तियां और आलीशान बंगले बांटने में व्यस्त थी। अब यह स्पष्ट हो गया है कि उक्त नियुक्तियां अनावश्यक और बोझिल थी जिनका जनता और विकास से कोई लेना देना नहीं है। 20 फीसदी वेतन स्थगन का निर्णय दर्शाता है कि प्रदेश आर्थिक रूप से दिवालिया होने की कगार पर है।

सरकार के पास वेतन देने के पैसे की किल्लत है और बुजुर्ग पेंशनर्स को अपने वित्तीय हकों को लेकर उम्र के इस पड़ाव में सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। इसलिए अब आनन-फानन में इस तरह के चेहरा-बचाने वाले फैसले लिए जा रहे हैं। भंडारी ने मांग की है कि केवल रैंक वापस लेना काफी नहीं है। पिछले समय में इन वीआईपी सुविधाओं पर जो जनता का पैसा पानी की तरह बहाया गया है, उसका पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार रिवर्स गियर की सरकार बन चुकी है। पहले गलत फैसले लेना और फिर दबाव में उन्हें वापस लेना ही इनकी कार्यप्रणाली बन गई है।

सीएसआईआर की तकनीकों को गांव के स्तर पर एकीकृत करने पर दिया जोर

सीएसआईआर-आईएचबीटी ने ओडिशा में स्मार्ट विलेज मिशन कार्यक्रम में लिया भाग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। हिमालयन बायोसोर्स टेक्नोलॉजी संस्थान (सीएसआईआर-आईएचबीटी) पालमपुर ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा स्थित कुसुनपुर गांव में सीएसआईआर स्मार्ट विलेज मिशन की गतिविधियों के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। यह पहल प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप थी।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट रघुराम आर अय्यर ने किया। इस कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर-आईएचबीटी द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों और उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जैसे कुपोषण से लड़ने के लिए फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ, फूलों से बनी कलाकृतियां, हस्तशिल्प और एकीकृत मधुमक्खी पालन उत्पाद जैसे शहद, बी-पराग और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद। कार्यक्रम में गांव के समुदाय, केंद्रपाड़ा जिला प्रशासन और सीएसआईआर की अन्य सहयोगी प्रयोगशालाओं के भागीदारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कुसुनपुर गांव की महिलाओं को पोषण मैत्री किट वितरित की गईं, ये किट सीएसआईआर-आईएचबीटी द्वारा विकसित प्रोटीन और आयरन से भरपूर खाद्य उत्पादों का एक विशेष पैक हैं। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर-आईएचबीटी की टीम ने ग्रामीणों के लिए एक जागरुकता-सह-संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस अवसर पर, सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन कलैसेल्वी ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीएसआईआर की तकनीकों को गांव के स्तर पर एकीकृत करने पर जोर दिया। सीएसआईआर-आईएचबीटी) की टीम ने स्थानीय प्रशासन और कुसुनपुर के ग्रामीणों को उनके सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

बजट सत्र में स्पेशल प्रावधान के इंतजार में करुणामूलक, दो दशक से नौकरी के लिए खा रहे ठोकरें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश करुणामूलक संघ लंबे समय से करुणामूलक नौकरियों की मांग सरकार के समक्ष उठाता आ रहा है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। पिछले करीब दो दशक से करुणामूलक आश्रित नौकरी के इंतजार में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। इनकी समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो पाया है। करुणामूलक संघ के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र अत्री का कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा करुणामूलक नीति में वार्षिक आय सीमा को 3 लाख रुपए किया गया है। इसके कारण करीब 1650 करुणामूलक परिवार अभी भी नौकरी से वंचित रह रहे हैं।

संघ ने मुखयमंत्री से आग्रह किया कि बजट सत्र में करुणामूलक परिवारों के हित में फैसला लिया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सभी करुणामूलक परिवारों के लिए बजट सत्र में ऐसा प्रावधान लाया जाए, जिससे कोई भी आश्रित नौकरी से वंचित न रह पाए। प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनावों के समय करुणामूलक परिवारों से वादा किया था कि सभी आश्रितों के बिना किसी शर्त के एक मुश्त नौकरियां दी जाएंगी, सरकार को अपना वादा निभाना चाहिए।

धर्मशाला कॉलेज में 'अविजेता' थीम पर कार्यक्रम आयोजित

विजेता स्टूडेंट्स को किया सम्मानित

ज्ञापन सौंपते प्रभावित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के बीकॉम विभाग की सोसाइटी ने कॉलेज के ऑडिटोरियम में 'अविजेता' थीम पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया ने मुख्य अतिथि के रूप में की। सोसाइटी की आयोजक टीम ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवेश गिल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि इस कॉलेज में 1969 में वाणिज्य विभाग की शुरुआत हुई थी और यहां से कई विद्यार्थियों ने समाज में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। प्रो. राकेश पठानिया ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने और अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कॉमर्स सोसाइटी के ऑफिस धारकों को 'बेस्ट वालंटियर' के तौर पर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं में मीनाल, बबिता, शिवम, शिवांग, पलक, अन्वशा, महक और सौरव भट्ट जैसे विद्यार्थियों ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यातिथि की ओर से विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. गिल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

वायरल वीडियो मामले में बोले डीएफओ पायथन विषहीन, घबराने की नहीं जरूरत

- कलोथर माता मंदिर के पास एक साथ दिखे थे 5 अजगर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिले में इन दिनों एक साथ पांच अजगर दिखने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया है। यह मामला टल्ला वीट क्षेत्र की लपियाणा रेंज लोअर हिल्स के तहत कलोथर माता मंदिर के पास का बताया जा रहा है, जहां तीन दिन पहले इन पांच अजगरों को एक साथ देखा गया। इस संबंध में डीएफओ धर्मशाला अमित शर्मा ने बताया कि पायथन हिमाचल प्रदेश में सामान्य रूप से पाए जाने वाले सांप हैं और इनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पायथन विषहीन होते हैं और मनुष्यों के लिए खतरा नहीं बनते। पायथन वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत शेड्यूल-1 में शामिल हैं, जिन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्राप्त है। ऐसे में इन सांपों को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचाना दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि हिमाचल में कुछ जहरीले सांप भी पाए जाते हैं, जिनमें ग्रीन पिट वाइपर, हिमालयन पिट वाइपर, रसल वाइपर और कोबरा शामिल हैं। हालांकि, पायथन और रैट स्नेक जैसे सांप विषहीन होते हैं और ये छोटे जानवरों का शिकार कर पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। अमित शर्मा ने लोगों से अपील की है कि सांप दिखने पर घबराएं नहीं और उन्हें नुकसान न पहुंचाएं, बल्कि वन विभाग को इसकी सूचना दें।

आज पेश होगा नगर निगम धर्मशाला का वार्षिक बजट

मर्ज एरिया में टैक्स वसूली पर अहम निर्णय की संभावना

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला का वित्तीय वर्ष 2026-27 व मौजूदा एमसी के कार्यकाल का अंतिम बजट बुधवार को प्रस्तुत किया जाएगा। नगर निगम धर्मशाला में वर्ष 2016 से मर्ज एरिया में नगर निगम पिछले पांच से छह वर्षों के पेंडिगं चल रहे टैक्स को वसूल सकती है।

लंबे समय से लटके प्रॉपटी सर्वे को भी एमसी की ओर से पूरा कर लिया गया है। ऐसे में टैक्स को लेकर बजट में अहम घोषणा होने की उम्मीद लगाई जा रही है। इसके साथ ही नगर निगम धर्मशाला अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए पर्यटक वाहनों के प्रवेश पर सैस लगाने की तैयारी में भी है। इससे पहले भी उक्त प्रस्ताव को पारित किया जा चुका है, लेकिन सरकार से अंतिम सहमति

- **आय बढ़ाने के साथ शहर के सौंदर्यीकरण पर रहेगा फोकस**
- **शहर में पार्किंग की येलो लाइन पर शुल्क का हो सकता है प्रावधान**

अब तक नहीं मिल पाई है। वहीं, शहर में लगाई गई पार्किंग की येलो लाईन पर पार्किगं शुल्क पर भी बजट में प्रावधान किया जा सकता है। इससे लोगों को नाममात्र के शुल्क के साथ शहर के महत्वपूर्ण स्थानों में पार्किगं की सुविधा मिल पाएगी। नगर निगम धर्मशाला का वार्षिक बजट बुधवार को नगर निगम की मेयर नीनू शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। यह उनके कार्यकाल का अंतिम बजट रहेगा। सोमवार व मंगलवार को चली फायनांस कॅमेटी की बैठक में नगर निगम की ओर से वार्षिक बजट को लेकर तैयार पूरी कर ली गई है। इससे पहले मंगलवार को फायनांस कमेटी की बैठक नगर निगम द्वारा की गई, ताकि आगामी बजट को विकास के लिए अधिक रखा जाए। इस बार वार्षिक बजट में सबसे अधिक जोर विकास पर दिया जाएगा। इसमें शहर के सौंदर्यीकरण पर ज्यादा फॉक्स किया जाएगा। वहीं, इस बजट में शहर को स्वच्छ बनाने को लेकर भी अधिक ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे प्रॉपर्टी सर्वे टैक्स पर भी अंतिम फैसला लिया जाएगा कि कितना प्रतिशत प्रॉपर्टी टैक्स शहरियों के ऊपर लगाया जाएगा, तथा मर्ज हुए नए एरिया में कितना टैक्स लिया जाएगा। वार्षिक बजट में लंबे समय से लटक रहे मर्ज एरिया के प्रॉपर्टी टैक्स को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

कमेटी की बैठक में बजट फाइनल: आयुक्त

नगर निगम के आयुक्त जफर इकबाल का कहना है कि नगर निगम के फायनांस कमेटी की बैठक हुई है, तथा बजट को फाइनल कर दिया है।

आय बढ़ाने सहित विकास कार्यों की होगी व्यवस्था: मेयर

नगर निगम धर्मशाला की महापौर नीनू शर्मा ने बताया कि वार्षिक अनुमानित बजट बुधवार को प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर के विकास कार्यों, एमसी की आमदनी बढ़ाने सहित अन्य विभिन्न कार्यों को लेकर उचित व्यवस्था की जाएगी।

त्सुगलाखांग मंदिर परिसर में दलाईलामा ने 340 अनुयायियों को दिया आशीर्वाद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। 14वें दलाईलामा ने मैक्लोडगंज में अपने निवास त्सुगलाखांग मंदिर परिसर में अनुयायियों को दर्शन दिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से तिब्बती समुदाय के करीब 340 अनुयायी उपस्थित रहे। सभी अनुयायियों ने परम पूज्य दलाईलामा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

दर्शन के दौरान अनुयायियों में गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला।

दूरदराज से पहुंचे लोगों ने इस अवसर को अपने जीवन का सौभाग्य बताया। दलाईलामा समय-समय पर अनुयायियों को दर्शन देकर उन्हें आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जिससे लोगों में शांति, करुणा और सद्भाव का संदेश प्रसारित होता है।

हैप्पी बर्थडे

ऊना के बढ़ूही की माही को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

पति ने दर्ज करवाई पत्नी की गुमशुदगी की शिकायत

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। जिला मुख्यालय धर्मशाला के तहत आते एक क्षेत्र के व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना में दर्ज करवाई है। पुलिस प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि उसकी पत्नी 16 फरवरी को अपने घर से निकली थी और एक माह बीत जाने के बाद अभी तक घर नहीं लौटी हैं। शिकायतकर्ता ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ उनकी हर संभव जगह पर तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला है। उधर, एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने बताया कि पुलिस द्वारा लापता महिला की तलाश की जा रही है। वहीं, पुलिस थाना धर्मशाला के तहत आती पुलिस चौकी योल में एक महिला ने अपने पति की लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उनके पति 15 मार्च से लापता हैं। उधर, इस बारे में एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर सिंह ने बताया कि आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कैबिनेट रैंक खत्म अब सिस्टम को सुधारा जाए: दलीप

अनंत ज्ञान, गरलीत्र हिमाचल में कैबिनेट रैंक खत्म करने के फैसले के बाद अब जमीनी स्तर पर व्यापक सुधार की मांग तेज हो गई है। जसवां-परागपुर के वरिष्ठ मजदूर संघ नेता दलीप सिंह वर्मा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और अब विधायकों व मंत्रियों की सैलरी, भत्तों और फिजूलखर्ची पर भी सख्ती जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जनता के पैसे का सही उपयोग होना चाहिए, न कि दिखावे और सुविधाओं पर खर्च। वर्मा ने कहा कि आम आदमी को आज भी छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं और कई जगह बिना लेन-देन के काम नहीं होता। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने, अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और पारदर्शिता बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ठोस कदम उठाए गए तो हिमाचल सुशासन की मिसाल बन सकता है।

सुलियार गांव में जांचा 65 लोगों का स्वास्थ्य, 38 के किए टेस्ट

अनंत ज्ञान

डाडासीबा। सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा टीम द्वारा एमओ डॉक्टर विजय जरियाल के नेतृत्व में कसवां जागीर पंचायत के सुलियार गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 65 मरीजों की जांच की गई, जिनमें 38 के लैब टेस्ट किए गए। जांच में हड्डियों, शुगर, बीपी और स्त्री रोग से संबंधित मरीज पाए गए, जबकि 36 मरीज सामान्य बीमारियों से ग्रसित थे। शिविर के दौरान मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित खानपान के बारे में जागरूक किया गया। पंचायत सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना की।

बोर्ड रिजल्ट के लिए हाईटेक पोर्टल तैयार

10वीं, 12वीं और ओपन बोर्ड के परीक्षा परिणामों में दिखेगी पारदर्शिता और रफ्तार : डॉ. राजेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अब परीक्षा परिणामों को त्रुटिहीन और समयबद्ध बनाने के लिए पूरी तरह डिजिटल मोड में आ गया है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से विकसित अत्याधुनिक ऑनलाइन पोर्टल को लेकर आज बोर्ड मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण वर्चुअल कार्यशाला हुई।

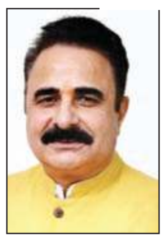

- **विकसित अत्याधुनिक ऑनलाइन पोर्टल को लेकर वर्चुअल कार्यशाला आयोजित**

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस तकनीकी छलांग की जानकारी देते हुए बताया कि अब माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और ओपन बोर्ड परीक्षाओं के डेटा प्रबंधन में मानवीय त्रुटियों की गुंजाइश खत्म होगी और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को नई गति मिलेगी। इस कार्यशाला में बोर्ड के अधिकारियों और तकनीकी टीम ने पोर्टल के बारीक पहलुओं को समझा, ताकि डेटा एंट्री से लेकर रिजल्ट प्रोसेसिंग तक की हर कड़ी पारदर्शी और सुव्यवस्थित रहे। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि कार्यशाला के दौरान मिले विशेषज्ञों के सुझावों को तुरंत लागू किया जाएगा, जिससे बोर्ड न केवल तकनीकी रूप से सुदृढ़ होगा बल्कि छात्र-हित में परिणामों की सटीकता को भी सुनिश्चित करेगा। बोर्ड का यह कदम परीक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जहां अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से परीक्षा परिणाम अब पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से तैयार किए जाएंगे।

उड़नदस्तों ने नकल करते आठ पकड़े

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जा रही बोर्ड परीक्षा के दौरान उड़नदस्तों ने 8 परीक्षार्थियों को नकल के सामान के साथ पकड़ा है। वहीं, कार्रवाई करते हुए इन परीक्षार्थियों के बोर्ड की ओर से गठित उड़नदस्तों ने यूएमसी केस बना दिए हैं। इस संदर्भ में बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि मंगलवार को 12वीं कक्षा की पॉलिटिकल साइंस विषय की परीक्षा थी। इस दौरान बिलासपुर जिले से दो, हमीरपुर और कांगड़ा से एक-एक, जबकि मंडी जिला से 4 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा बोर्ड नकल रही परीक्षा करवाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

आपदा प्रबंधन में चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी' संपन्न

पहाड़ों का अत्यधिक कटान भी आपदा का कारण: प्रो.बाल कृष्ण

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र मोहली, धर्मशाला में आपदा प्रबंधन में समसामयिक मुद्दे तथा चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हो गया। दूसरे दिन उद्घाटन सत्र में प्रो. बाल कृष्ण शिवराम, अधिष्ठाता अध्ययन, प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला मुख्यातिथि तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. नैनजीत सिंह नेगी, निदेशक, 'आपदा प्रबंधन तथा जोखिम न्यूनीकरण हिमालयी शोध केंद्र हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने शिरकत की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में तिब्बत समाजसेवी डॉ. लोबसंगयेंग्सो, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने उपस्थिति दर्ज की। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक प्रो. कुलदीप अत्री ने मुख्यातिथि, मुख्यवक्ता, सभी वरिष्ठ विद्वतजनों, अतिथियों, प्रतिभागियों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता प्रो. नैनजीत सिंह नेगी ने पिछले वर्षों में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदा से संबंधित महत्वपूर्ण

प्राकृतिक आपदा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए। अनंत ज्ञान

बिंदु साझा किए। निदेशक ने विश्वविद्यालय में स्थापित शोध केंद्र के माध्यम से प्रस्तावित शोध योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए इससे निपटने के लिए सामाजिक भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. लोबसंग येंग्सो ने विशेष रूप से तिब्बत में घट रही आपदा संबंधी घटनाओं के विभिन्न कारणों को डिजिटल प्रस्तुतिकरण के माध्यम से चित्रित किया। मुख्यातिथि प्रो.बाल कृष्ण शिवराम ने क्षेत्रीय केंद्र द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए निदेशक तथा व्यवस्था में लगी सारी टीम को बधाई देते हुए मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि आपदा नई समस्या नहीं, बल्कि यह संपूर्ण हिमालय क्षेत्र की एक अत्यधिक गंभीर समस्या है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में विकास पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन इसके लिए पहाड़ों में सड़क निर्माण, सुरंग निर्माण तथा विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण कार्य जोरों पर है, जिसके लिए पहाड़ों का अत्यधिक कटान भी आपदा का प्रमुख कारण है। उन्होंने इस क्षेत्र में स्थापित विभिन्न सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थाओं के आपसी तालमेल की कमी को भी मुख्य समस्या माना। मुख्यातिथि ने सभी प्रतिभागियों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों को सहभागिता के प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया।

जीएम नॉर्दर्न रेलवे महाप्रबंधक के समक्ष उठाया कांगड़ा घाटी रेल मुद्दा

ट्रेन सेवाओं की योजना निर्धारण में स्थानीय लोगों की सुविधा का रखा जाए ध्यान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। दिल्ली में नार्थन रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पाण्डेय से मेंबर जैडआरयूसीसी (नॉर्दर्न रेलवे) भारत सरकार दीपक भारद्वाज ने मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को विस्तार से रखा गया, जिनमें प्रमुख रूप से कांगड़ा घाटी रेल का विषय शामिल रहा।

पिछले डेढ़ वर्ष से इस विरासत रेल सेवा के संरक्षण एवं पुन: संचालन को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस रेल सेवा का क्षेत्रीय जनता, दैनिक यात्रियों एवं पर्यटन के लिए विशेष महत्व है, जिसे ध्यान में रखते हुए इसके वर्तमान संचालन की स्थिति पर भी जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त पठानकोट क्षेत्र से जुड़े अन्य जनहित के मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। डिफेंस कॉलोनी, पठानकोट में रेलवे

जीएम नॉर्दर्न रेलवे से मिलते मेंबर जैडआरयूसीसी दीपक। अनंत ज्ञान

क्रॉसिंग बंद होने से स्थानीय निवासियों को हो रही भारी असुविधा, जिससे दैनिक आवागमन, आपातकालीन सेवाएं एवं स्कूली परिवहन प्रभावित हो रहे हैं। छत्रोली में सब-वे (एलएचएस) निर्माण की लंबे समय से लंबित मांग, जिससे आसपास के गांवों के लोगों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह भी चर्चा की गई कि डलहौजी रोड़ से ट्रेनों की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के निवासियों के लिए अधिक उपयोगी नहीं होगी। आवश्यक है कि ट्रेन सेवाओं की योजना इस प्रकार बनाई जाए जिससे स्थानीय निवासियों की सुविधा का वास्तविक रूप से ध्यान रखा जा सके।

आग्रह किया गया कि इस की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र उचित ट्रेन संचालन प्रारंभ करने के एि आवश्यक निर्देश प्रदान किए जाएं। इन सभी विषयों पर राजेश कुमार पांडेय ने गंभीरता से चर्चा की एवं शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कैदियों ने परीक्षा देकर बढ़ाया साक्षरता की ओर कदम

शत-प्रतिशत साक्षरता के लिए राज्य में 0. 7 प्रतिशत लोगों को साक्षर करना बाकी : आशीष

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत कैदियों ने जेल में पढ़ाई की। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा के निदेशक आशीष ने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूर्ण साक्षर होने का दर्जा पहले ही प्राप्त कर चुका है और हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर वर्तमान में 99.3 फीसदी है, लेकिन शत प्रतिशत साक्षरता के लिए अभी भी हिमाचल में 0. 7 प्रतिशत लोगों को साक्षर करना बाकी है।

इस कड़ी में पूरे प्रदेश में शेष बचे असाक्षर लोगों को स्वयंसेवी शिक्षकों के द्वारा पढ़ाया जा रहा है, जो कि एक सराहनीय कार्य है। इसमें प्रदेश के जेबीटी शिक्षकों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत कंडा जेल शिमला में 24 कैदियों की पढ़ाई जेल के अंदर ही करवाई गई। 15 मार्च को इन 24 कैदियों ने परीक्षा दी है, जो कि एक बहुत ही ऐतिहासिक कार्य है। इस तरह से इन कैदियों को साक्षर बनाकर एक बहुत बड़ा काम किया है। भविष्य में यह लोग अपने जीवन यापन के लिए तैयार हो जाएंगे और समाज मे अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने में इन्हें सहायता मिलेगी। उल्लास (अंडरस्टैंडिंग लाइफलांग लर्निंग फॉर आल इन सोसायटी) नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर वीरेंद्र चौहान ने बताया कि प्रदेश में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत असाक्षर बचे हुए व्यक्तियों को साक्षर करने के लिए 15 मार्च को परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें पूरे प्रदेश में प्राइमरी स्कूल स्तर पर लगभग 1620 परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया, जिसमें 18000 के आसपास असाक्षर लोगों ने परीक्षा मे भाग लिया ।

टांडा फील्ड फायरिंग रेंज में 24 और 26 मार्च को होगा फायरिंग अभ्यास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने जानकारी दी कि भारतीय सेना द्वारा टांडा फायरिंग रेंज में 24 मार्च और 26 मार्च को सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक फायरिंग की जाएगी।

इस दौरान फायरिंग रेंज के आसपास के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का खतरा उत्पन्न हो सकता है, जिससे स्थानीय निवासियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अत: कोहाला, कछियारी, खोली और घुरकड़ी के निवासी से यह आग्रह किया गया है कि वे इन तिथियों पर इन क्षेत्रों में जाने से बचें। सरकारी अधिकारियों ने यह भी कहा कि यह कदम सुरक्षा के दृष्टिकोण से उठाया गया है ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों को फायरिंग के दौरान इन क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है। इस दिशा में जागरूकता फैलाने के लिए संबंधित अधिकारियों ने स्थानीय समुदाय से सहयोग की अपेक्षा की है।

धर्मशाला कॉलेज ने राज्यस्तरीय प्राचार्य सम्मेलन में लेवल-3 श्रेणी में झटका प्रदेशभर में चौथा स्थान

मुख्यमंत्री ने कॉलेज के डिजिटल वर्चुअल क्लासरूम का वर्चुअल माध्यम लोकार्पण किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। उच्च शिक्षा में सुधार एवं गुणवत्ता उन्नयन को लेकर शिमला में आयोजित राज्यस्तरीय प्राचार्य सम्मेलन में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला ने लेवल-3 श्रेणी में प्रदेशभर में चौथा स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए महाविद्यालय को प्रमाण पत्र के साथ-साथ उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 1 लाख रुपए का प्रशंसा पुरस्कार भी प्रदान किया गया। सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने उच्च शिक्षा में किए जा रहे सुधारों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लासरूम, रिसर्च एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री द्वारा महाविद्यालय के डिजिटल वर्चुअल क्लासरूम का वर्चुअल माध्यम से विधिवत लोकार्पण किया गया। यह अत्याधुनिक क्लासरूम विद्यार्थियों को इंटरएक्टिव और तकनीक आधारित शिक्षा से जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वर्चुअल क्लासरूम समिति में डॉ. विक्रम श्रीवत्स, डॉ. आशीष रंजन, डॉ. राधे श्याम, डॉ. पवन ठाकुर तथा डॉ. सतीश सूद सहित अन्य सदस्य शामिल रहे, जिनके प्रयासों से यह सुविधा साकार हो सकी। महाविद्यालय की डिजिटल लाइब्रेरी भी आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित है, जिसमें लगभग 80 विद्यार्थियों के बैठने की क्षमता, 91 टैबलेट तथा 11 पर्सनल कंप्यूटर उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है, और इसे विधिवत रूप से विद्यार्थियों के लिए आरंभ कर दिया गया है।

पठानकोट में युवती के साथ बलात्कार मामला दर्ज

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, पठानकोट। पठानकोट के पुलिस थाना डिवीजन नं.1 में एक युवती के साथ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। महिला ने अपने बयान में बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी घर में ही रहती है। रात को बेटी बिना बताए बाहर गई, और सुबह लगभग 2 बजे बेसुध हालत में गली में मिली। बेटी ने बताया कि एक युवक ने उसे बाहर आने का इशारा किया और उसे चॉकलेट दी, जिसे खाकर वह बेसुध हो गई। फिर युवक ने उसे मोटरसाइकिल पर बिठाकर कहीं ले गया और जबरदस्ती उसके साथ बलात्कार किया। युवती की मां ने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक सुखदेव को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस के पास शिकायत पहुंचने पर पीड़ित युवती की मां की शिकायत पर थाना डिवीजन नं.1 में पठानकोट निवासी युवक सुखदेव के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बैठक में पीलिया की रिपोर्ट लेने के बाद डीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

टंकियों, जलस्रोतों की सफाई पर दिया जोर

अनंत ज्ञान

बैठक की अध्यक्षता करतीं डीसी गंधर्वा राठौड़। अनंत ज्ञान

हमीरपुर। उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को जिले में पेयजल की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने, पानी की सैंपलिंग एवं टेस्टिंग करने तथा सभी जलस्रोतों की सफाई के साथ-साथ आम लोगों को भी इसके प्रति जागरुक करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी ने जल शक्ति विभाग, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से हमीरपुर के निकटवर्ती स्वाहल क्षेत्र में बीते दिनों सामने आए पीलिया के मामलों की ताजा स्थिति तथा इनके कारणों की रिपोर्ट भी ली।

उपायुक्त ने कहा कि जल शक्ति विभाग के स्रोतों, टैंकों और पाइप लाइनों के अलावा जिले में पुराने प्राकृतिक जलस्रोतों, बावड़ी, कुओं, तालाबों और खातरियों, लोगों के अपने घरों तथा विभिन्न संस्थानों की टंकियों की सफाई पर भी विशेष ध्यान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट बोरवेल के पानी की टेस्टिंग भी होनी चाहिए। गंधर्वा राठौड़ ने कहा कि प्राकृतिक जलस्रोतों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों को खंड विकास अधिकारियों के माध्यम से भी विशेष निर्देश दिए जा रहे हैं। बैठक में डीडब्ल्यूएसएम के सचिव एवं जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता राकेश गर्ग ने मिशन की गतिविधियों और पेयजल टेस्टिंग की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग 8 से 22 मार्च तक जल महोत्सव मना रहा है। इसके तहत विभाग के सभी मंडलों में जल स्रोतों की सफाई की जा रही है तथा आम लोगों को पेयजल की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. प्रवीण चैधरी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्कूलों की टंकियों की हो नियमित सफाई

डीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी स्कूलों की टंकियों की नियमित रूप से सफाई करवाने तथा इनकी लॉगबुक को अपडेट रखने के निर्देश दिए। लॉगबुक में सफाई की तिथि और अन्य जानकारी दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की टेस्टिंग के लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, हाई स्कूलों, सीनियर सेकेंडरी स्कूलों, पंचायतों और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों को जल शक्ति विभाग की ओर से दी फील्ड टेस्टिंग किट्स दी गई हैं। सभी संस्थान, पंचायतें और स्वच्छता समितियां इन किट्स का प्रयोग करते हुए नियमित रूप से पानी की टेस्टिंग करें।

जनता को गुमराह न करें सदर विधायक : डॉ. पुष्पेंद्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने प्रेस बयान में कहा कि सदर विधायक हमीरपुर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूषित पानी के कारण फैले पीलिया के प्रकोप को लेकर कांग्रेस टीम ने करीब डेढ़ सप्ताह पहले ही सक्रियता दिखाते हुए प्रशासन, प्रदूषण बोर्ड व स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर स्थिति को नियंत्रण में लाने का कार्य किया था। जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि देर से आकर केवल औपचारिकताएं निभानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्वॉयज स्कूल और गर्ल्स स्कूल को को-एजुकेशन बनाने तथा एक को सीबीएसई और दूसरे को हिमाचल शिक्षा बोर्ड से जोड़ने का विषय पहले ही मुख्यमंत्री सुक्खू के समक्ष रखा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब इन मुद्दों को दोबारा उठाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है, जबकि सरकार इन पर पहले से ही गंभीरता से काम कर रही है।

भगवती स्कूल के बच्चों ने ओलंपियाड गणित प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

भगवती पब्लिक स्कूल जलाड़ी में विजेता बच्चों को सम्मानित किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नादौन। सिल्वरजोन इंटरनेशनल ओलंपियाड गणित प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को भगवती पब्लिक स्कूल जलाड़ी में पुरस्कृत किया गया। कक्षा दूसरी से अन्वी, कक्षा तीसरी से रेयांश ठाकुर, कक्षा चैथी से अर्शिता, कक्षा आठवीं से संस्कृति कौंडल, कक्षा ग्यारहवीं से वंश शर्मा स्वर्ण पदक कक्षा चैथी से शिवांश शर्मा, कक्षा दसवीं से संशिका, सौम्या ने रजत पदक व चौथी कक्षा से निधि, कक्षा दसवीं से मन्नत ने कांस्य पदक हासिल किया। अध्यापकों में जीवन कुमार को इन प्रतियोगिताओं को करवाने में सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया। प्रधानाचार्य आरती कटोच ने इन बच्चों को द्वितीय स्तर चयन के लिए बधाई दी और बताया कि राज्य भर में स्वर्ण पदक, रजत पदक व कांस्य पदक प्राप्त करना हमारे स्कूल के लिए गर्व की बात हैं और आने वाली परीक्षाओं में और अधिक मेहनत करने की ओर प्रेरित किया ।

विज्ञान स्पर्धा में ये बच्चे रहे विजेता

सिल्वरजोन इंटरनेश्नल ओलंपियाड विज्ञान प्रतियोगिता में तीसरी कक्षा से रेयांश भारद्वाज, सातवीं से आर्यन, आठवीं से संस्कृति कौंडल, दसवीं कक्षा से मन्नत ने स्वर्ण पदक जीता। तीसरी कक्षा से अक्षित, सातवीं से आयान, ग्यारहवीं से अनिकेत, मानव, बारहवीं कक्षा से भुवनेश डोगरा ने रजत पदक व दसवीं कक्षा से अक्षय डोगरा, ग्यारहवीं कक्षा से बार्बी, कक्षा 12वीं कक्षा से मिताशी, शगुन ने कांस्य पदक हासिल किया। कक्षा छठी से कुलनंदन, कक्षा सातवीं से अभिराज, कक्षा आठवीं से आराध्या ठाकुर, प्राकृति, आराध्या को अर्टिफिकेट वितरित किए गए।

न्यूज ब्रीफ

गोशाला जमली धाम में 200 कन्याओं का पूजन 22 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सनातन धर्म को समर्पित ठाकुर द्वारा गोशाला जमली धाम में 22 मार्च को 14वां 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 4 से 11 वर्ष की बेटियों को कन्या पूजन के रूप में सम्मानित किया जाएगा। बेटी बचाव का जिम्मा स्थानीय महिला मंडलों को सौंपा गया था और 15 मार्च तक 200 बेटियों के नाम प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम के लिए दानदाताओं ने भोजन, चुनरी, उपहार, फल आदि प्रदान करने के लिए पंजीकरण कराया है। बौद्ध धर्म शिक्षण संस्थान उखली से भिक्षुक बेटियों को विशेष रूप से आमंत्रित है।

अमृत नगरी देवी वे अंब में दंगल 13 अप्रैल को

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की पपलाह पंचायत की अमृत नगरी देवी वे अंब में जय बजरंगबली दंगल कमेटी की ओर से 13 अप्रैल को दंगल का आयोजन किया जा रहा है। भगवान श्री हनुमान जी की कृपा से आयोजित इस दंगल में दूर-दराज से नामी पहलवान अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों के अनुसार, विजेता पहलवान को 31,000 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। कमेटी के सदस्य आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं और सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भोटा कॉलेज में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राज राजेश्वरी शिक्षा महाविद्यालय भोटा में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल अस्पताल बड़सर से विशेषज्ञ डॉ. अक्षित शामा, डॉ. नीना सोनी, डॉ. प्रियंका, सदस्य इंदु शर्मा व पूनम (फार्मासिस्ट) अंजली व वंदना एएनएम ने सेवाएं दी। इसके अतिरिक्त ज्योत्ना एमएलटी पीएचसी भोटा से थीं। समन्वयक मनीषा शर्मा रहीं। शिविर में छात्रों का एचबी लेवल तथा बीपी जांचा गया तथा विशेषज्ञों ने निशुल्क हेल्थ चेकअप किया। साथ ही पोषण के लिए जागरूक किया।

सत्य और परोपकार के मार्ग पर चलने की दी प्रेरणा

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। सकरोह पंचायत के घुमारवीं गांव में देवराज शर्मा के घर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान आचार्य चमन शास्त्री ने धर्म और सदाचार का महत्व बताया और श्रद्धालुओं को अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सत्य, सेवा और परोपकार के मार्ग पर चलना ही जीवन का सच्चा उद्देश्य है। कथा में भाग लेने के लिए आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति भाव से कथा का आनंद लिया। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया, और श्रद्धालु भगवान के भजनों में झूमते नजर आए।

लोगों को कांग्रेस से जोड़ने के प्रयास होंगे तेज

अनंत ज्ञान, भोटा। जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की बैठक सर्किट हाउस हमीरपुर में जिला अध्यक्ष होशियार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया कि अनुसूचित जाति के लोगों को कांग्रेस से जोड़ने के प्रयास तेज किए जाएंगे और उन्हें सरकार में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इस साल भी डॉ. बीआर अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का फैसला लिया गया। इसके अलावा, जिला और ब्लॉक स्तर की कमेटियों का गठन एक हफ्ते के भीतर किया जाएगा। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष हरिश कुमार, रत्न चंद, मौजी राम और अन्य नेता मौजूद थे।

विजय अग्निहोत्री के पीए रहे कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

अनंत ज्ञान, नादौन। भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री अपने पीए को भी नहीं संभाल पाए। भाजपा से आहत होकर उसने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। युवा कांग्रेस नेता एवं एचआरटीसी के डायरेक्टर मोंटी संधू ने कहा कि भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता लगातार कांग्रेस का दामन थाम रहे हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के विधानसभा क्षेत्र नादौन में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है पूर्व में नादौन के विधायक रहे विजय अग्निहोत्री के कुछ खास लोगों ने भाजपा छोड़कर अब कांग्रेस का दामन थाम लिया है। संधू ने कहा कि कुछ पांच दिन पहले विजय अग्निहोत्री के खास समर्थक शिमला पहुंचे और कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई।

एपीएल आटे की एलोकेशन 11 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड, पर मिल रहा नौ किलो

अनंत ज्ञान

- चीनी, दाल चना व रिफाइंड भी गायब, उपभोक्ता डिपो धारकों को कर रहे परेशान
- राशन वितरण में असमानता एपीएल आटे और चावल की कमी पर उठे सवाल

हमीरपुर। मार्च माह में एपीएल आटे की एलोकेशन 11 किलो ग्राम प्रति राशन कार्ड है, लेकिन बिलासपुर, चंबा व कांगड़ा जिलों को छोड़कर प्रदेश के अन्य जिलों में एपीएल का आटा कहीं 6 किलो ग्राम प्रति राशन कार्ड, तो कहीं 8 और कहीं 9 किलो ग्राम प्रति राशन कार्ड मिल रहा है। कुल्लू जिले के सदर ब्लॉक में तो एपीएल चावल भी 6 किलो ग्राम प्रति राशन कार्ड के बजाय चार किलो ग्राम ही मिल रहे हैं।

प्रदेश में प्रत्येक जिले के लिए की गई एक समान एलोकेशन के बावजूद अलग-अलग जिलों व ब्लॉकों में आटे व चावल की मात्रा में भिन्नता होने से उपभोक्ता डिपोधारकों को संदेह की नजर से देख कर डिपोधारकों के साथ बहसबाजी कर रहे हैं। प्रदेश डिपो संचालक समिति के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कवि ने जारी बयान में कहा कि प्रदेश के कई जिलों में चीनी, दाल चना व रिफाइंड तेल भी निगम के गोदामों से सस्ते राशन के डिपुओं पर उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग व खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी एलोकेशन को लेकर दावे तो बड़े बड़े कर रहे हैं, लेकिन हकीकत कुछ और ही है। अशोक कवि ने कहा कि सस्ते राशन के डिपुओं पर एलोकेशन के मुताबिक उपभोक्ताओं को राशन न मिलने के कारण लोगों को खुले बाजार से राशन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है और डिपो धारकों को भी कमीशन की चपत लग रही है। राज्य अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर एलोकेशन में भिन्नता की जांच करवाने की मांग की है ताकि लोगों का विश्वास सरकार पर बना रहे।

जिला परिषद के 10 वार्डों के परिसीमन के बाद पंचायतों को किया शामिल

अनंत ज्ञान

- पंचायत को जिला परिषद वार्ड में शामिल करने पर तीन दिन तक ली जाएंगी आपत्तियां

अनिल कुमार, हमीरपुर। जिले की कुछ पंचायतों के पुनर्गठन किया गया है। इसके कारण अब जिला परिषद के कुछ वार्डों के परिसीमन में भी आंशिक संशोधन किया जा गया है। जिला परिषद हमीरपुर के कुल 19 वार्डों में से 10 वार्ड इससे प्रभावित हो रहे हैं। इन 10 वार्डों-पनोह, उहल, चमनेड, बधानी, धमरोल, जाहू, महल, लहड़ा, अमलैहड़ और सपड़ोह के संशोधित परिसीमन का प्रारूप 16 मार्च को प्रकाशित कर दिया गया है।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने इनके प्रारूप के प्रकाशन की अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि अगर किसी व्यक्ति को जिला परिषद के इन 10 वार्डों के परिसीमन के संबंध में कोई आपत्ति है या फिर वह अपना कोई सुझाव देना चाहता है तो वह इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय में प्रारूप के प्रकाशन की तिथि से तीन दिन के भीतर दर्ज करवा सकता है। इसके बाद कोई भी आपत्ति या सुझाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले भी विभिन्न पंचायत के लोगों ने दूसरी पंचायत में शामिल करने का विरोध दर्ज करवाया था। इसके चलते उन गांवों को दूसरी पंचायत से हटा दिया था। इस बार नई पंचायतें बनने के बाद जिला परिषद के वार्डों में जोड़ा गया है। इसके तहत आने वाले पंचायत चुनावों उनके वोट संबंधित वार्ड सदस्य को डाले जाएंगे। यदि इन वार्डों में शामिल होने से किसी पंचायत या गांव को आपत्ति है, तो वहां के लोग अपनी आपति दर्ज करवा सकते हैं। तीन दिन के बाद किसी भी आपति या सुझाव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिला परिषद के 10 वार्ड ऐसे हैं जिनका परिसीमन किया गया है।

पंचायत समिति सुजानपुर के वार्ड 2 पनोह में ग्राम पंचायत पनोह, सपाहल, डूहक, मनिहाल, करोट, चबूतरा, री, बनाल, दाड़ला, देई दा नौण, कुठेड़ा, मझोग सुल्तानी, टिब्बी, बड़ेई व बलेहु है। वार्ड नंबर 4 उहल में उटपुल, उहल, कक्कड़ भेटड़, पौहंज, बजरोल, खनौली, लग कडीयार, जंदड़ू, भेरड़ा, पुरली, चारियां दी धार पंचायत शामिल है।

हमीरपुर पंचायत समिति के वार्ड नंबर 7 चमनेड में चमनेड, लंबलू, डबरेड़ा, पंधेड़, बलोह, बफड़ीं, काले अंब, सवाहल, छयोड़ी, रोपा, गसोता पंचायत शामिल है। भोरंज बमसन के वार्ड नंबर 8 बधानी में समीरपुर, बगबाड़ा, पंजोत, बराड़ा, दरब्यार, टिक्कर बूहला, दिम्मी, कंज्याण, दाड़ी, कोट लांगसा, चंबोह, बजड़ौह, पलपल, बधानी व संगरोह कलां पंचायत शामिल है। भोरंज के वार्ड नंबर 5 धमरोल वार्ड में धमरोल, अमरोह, भुक्कड़, कक्कड़, गरसाहड़, पपलाह, हनोह, धिरड़, डाडू, बडैहर, भलवानी, लझयाणी, ककरोहल पंचायत शामिल की गई है। वार्ड नंबर 10 जाहू में जाहू, मुंडखर, कड़ोहता, भौंखर, झरलोग, पटटा, भकेड़ा, लगमन्वी, बाहन्वीं, दसमल शामिल है। वार्ड नंबर 11 महल में खरवाड़, रौंही, सधरियाण, ढनवाण, अम्मण, कैहरवीं, टिक्कर मिन्हासां, करहा, महल, लुददर महादेव, नंधन और जख्योल शामिल है। नादौन के वार्ड नंबर 16 लहड़ा वार्ड में सनाही, बढेड़ा, पन्याली, कश्मीर, सरेड़ी, गोईस, लहड़ा, फाहल, गलोड़ खास, मैड़, उटटप, गाहली, हड़ेटा, लंजयाणा शामिल है।

वार्ड नंबर 18 अमलैहड़ में मझियार, गौना, करौर, अमलैहड़, कलूर, कोहला, भदरोल, भरमोटी खुर्द, टिल्लू, जलाड़ी, भूंपल, कोटला चिल्लियां, लाहड़ कोटलू, कमलाह, बसारल, मण और नघूं पंचायत शामिल है। वहीं वार्ड नंबर 19 सपड़ोह में फस्टे, बड़ा, चैडू, जीहण, बर्धियाड़, रैल, नौहंगी, दंगड़ी, बूणी, जोल सप्पड़, रंगस, कंडरोला प्लासी, पुतड़ियाल, बलडूहक, सपड़ोह और चमराल पंचायत को शामिल किया गया है।

डीएवी स्कूल भड़ोली का वार्षिक परिणाम शत-प्रतिशत

अनंत ज्ञान

नादौन। डीएवी पब्लिक स्कूल भड़ोली में एलकेजी से दूसरी कक्षा तथा ग्यारहवीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा के निर्देशन में घोषित किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

ग्यारहवीं कक्षा में अंतरिक्ष वर्मा ओवरऑल क्लास टॉपर रहे। नॉन-मेडिकल संकाय में प्रथम स्थान अंतरिक्ष वर्मा, द्वितीय स्थान सृष्टि भाटिया तथा तृतीय स्थान प्रांजल शर्मा ने प्राप्त किया। वहीं, मेडिकल संकाय में प्रथम स्थान अर्णव कुमार, द्वितीय स्थान प्रज्ञ दत्त और तृतीय स्थान तेजस शर्मा ने प्राप्त किया। प्रत्येक कक्षा से 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दस मेधावी विद्यार्थियों को चुना गया। कक्षा एलजी और यूकेजी से टॉप 10 में रहने वाले विद्यार्थियों में वैष्णवी जमवाल, सनाया, शनाया चौधरी, अनन्या शर्मा, शरण्या शर्मा, प्रांशु डोगरा, सात्विक सोनी, दिव्यांश, अद्वैत, आध्वन, युवान, शनाया, अद्विक, ईशा कश्यप, प्रयाण, वेदांश, काशवी, रियांश, दिव्यांश, अवनी, अविका, अनिका, वाणी रघुनंदन, अथर्व, यारा, पुलकित, अभिषा, विनायक, अवनी, रियांश, अदृश्य, शिवप्रिया, सन्वी धीमान, रणवीर सिंह, रुद्रिमा ठाकुर, नायरा ठाकुर, दीपांशी, शिवांशी, देवांश, वैदीश सिंह राणा, आयरा शर्मा, मायरा चौधरी, वैष्णवी, आरुष, अनमोल डोगरा, आरविक शर्मा, अश्मित ठाकुर, अथर्व ठाकुर, दक्ष ठाकुर, देवांश वनियाल, जश्नदीप सिंह शामिल रहे।

लावारिस पशु के हमले में पूर्व प्रधान घायल, पीजीआई रेफर

अनंत ज्ञान टीम, सरकाघाट/भोरंज। भोंरज उपमंडल के अंतर्गत हरि बैहना पंचायत में मंगलवार सुबह पंचायत के पूर्व प्रधान दुनीचंद पर एक लावारिस पशु ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में दुनीचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 7 बजे की है, जब दुनीचंद अपने घर के बाहर किसी कार्य से निकले थे। इसी दौरान एक लावारिस पशु ने उन पर हमला कर दिया। पशु के हमले से वह जमीन पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी देते हुए जगत राम के भांजे ने बताया कि हमले में दुनीचंद की एक टांग और एक बाजू टूट गई है। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें बचाया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल सरकाघाट पहुंचाया। सरकाघाट अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया। फिलहाल उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद क्षेत्र में लावारिस पशुओं की समस्या को लेकर लोगों में भारी रोष है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में लावारिस पशुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि लावारिस पशुओं की समस्या का जल्द समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

गांधी चौक पर प्रदर्शन करते एनएसयूआई के कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हमीरपुर के गांधी चौक पर मंगलवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर को हार पहनाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एलपीजी गैस की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष टोनी ठाकुर ने कहा कि देशभर में एलपीजी गैस की किल्लत देखने को मिल रही है, जिसका सबसे ज्यादा असर हॉस्टल में रहने वाले छात्रों, बाहर खाना खाने वालों और टिफिन सेवाओं पर पड़ रहा है। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष टोनी ने कहा कि उन्होंने कि केवल हमीरपुर और हिमाचल से ही पिछले एक-दो दिनों में करीब 100 छात्रों के फोन और संदेश आए हैं, जिनमें गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने या भोजन की व्यवस्था करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि यदि गैस की किल्लत जल्द दूर नहीं होती है, तो प्रधानमंत्री अपने बताए गए फार्मूले को सार्वजनिक करें ताकि लोग खुद गैस बना सकें। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार से जल्द समाधान की मांग की।

चैत्र नवरात्र: दियोटसिद्ध में चढ़ा 44 लाख 80 हजार 932 रुपए का चढ़ावा

अनंत ज्ञान, बड़सर। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में 14 मार्च से चैत्र माह मेले की शुरुआत हो गई है। चौथे दिन लगभग 20,000 श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन किए और बाबा बालक नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मंदिर में कुल 44 लाख 80 हजार 932 रुपए का चढ़ावा प्राप्त हुआ। जानकारी के अनुसार, गुफा दर्शन से 22 लाख 75 हजार 592 रुपए और दान के रूप में 17 लाख 48 हजार 340 रुपए मिले। इसके अलावा, श्रद्धालुओं ने सोने, चांदी और विदेश मुद्रा में भी चढ़ावा अर्पित किया। 0.2 ग्राम सोना, 66 ग्राम चांदी, और इंग्लैंड पाउंड, यूएस डॉलर, यूरो, कनाडा डॉलर, ऑस्ट्रेलियन डॉलर, और यूएई डॉलर के रूप में विदेशी मुद्रा भी प्राप्त हुई। मंदिर अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि चैत्र माह के पहले दिन लगभग 20 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन करके बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया है। बाबा की नगरी दियोटसिद्ध में गुफा दर्शनोंके लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी श्रद्धालुओं को गुफा तक पहुंचने के लिए किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रह था। श्रद्धालु बड़े प्रेम प्यार से गुफा दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। मंदिर परिसर बाबा के जयकारों से गूंज रहा था।

आक्रोश बिजली विभाग कार्यालय तक रैली निकालकर की नारेबाजी, सौंपा ज्ञापन

सुजानपुर में स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

प्रदर्शन की अगुवाई पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंघा तथा जिला अध्यक्ष डॉ. कश्मीर ने की। अनंत ज्ञान

सुजानपुर। स्मार्ट मीटर के विरोध में सुजानपुर में जन आक्रोश खुलकर सड़कों पर नजर आया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के बैनर तले चिल्ड्रन पार्क में आयोजित धरना-प्रदर्शन और आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

प्रदर्शन की अगुवाई पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंघा तथा जिला अध्यक्ष डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने की। इसमें रैली में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर योजना को आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली बताते हुए इसका कड़ा विरोध जताया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर स्मार्ट मीटर और आम जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया। धरना-प्रदर्शन के बाद रैली चिल्ड्रन पार्क से निकलकर बिजली विभाग कार्यालय तक पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घरों, दुकानों और लघु औद्योगिक इकाइयों में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध दर्ज करते हुए आरोप लगाया गया कि यह योजना बिजली क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में कदम है। साथ ही प्री-पेड व्यवस्था को उपभोक्ताओं के लिए परेशानी बढ़ाने वाला बताया गया। ज्ञापन में बिजली अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का हवाला देते हुए कहा गया कि उपभोक्ता की सहमति के बिना स्मार्ट या प्री-पेड मीटर नहीं लगाए जा सकते। नेताओं ने मांग की कि सुजानपुर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तत्काल प्रभाव से रोका जाए तथा इस प्रक्रिया में निजी कंपनियों और बिजली बोर्ड के कर्मचारियों को शामिल न किया जाए।

स्कूलों को मर्ज न करने और पीलिया की रोकथाम बारे डीसी को सौंपे ज्ञापन

अनंत ज्ञान

भाजपा मंडल शहरी और ग्रामीण के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने विधायक आशीष शर्मा की अगुवाई में सौंपे दो ज्ञापन।

ब्यूरो, हमीरपुर। भाजपा मंडल शहरी और ग्रामीण के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को विधायक आशीष शर्मा की अगुवाई में उपायुक्त को दो ज्ञापन सौंपे। पहले ज्ञापन में उन्होंने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हमीरपुर के विलय के विरोध में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र की कन्याओं के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है, जिसमें 435 कन्याएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

यदि इस विद्यालय का विलय राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कर दिया गया, तो इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि विद्यालय को विलय से मुक्त रखा जाए और इसे सहशिक्षा बनाए रखते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबंध रखा जाए। दूसरे ज्ञापन में उन्होंने जिला मुख्यालय से लगे गांवों में दूषित पानी से पीलिया फैलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इन गांवों में पीलिया के कारण कई लोग प्रभावित हुए हैं और पेयजल योजना में उद्योगों द्वारा गंदगी फेंके जाने की वजह से यह समस्या बढ़ी है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विभाग से समय-समय पर पानी के सैंपल लेने और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शहरी श्रीपाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष ग्रामीण जसवीर सिंह और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

गदियाड़ा पंचायत के गठन का विरोध, डीसी को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

चंबा। जिला चंबा के तहत मुहाल अंदरौंद व आसपास के गांवों के निवासियों ने प्रस्तावित गदियाड़ा ग्राम पंचायत के गठन के विरोध में मोर्चा खोल दिया है।

ग्रामीणों ने इस संबंध में डीसी चंबा को एक आपत्ति पत्र सौंपते हुए प्रशासनिक और भौगोलिक विसंगतियों का हवाला देकर इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित पंचायत केंद्र गदियाड़ा अत्यधिक ऊंचाई वाले व दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जहां तक पहुंचने के लिए सड़क संपर्क बेहद सीमित है, ऐसे में बुजुर्गों व बीमार व्यक्तियों के लिए पंचायत मुख्यालय तक पहुंचना बेहद कठिन और कष्टदायक होगा। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र प्राकृतिक रूप से एक नदी द्वारा विभाजित है, जिससे अलग-अलग भौगोलिक हिस्सों के गांवों को एक ही पंचायत में शामिल करना व्यावहारिक नहीं है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि समान भौगोलिक स्थिति वाले गांव, जैसे सादुन मुहाल को इस पुनर्गठन प्रक्रिया से बाहर रखना तर्कसंगत नहीं है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस नई पंचायत के गठन में हिमाचल प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम, 1994 के मूल सिद्धांतों की अनदेखी की गई है। उनका कहना है कि प्रभावित आबादी के बड़े हिस्से में इस प्रस्ताव को लेकर सहमति नहीं है, जिससे भविष्य में प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष तीन विकल्प भी रखे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि नई पंचायत का गठन मुहाल अंदरौंद जैसे किसी केंद्रीय और सुलभ स्थान पर किया जाए। साथ ही नदी के एक ही तरफ स्थित सभी गांवों को एक साथ जोड़कर प्रशासनिक एकरूपता सुनिश्चित की जाए। यदि इन विकल्पों पर सहमति नहीं बनती है, तो पुरानी पंचायत व्यवस्था को यथावत बनाए रखने की मांग की गई है। इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है और अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

डीसी चंबा को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण। अनंत ज्ञान

21-22 मार्च को रोमांच का संगम, एमटीबी क्रॉस कंट्री माउंटेन बाइक इवेंट से गूंजेगी वादियां

अनंत ज्ञान

चंबा। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर चंबा शहर एक बार फिर रोमांच और एडवेंचर का केंद्र बनने जा रहा है। 21 और 22 मार्च को यहां एमटीबी चंबा की ओर से क्रॉस कंट्री माउंटेन बाइकिंग इवेंट का भव्य आयोजन किया जाएगा।

यह दो दिवसीय आयोजन चंबा साइकिलिंग एसोसिएशन द्वारा हिमाचल प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है, जिसे 'चलो चंबा' अभियान से भी जोड़ा गया है। इस एडवेंचर इवेंट में देशभर के साइकिलिंग प्रेमियों का उत्साह देखने को मिलेगा। अब तक 10 राज्यों के 16 शहरों से करीब 75 राइडर्स ने पंजीकरण करवाया है, जो देश में माउंटेन बाइकिंग के बढ़ते क्रेज को दर्शाता है। खास बात यह है कि इस इवेंट में एसडीआरएफ के जवान भी भाग लेंगे, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया है। करीब 75 किलोमीटर लंबे इस क्रॉस कंट्री ट्रैक को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनाया गया है। इसमें ऊंचे-नीचे रास्ते, घने जंगलों के बीच से गुजरते ट्रेल्स और मनमोहक प्राकृतिक दृश्य शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को एडवेंचर के साथ-साथ चंबा की खूबसूरती का अनूठा अनुभव कराएंगे। इस आयोजन की जानकारी चंबा के रावी व्यू कैफे में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी गई। इस मौके पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी राजीव मिश्रा, जिला साइकिलिंग संगठन के अध्यक्ष चंद्रकांत और शिमला से आए एमटीबी राइडर चैतन्य सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस आयोजन से न केवल खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि चंबा को एक प्रमुख एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

नवोदय विद्यालय कक्षा छठी की प्रवेश परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

अनंत ज्ञान, चंबा। प्रधानाचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चंबा विक्रम सचदेवा ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा सत्र 2026-27 के लिए छठी कक्षा में प्रवेश के लिए, आयोजित की जाने वाली चयन परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। पंजीकृत विद्यार्थी अपना प्रवेश पत्र आधिकारिक वेबसाइट नवोदय जीओवीइन से डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश चयन परीक्षा 11 अप्रैल को जिले के 15 शिक्षा खंडों के अंतर्गत कुल 14 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) हेल्प डेस्क के प्रभारी कार्यालय अधीक्षक सर्फ दीन से संपर्क दिए गए नंबर 9418420934 एवं 8894294869 पर किया जा सकता है। यदि किसी विद्यार्थी को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में समस्या आ रही है, तो वह पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, सरोल चंबा में आकर भी प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे समय रहते प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें, परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित हों तथा प्रवेश पत्र में दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें।

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, हर साल एडमिशन फीस वसूलने पर लगेगी रोक

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। जिला चंबा में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक बड़ा मुद्दा सामने आया है, जहां निजी स्कूलों द्वारा हर वर्ष एडमिशन फीस वसूलने के खिलाफ अभिभावकों ने आवाज बुलंद की।

इस मामले को लेकर आर्यन ठाकुर और राजा ने 9 मार्च को उपायुक्त चंबा को ज्ञापन सौंपते हुए साफ कहा कि शिक्षा पर हर बच्चे का समान अधिकार है व किसी भी अभिभावक पर अनावश्यक आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि कई निजी स्कूलों नियमों की अनदेखी करते हुए हर साल एडमिशन फीस ले रहे हैं, जिससे आम परिवारों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था पारदर्शी और न्यायसंगत बन सके। इस गंभीर मुद्दे पर डीसी चंबा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए। इसके बाद उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा, चंबा द्वारा जिले के सभी निजी स्कूलों को स्पष्ट आदेश दिया गया कि एडमिशन फीस केवल पहली बार प्रवेश के समय ही ली जाएगी, हर साल नहीं। आर्यन ठाकुर और राजा ने कहा, 'चंबा में शिक्षा को लेकर सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। यहां के बच्चे व अभिभावक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं, ऐसे में शिक्षा को बोझ नहीं बल्कि अधिकार बनाना जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा कि अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर डालेगा। प्रशासन के इस कदम से जहां अभिभावकों में राहत की उम्मीद जगी है, वहीं अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि निजी स्कूल इन आदेशों का कितना सख्ती से पालन करते हैं।

बारिश और भूस्खलन से तबाह हुआ लोअर मुगला, प्रशासन से लगाई राहत की गुहार

अनंत ज्ञान

चंबा। अगस्त-सितंबर 2025 में आई प्राकृतिक आपदा ने लोअर मुगला गली नंबर 3 तथा एनएच-154 के कंवर्ट क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। लगातार हुई तेज बारिश व भूस्खलन के कारण इलाके की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है।

पैदल श्मशान घाट तक जाने वाला रास्ता पूरी तरह से नष्ट हो चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को अंतिम संस्कार जैसे आवश्यक कार्यों में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के अधिकांश मकानों को भारी क्षति पहुंची है, जबकि कई मकान गिरने की कगार पर हैं। बारिश के दौरान लोगों को हर पल खतरे के साए में जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी भयावह है कि स्थानीय निवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य ने मंगलवार को शिवकरण चंद्रा ने डीसी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि लोअर मुगला गली नंबर 3 में पानी की निकासी व्यवस्था को सुधारते हुए पुनः यू-टर्न लगाया जाए। साथ ही एनएच कन्वर्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने और पिछले 6 महीनों से लंबित सरकारी पानी निकासी चैनल लाइनिंग कार्य को शीघ्र शुरू करने की मांग भी उठाई गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक ओर नगर परिषद की निकासी नालियां व दूसरी ओर एनएच कन्वर्ट के कार्य ने मिलकर लोअर मुगला क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी है।

जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण हर बारिश के साथ स्थिति और भी विकट होती जा रही है। ज्ञापन सौंपते समय मौजूद रहे शिवकरण चंद्रा के साथ राकेश कुमार, मनोहर लाल और राजेंद्र शामिल रहे उन्होंने प्रशासन से जल्द प्रभावी कदम उठाने की अपील की है, ताकि लोगों को इस संकट से राहत मिल सके।

चंबा में ट्रैफिक जाम के बीच एंबुलेंस की राह हुई कठिन

अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा शहर में हाल ही में सामने आई एक घटना ने शहरी यातायात व्यवस्था व आपातकालीन सेवाओं की प्राथमिकता को लेकर गंभीर चिंतन की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

ट्रैफिक जाम के बीच मंगलवार को एक एंबुलेंस को लंबे समय तक रास्ता न मिल पाने की स्थिति ने आम नागरिकों और प्रशासन दोनों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगी थीं, जिस कारण एंबुलेंस को आगे बढ़ने में कठिनाई हुई। यह स्थिति केवल यातायात दबाव ही नहीं दर्शाती, बल्कि यह भी संकेत देती है कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए और प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि शहर में बढ़ते वाहन दबाव, सीमित सड़क चौड़ाई और अनियोजित पार्किंग जैसी चुनौतियां समय-समय पर यातायात को प्रभावित करती रही हैं। ऐसे में आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध मार्ग उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन जाती है।

ट्रैफिक जाम के बीच मंगलवार को एंबुलेंस को आगे बढ़ने में काफी कठिनाई हुई। अनंत ज्ञान

विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की परिस्थितियां दीर्घकालिक समाधान की मांग करती हैं, जिनमें बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन, सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था और जन-जागरूकता अभियानों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इसी संदर्भ में, चंबा के भट्टी नाला क्षेत्र में प्रस्तावित फ्लाईओवर परियोजना को एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो सुल्तानपुर से शीतला पुल तक लगने वाले जाम को कम करने में सहायक हो सकती है। यह परियोजना लंबे समय से स्थानीय लोगों की अपेक्षाओं का हिस्सा रही है। साथ ही, सदर चंबा के विधायक नीरज नैय्यर ने भी संकेत दिया है कि संबंधित योजनाओं को शीघ्र ही औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार की दिशा में गति मिल सके। यह घटना एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि शहरी विकास के साथ-साथ यातायात प्रबंधन और नागरिक सहभागिता को संतुलित रूप से सुदृढ़ करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

31 लोगों के ऑब्जेक्शन पर 1373 आबादी की नई पंचायत सनेड निरस्त

अनंत ज्ञान, पधर। नवगठित ग्राम पंचायत सनेड को निरस्त किए जाने के फैसले के विरोध में क्षेत्र के लोगों ने जोरदार नाराजगी जताई है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस संबंध में जिलाधीश मंडी को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें फैसले को जनविरोधी बताया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पहले से प्रस्तावित और प्रक्रियाओं के तहत गठित पंचायत सनेड का गठन विधिवत रूप से किया गया था। इसके बावजूद मात्र 31 लोगों के ऑब्जेक्शन के आधार पर इसे निरस्त कर देना न्यायसंगत नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्णय से 1373 की आबादी में से लगभग 1340 लोग निराश और आहत हुए हैं। सौंपे गए पत्र में यह भी कहा गया है कि पंचायत गठन के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों और नियमों का पालन किया गया था तथा संबंधित विभागों की ओर से भी प्रक्रिया को मंजूरी दी गई थी। इसके बावजूद अचानक लिए गए इस निर्णय से लोगों में सरकार और प्रशासन के प्रति अविश्वास की भावना बढ़ी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह फैसला एक सोची-समझी चाल के तहत लिया गया है, जिससे क्षेत्र के विकास कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और सनेड पंचायत को पुनः बहाल किया जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ही इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया, तो क्षेत्र के लोग लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर पूरे क्षेत्र में रोष का माहौल बना हुआ है।

अनंत Classifieds

NAME CHANGE

I,Thakur Singh aged 54 years S/O Sh. Bhuri Singh Village Patha P.O. Khakhriyana Tehsil Balh, Distt. Mandi H.P. my name Thakar Singh is wrongly mentioned in aadhar card. Now I Have been my name changed Thakar Singh To Thakur Singh. Today onwards my name considered as Thakur Singh for all purpose. Please not that.

नाम परिवर्तन

मैं दयावती (60) पत्नी लच्छी राम निवासी रिखिड़ा नाल डाकघर और सब तहसील पांगणा तहसील करसोग जिला मंडी हिमाचल प्रदेश घोषणा करती हूं कि मेरा वास्तविक और सही नाम दयावंती के स्थान पर दयावती है। सभी संबंधित नोट करें।

नाम परिवर्तन

मैं, करण शर्मा पुत्र हीरा लाल, निवासी गांव देउली, डाकघर व तहसील बाली चौकी, जिला मंडी (हि.प्र.) यह घोषणा करता हूं कि मेरे सभी सरकारी दस्तावेजों में मेरा सही नाम 'करण शर्मा' दर्ज है, जबकि आधार कार्ड तथा पंचायत अभिलेखों में मेरा नाम गलतीवश 'गायत्री दत्त' दर्ज हो गया है। अतः कृपया मेरा नाम 'करण शर्मा' के रूप में संशोधित किया जाए।

उपायुक्त अपूर्व देवगन ने की वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रस्तावों की समीक्षा

अभी तक 30 प्रस्तावों को मिल चुकी है अंतिम स्वीकृति

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) के अंतर्गत लंबित प्रस्तावों की समीक्षा के लिए उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले की विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित एफसीए मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा उनके शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।उपायुक्त अपूर्व देवगन ने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी से बचने के लिए एफसीए प्रस्तावों का समयबद्ध निपटारा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 17 मार्च, 2023 से अब तक जिले के विभिन्न विभागों के कुल 30 प्रस्तावों को अंतिम स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें से एक प्रस्ताव को फरवरी माह में तथा दो प्रस्तावों को मार्च माह में स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिनमें सलापड़-तत्तापानी सड़क, प्रस्तावित करसोग न्यायालय परिसर तथा पधर न्यायालय परिसर शामिल हैं।उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि प्रत्येक लंबित प्रस्ताव के लिए स्पष्ट टाइमलाइन निर्धारित की जाए और निर्धारित अवधि के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर भी बल देते हुए कहा कि वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित सभी औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण की जाएं।बैठक के दौरान कुल 131 एफसीए प्रस्तावों पर बिंदुवार चर्चा की गई। इनमें न्यायपालिका से संबंधित 8 मामले, परिवेश 1.0 पोर्टल के 38 प्रस्ताव तथा परिवेश 2.0 पोर्टल के 68 प्रस्ताव शामिल हैं। ये सभी प्रस्ताव न्यायिक परिसरों, सड़कों, भवनों एवं जलविद्युत परियोजनाओं से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, 25 ऐसे प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई, जिन्हें विगत पांच से दस वर्षों के दौरान स्टेज-1 के तहत सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, किंतु वे अभी तक स्टेज-2 (अंतिम) स्वीकृति के लिए लंबित हैं।बैठक में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव विवेक कायस्थ, डीएफओ (मुख्यालय) बसु डोगरा, डीएफओ जोगिंद्रनगर अश्वनी कुमार सहित लोक निर्माण, जल शक्ति तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा डीएफओ सुकेत राकेश कटोच, डीएफओ करसोग केबी नेगी, डीएफओ एसएस कश्यप वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी मंडी। अनंत ज्ञान

पठानकोट-भरमौर एनएच पर लाहल कंध के पास लैंडस्लाइड

अनंत ज्ञान, भरमौर। पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे पर लाहल कंध के पास भारी लैंडस्लाइड होने से मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा व पत्थर गिरने के कारण सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन की ओर से एहतियातन हाईवे को बंद कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मार्ग बंद होने से स्थानीय लोगों व यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूचना के अनुसार, संबंधित विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने के कार्य में जुट गई हैं। हालांकि, लगातार भूस्खलन की आशंका के चलते मार्ग बहाल होने में समय लग सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे फिलहाल इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें और मौसम व सड़क की ताजा स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही सफर करें।

The Baijnath Co-operative Tea Factory Limited
Baijnath, Distt. Kangra (H.P.) -176125
Ref. No. BCTF/343 Dated: 17/3/26

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बैजनाथ सहकारी चाय उद्योग समिति सीमित बैजनाथ जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष द्वारा चाय उद्योग को 5 वर्षों के लिए लीज पर देने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक व्यक्ति या कंपनी दिनांक 31 मार्च 2026 तक निम्नलिखित कार्यालय में संपर्क करें।

वार्षिक लीज राशि - **पांच लाख रुपए**
प्रतिभूति (सिक्योरिटी) - **पांच लाख रुपए**
शेष शर्तें लीज अनुवंध में आपसी सहमति से तय की जाएंगी।

अध्यक्ष, मो. 9816240425
लेखाकार, मो. 9805127086

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी-शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।
मुकदमा इन्द्राज सेहत नाम
पेशी- 08.04.2026
राज कुमारी विध्वा लहरी राम पुत्र दिवाना महाल भाटी तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।
बनाम आम जनता
विषय- दरुस्ती नाम हि.प्र.रा. अधिनियम 1954 की जेर धारा 37 के तहत महाल भाटी व अम्बाडी में नाम दरुस्ती वारे।
उपरोक्त मुकदमा वारे प्रार्थीनी ने इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र गुजारा है जिसमें लिखा है उनके मृतक पति का सही नाम लहरी राम पुत्र दिवाना महाल भाटी मौजा रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र. है। जबकि महाल भाटी मौजा रजोल में उनके मृतक पति का नाम लैहरु राम पुत्र बुटा दर्ज है जो कि गलत इन्द्राज हुआ है। प्राथीनी अपने पति के उक्त नाम को दरुस्त करके लहरी राम पुत्र दिवाना महाल भाटी मौजा डढम्ब में दर्ज करवाना चाहती है।
अत उक्त प्रार्थना पत्र के संदर्भ में उपरोक्त नाम की दरुस्ती वारे किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 08.04.2026 को दोपहर बाद 2 बजे हाजिर आ सकता है। हाजिर न आने की स्थिती में एकतरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे और बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 16/03/26को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी
शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

व अदालत नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग उप तहसील ईसपुर जिला ऊना (हि.प्र.)
क्रमांक संख्या ना0 तह0 ईसपुर/रीडर 54
दिनांकः- 24/02/2026
तारीख पेशी - 25/03/2026
इशतहार मुशत्री मुनादी जेर धारा 23 हि.प्र. भू राजस्व अधिनियम 1954
किस्म मुकदमा तकसीम
मोहन लाल बनाम विजय कुमार आदि ।
समन मुशत्री मुनादी बनाम प्रतिवादीगणः- 1. मोहन जीत सिंह 2. अशोक कुमार उपनाम अशोक ठाकुर पिसरान सूरम सिंह 3. संग्राम सिंह पुत्र महिन्दर सिंह 4. विक्रान्त ठाकुर पुत्र व श्रीमति उषा ठाकुर विध्वा कर्ण सिंह सभी वासी गांव पंडोगा उप तहसील ईसपुर जिला ऊना (हि.प्र.)। व 5. संजीव कुमार 6. सतीश कुमार पिसरान व 7. श्रीमति अंजना देवी पुत्री 8. श्रीमति सरिता देवी पुत्री व श्रीमति हेमलता विध्वा भीम सिंह पुत्र विशम्भर लाल निवासी महाल वासेवाल जिला हिसार हरियाणा ।
आराजी 00-02-83 है0 खेवट न. 144 खतौनी न. 209 किता 7
मुन्दर्जा जमाबन्दी 2022-2023 वाक्या उप महाल पंडोगा उपरला उप तहसील ईसपुर ।
उक्त अनुवान वाला मुकदमा में इस न्यायालय को विश्वास हो चुका है कि उक्त प्रतिवादीगण को तामील साधारण ढंग से नहीं हो सकती है। अतः इस इशतहार अखबार के माध्यम से उपरोक्त सभी प्रतिवादीगणों को सूचित किया जाता है कि वे मुकदमा की पैरवी हेतु असालतल व वकालतन इस न्यायालय में दिनांक 25-03-2026 को समय 10:00 बजे उपस्थित होवे। हाजिर न आने की सूरत में उनके खिलाफ यक-तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नियमानुसार मुकदमा का निपटारा कर दिया जाएगा।
नोटः उक्त निर्धारित तिथि व समय पर हाजिर न होने के उपरान्त किसी भी प्रकार का कोई भी उजर/एतराज मान्य न होगा।
आज दिनांक 24/02/2026 को हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी किया गया।
नायव तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग उप तहसील ईसपुर जिला ऊना (हि.प्र.)

तकनीकी व स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी

अनंत ज्ञान, चूड़ी। राजकीय उच्च विद्यालय चूड़ी में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक शैक्षिक भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के मुख्याध्यापक राज कुमार ने किया। इस दौरान विद्यालय की अध्यापिका मिस चंद्रिका अहीर (टीजीटी मेडिकल) एवं कृष्ण कुमार (डीएम) के मार्गदर्शन में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनएचपीसी सीएचईपी-3 धरवाला तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चूड़ी का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को तकनीकी व स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। एनएचपीसी परियोजना में विद्यार्थियों ने बिजली उत्पादन की प्रक्रिया को करीब से समझा। विद्यालय प्रशासन के अनुसार इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में सहायक होते हैं व उन्हें अपने भविष्य के प्रति प्रेरित करते हैं।

खराब लिफ्ट को लेकर बिजली निरीक्षणालय का दरवाजा खटखटाया

60 माह की फ्री सेवा के वादे पर सवाल

अनंत ज्ञान

◆ अधिकारियों से जल्द जांच कानूनी कार्रवाई की मांग

बनीखेत। डलहौजी उपमंडल के चंबा जिले के बनीखेत बस स्टैंड स्थित होटल व्हाइट ऑर्किड में स्थापित यात्री लिफ्ट की कार्यप्रणाली और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

होटल व्हाइट ऑर्किड के प्रबंधन ने सहायक बिजली निरीक्षक, बिजली निरीक्षणालय हिमाचल प्रदेश, बनीखेत कार्यालय से लिफ्ट के शीघ्र निरीक्षण तथा उससे संबंधित बिजली व्यवस्थाओं की जांच करने का अनुरोध किया है। प्रबंधन के अनुसार, उक्त लिफ्ट जून 2024 में हमीरपुर स्थित फर्म मैसर्ज विमांशु एलीवेटर एंड एस्कलेटर द्वारा स्थापित की गई थी। स्थापना के समय कंपनी द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि लिफ्ट सभी निर्धारित मानकों के अनुरूप है तथा आवश्यक निरीक्षण एवं प्रमाणन की प्रक्रिया में भी सहयोग किया जाएगा, लेकिन स्थापना के बाद से ही लिफ्ट में बार-बार तकनीकी खराबियां आ रही हैं और इसके कई हिस्से लगातार खराब हो रहे हैं। कई बार अनुरोध करने के बावजूद कंपनी द्वारा न तो समस्याओं का संतोषजनक समाधान किया गया और न ही आवश्यक निरीक्षण एवं प्रमाणन प्रक्रिया में सहयोग दिया गया। प्रबंधन ने आरोप लगाया कि कंपनी बार-बार इन खराबियों के कारण भवन में अपर्याप्त बिजली लोड बता रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि लिफ्ट के लिए अलग से सर्वो स्टेबलाइजर लगाया गया है तथा उचित अर्थिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, स्थापना के समय हुए समझौते में कंपनी द्वारा 60 माह की निशुल्क सेवा एवं रखरखाव देने का आश्वासन दिया गया था। बावजूद इसके, कंपनी द्वारा इस वादे का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे होटल प्रबंधन को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 'यह लिफ्ट एक व्यावसायिक होटल में स्थापित है, जहां प्रतिदिन पर्यटक, अतिथि और कर्मचारी इसका उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की खराबी सीधे तौर पर सुरक्षा के लिए खतरा है। अतः इस मामले की शीघ्र जांच अत्यंत आवश्यक है,' होटल प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वह लिफ्ट कंपनी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा, ताकि अपनी सुरक्षा और हितों की रक्षा की जा सके।

इस मामले की जानकारी मुख्य बिजली निरीक्षक, हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ चंबा और हमीरपुर जिलों के उपायुक्तों को भी दी गई है। यह मामला निजी लिफ्ट स्थापना कंपनियों की जवाबदेही तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करता है, अब यह अपेक्षा की जा रही है कि संबंधित अधिकारी जल्द कार्रवाई करते हुए आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.
मुकदमा न0 52/2023
किस्म मुकदमा तकसीम
तारीख पेशी 19.03.2026
शोभन सिंह बनाम धनी राम आदि
नोटिस बनामः- 1. धनी राम पुत्र दीगती के जायज वारसान 2. लक्ष्मण सिंह पुत्र दीगती 3. भुकड़ी पुत्री दीगती 4. सुती पुत्री दीगती 5. जोगिन्दर सिंह पुत्र शेर सिंह 6. पिंकी देवी पुत्री शेर सिंह 7. सुनीता देवी पुत्री शेर सिंह 8. मिंटू पुत्र तारा चन्द 9. मलकां देवी पुत्री तारा चन्द 10. रीता देवी पुत्री तारा चन्द 11. पवना देवी पुत्री तारा चन्द 12. क्षमा देवी पुत्री तारा चन्द 13. तारो देवी विधवा तारा चन्द 14. टेक चन्द पुत्र प्रताप चन्द 15. संसार चन्द पुत्र प्रताप चन्द 16. सत्या पुत्री प्रताप चन्द 17. गुडडी पुत्री प्रताप चन्द 18. कमला पुत्री प्रताप चन्द 19. कोलां विधवा प्रताप चन्द 20. मंशो पुत्री पुन्नू के जायज वारसान 21. स्वर्ण सिंह पुत्र प्रेम सिंह 22. अजुध्या देवी विधवा प्रेम सिंह सभी निवासीयान महाल जिया खास, पटवार सर्कल जिया तह. पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।
भूमि खाता न. 127 खतौनी न. 245 ता. 251 खसरा किता 16 रक्वा तदादी 00-10-18 है. स्थित महाल जिया खास मौजा जिया तह0 पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी बर्ष 2019-2020
अखबारी ईश्तहार- उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन हैं। इसमें प्रतिवादीगण को समन जारी कर तलब किया गया परन्तु तामिल कुनिन्दा की रिपोर्ट अनुसार महाल में नहीं रहते है। प्रार्थी कौंसल ने पता देने में असमर्थता व्यक्त कि तथा ब्यान किया कि अखबारी ईश्तहार जारी कर तलब किया जाए। अतः अखबारी ईश्तहार द्वारा प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 19.03.2026 का अधोहस्ताक्षरी की अदालत में असालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
आज दिनांक 26.02.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर हि.प्र.

व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.
मुकदमा न0 290/2023
किस्म मुकदमा तकसीम
तारीख पेशी 20.03.2026
पाल सिंह बनाम महिन्दर सिंह आदि
नोटिस बनामः- 1. पूनम जस्सल विधवा महिन्दर सिंह अंकित जस्सल पुत्र महिन्दर सिंह आशीष जस्सल 2. कर्म चन्द पुत्र प्यार चन्द 3. अनु कुमारी पुत्री प्यार चन्द 4. रेणू कुमारी पुत्री प्यार चन्द 5. मीनू कुमारी पुत्री प्यार चन्द 6. विमला देवी पुत्री सन्तू 7. ज्ञानो देवी पुत्री सन्तू 8. कलवातू विधवा सन्तू के जायज वारसान 9. बिहारी लाल पुत्र सन्तू 10. प्रभी देवी पुत्री लखू 11. गलो देवी पुत्री लखू के जायज वारसान 12. संधी देवी पुत्री लखू के जायज वारसान सभी निवासीयान गांव मतेहड़ डाकघर बनूरी 13. प्रताप चन्द पुत्र घन्कू निवासी गांव मौलीचक डाकघर सलियाणा तह. पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।
भूमि खाता न0 157 खतौनी न0 213 खसरा न0 513/177 किता 01 रक्वा तदादी 00-19-84 है. स्थित महाल मतेहड़ तह. पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी बर्ष 2017-2018
अखबारी ईश्तहार- उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन हैं। इसमें प्रतिवादीगण को समन जारी कर तलब किया गया परन्तु तामिल कुनिन्दा की रिपोर्ट अनुसार महाल में नहीं रहते है। प्रार्थी कौसल ने पता देने में असमर्थता व्यक्त कि तथा ब्यान किया कि अखबारी ईश्तहार जारी कर तलब किया जाए। अतः अखबारी ईश्तहार द्वारा प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 19.03.2026 का अधोहस्ताक्षरी की अदालत में असालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
आज दिनांक 26.02.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।
आज दिनांक 26.02.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर हि.प्र.

व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.
मुकदमा न0 37/2024
किस्म मुकदमा तकसीम
तारीख पेशी 19.03.2026
सुरेश कुमार बनाम बन्दना शर्मा आदि
नोटिस बनामः- 1. बन्दना शर्मा पुत्री कुकी देवी 2. रत्न चन्द पुत्र किरपू 3. अंकुश राणा पुत्र उदय सिंह 4. विशूल शर्मा पुत्र विनय 5. शालिनी शर्मा विधवा विनय 6. कमला शर्मा विधवा अमरनाथ 7. गीता देवी पत्नी रोशन लाल 8. राजेश पुत्र झाझो 9. सुनील कुमार पुत्र धनी राम 10. रमेश कुमार पुत्र धनी राम 11. मीना देवी पुत्री धनी राम 12. निर्मला देवी विधवा धनी राम 13. रत्न चन्द पुत्र विशम्वर 14. परमा पुत्र विशम्वर 15. प्यार चन्द पुत्र विशम्वर 16. केहर सिंह पुत्र गुरमुख सभी निवासीयान विन्दरावन 17. माधो राम पुत्र तुलसी निवासी घुमारनू तहसील थुरल जिला कांगड़ा हि. प्र.।
भूमि खाता न0 131 खतौनी न0 223 खसरा न0 530/123, 405 किता 02 रक्वा तदादी 00-39-64 है. स्थित महाल विन्दरावन तह. पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी बर्ष 2018-2019
अखबारी ईश्तहार- उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन हैं। इसमें प्रतिवादीगण को समन जारी कर तलब किया गया परन्तु तामिल कुनिन्दा की रिपोर्ट अनुसार महाल में नहीं रहते है। प्रार्थी कौसल ने पता देने में असमर्थता व्यक्त कि तथा ब्यान किया कि अखबारी ईश्तहार जारी कर तलब किया जाए। अतः अखबारी ईश्तहार द्वारा प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 19.03.2026 का अधोहस्ताक्षरी की अदालत में असालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
आज दिनांक 26.02.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी पालमपुर हि.प्र.

ब्राह्मण होकर विद्वान और साधनारत भी है, लेकिन दुष्टमार्ग और दुष्प्रवृत्तियों में लीन हो गया है उसे ब्रह्मराक्षस कहते हैं, उस पर नियंत्रण दुष्कर, किंतु अनिवार्य होता है। **–तंत्र महोदधि**

संपादकीय

खर्चों पर नियंत्रण

जब सारे रास्ते बंद हो जाएं, तो एक ही विकल्प बचता है–साहसिक और दिमाग से सोचकर कठिन निर्णय लेना। यही फिलॉसफी हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार के सामने खड़ी चुनौती में नजर आती है। बढ़ते वित्तीय बोझ और सीमित संसाधनों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कैबिनेट रैंक प्राप्त मंत्रिमंडल के सहयोगियों और सलाहकारों के वेतन और भत्तों में कटौती कर एक साहसिक निर्णय लिया है।

राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चा होना स्वाभाविक है। अब तक कैबिनेट रैंक मंत्री के स्तर की सुविधाएं और विशेषाधिकार मिल रहे थे, लेकिन जब सरकार को कहीं से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है तो उसने यह साहसिक फैसला लेने को निर्णय लिया। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य वित्तीय अनुशासन लाना और फिजूलखर्ची पर रोक लगाना है। इस पहल के तहत वेतन और भत्तों में 20 प्रतिशत की कटौती की गई है, जो 30 सितंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगी।

सरकार की मितव्ययिता योजना के पीछे आर्थिक मजबूरी साफ दिखती है। राज्य के कमाई के सभी प्रमुख स्रोत ठप हैं, केंद्र से मदद नाममात्र है और जनता की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का यह कदम साहसिक और विवेकपूर्ण माना जाना चाहिए।

विपक्षी भाजपा ने हालांकि इस निर्णय की आलोचना की है। उसका आरोप है कि यह सिर्फ जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा कदम है और अगर फिजूलखर्ची रोकना वास्तविक उद्देश्य था, तो इसे सीपीएस हटाए जाने के तुरंत बाद लागू किया जाना चाहिए था। भाजपा ने मुख्यमंत्री पर सदन को गुमराह करने का भी आरोप लगाया है।

फिर भी, यह याद रखना जरूरी है कि विपक्ष का काम आलोचना करना है, लेकिन सरकार के मुखिया ने जिस गंभीरता और सोच के साथ यह निर्णय लिया है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केवल कठिन परिस्थितियों में ही पता चलता है कि नेतृत्व कितनी जिम्मेदारी और साहस दिखा सकता है।

इस फैसले के साथ ही हिमाचल प्रदेश सरकार चौथा बजट पेश करने जा रहा है। पिछले तीन बजटों में बड़ी-बड़ी घोषणाओं का प्रभाव जमीन पर सीमित रहा है। प्रदेश में सेवानिवृत्त कर्मचारी सड़क पर प्रदर्शन कर रहे हैं, बेरोजगार युवा आंदोलनरत हैं, किसान और महिलाएं परेशान हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि जनता अब वास्तविक परिणामों की मांग कर रही है।

सुक्खू सरकार का यह कदम केवल मौजूदा वित्तीय संकट का समाधान नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि कठिन समय में भी संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग संभव है। केंद्रीय सहायता कम होने के बावजूद, मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल ने अपने पदाधिकारियों और विभागों के साथ मिलकर एक साहसिक और आवश्यक कदम उठाया है।

राजनीतिक नजरिए से देखा जाए तो यह कदम सरकार की जवाबदेही और गंभीरता का परिचायक है। सभी अधिकारी, चाहे उच्च पदों पर हों या निम्न स्तर पर, इस निर्णय की सराहना करें और इसके साथ खड़े रहें। यह न केवल वित्तीय अनुशासन स्थापित करेगा, बल्कि राज्य के दीर्घकालीन विकास और जनता के हित में भी मददगार होगा।

बहरहाल, जनता ही तय करेगी कि कौन सा नेतृत्व उनके लिए बेहतर साबित होता है। सरकार को अपने निर्णय लेने का अधिकार है, लेकिन जनता की समझ और प्रति, या ही यह तय करेगी कि यह कदम कितनी कारगर रहा। कठिन समय में साहसिक और विवेकपूर्ण निर्णय लेना ही नेतृत्व की पहचान है।

हिमाचल में यह मितव्ययिता निर्णय न केवल वित्तीय अनुशासन के लिए आवश्यक था, बल्कि यह राज्य के विकास के लिए दिशा-निर्देश भी निर्धारित करता है। आलोचना चाहे जितनी भी हो, लेकिन यह कदम स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि संकट के समय में सही और साहसिक निर्णय लेना ही असली नेतृत्व है। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज की प्रमुख हस्ती

सिने प्रेमियों का प्रिय सितारा

शशि कपूर (18 मार्च 1938 – 4 दिसंबर 2017) हिंदी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शामिल थे, जिन्होंने लगभग चार दशक तक अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। कोलकाता में जन्मे शशि कपूर का असली नाम बलबीर राज कपूर था। पिता पृथ्वीराज कपूर और भाई राजकपूर तथा शम्मी कपूर पहले ही फिल्म जगत में प्रतिष्ठित थे। पिता ने उन्हें स्वयं संघर्ष कर सफलता पाने का पाठ पढ़ाया, जिसे शशि ने पूरी ईमानदारी से अपनाया।

शशि कपूर
जन्म : 18 मार्च, 1938
मृत्यु : 4 दिसंबर, 2017

शशि कपूर की स्कूली पढ़ाई मुंबई के डॉन बास्को स्कूल में हुई। अभिनय की चाह ने उन्हें पृथ्वी थियेटर तक पहुंचाया, जहां उन्होंने बाल कलाकार के रूप में नाटकों में काम किया। इसके बाद उनके करियर की नींव फिल्मों में भी पड़ी। ब्रिटेन की थियेटर मंडली शेक्सथियरेना से जुड़ाव ने उनके जीवन में नया मोड़ लाया। यहीं उनकी मुलाकात जेनिफर केंडेल से हुई, जिनसे 1958 में उन्होंने विवाह किया। शशि कपूर ने नायक के रूप में 1961 में फिल्म 'धर्म पुत्र' से सिने करियर की शुरुआत की। 1965 में उनकी फिल्म 'जब जब फूल खिले' और 'वक्त' ने उन्हें रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित किया। उन्हें फिल्मफेयर, लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार, कई राष्ट्रीय पुरस्कार और 2011 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 4 दिसंबर 2017 को मुंबई में उनका निधन हो गया। ■

कविता

सुणां ओ पहाडा दे लाल!

डॉ. सुषमा कुमारी, सह-आचार्य, अंग्रेजी
राजकीय महाविद्यालय रक्कड़ (कांगड़ा)

जे हिमाचले या नां रखना ऊच्चा-सुच्चा, तां सुणां ओ पहाड़ां दे लाल!
गट्ठी बनी लेया गल्लां चार, मेहनत जो हथियार बनां
ज्ञान दी लौ घर-घर जला
खेत्तर खिल्ले, पट्ठ सुन्ने, तां दाणे कियां पुन्ने?
सुणां ओ पहाड़ा दे लाल...
खेतां च सोना उगा, किताबों च भविष्य सजा
ये कुदरत असां दी माई है, ऐईं ता बुर्जुगां दी कमाई है
जंगल, पाणी, हवा बचा, पहाड़ां दा श्रृंगार सजा
स्याणे गलांदे से लालच बड़ा बैरी, बड़ा भरमांदा
बडे-बडेयां दा ईमान गिरांदा
पर जे ओण उसूल सूल दे, तां ईमान कदी नीं डगमगांदा
ईमानदारीयां दे सिक्के कदी खोट्टे नी हुंदे
मेहनता ने काम कोई छोटे नीं हुंदे
सुणां ओ पहाड़ा दे लाल...
सपना अपना सच्चा रखा, देश दा नां ऊच्चा रखा
भारत मां दा नाम वद्दा, मत नशेयां च जान गंवा
धरती मां दे सच्चे लाल, कहा जै हिंद, जै हिमाचल गा।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

इच्छा मृत्यु : कानून और 'नैतिकता का द्वंद्व'

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी, मो.9418233028

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

इच्छा मृत्यु आज के समय में चिकित्सा, कानून, नैतिकता और मानवाधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत संवेदनशील और विवादास्पद विषय बन चुका है। इसका अर्थ है किसी ऐसे व्यक्ति को, जो असाध्य बीमारी से पीड़ित हो और असहनीय दर्द में जीवन जी रहा हो, उसकी इच्छा के अनुसार मृत्यु की अनुमति देना। भारत में इस विषय पर बहस तब तेज हुई जब सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में एक ऐतिहासिक निर्णय में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु को कुछ शर्तों के साथ वैध कर दिया।

इससे पहले भी अरुणा शानबाग केस के दौरान अदालत ने इस विषय पर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए थे। इस फैसले को कुछ लोगों ने मानवाधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की जीत माना, जबकि कुछ लोगों ने इसे नैतिक और सामाजिक दृष्टि से गलत बताया। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि इच्छा मृत्यु पर दिया गया फैसला सही है या गलत, और इसके दोनों पक्षों का संतुलित विश्लेषण किया जाना चाहिए।इच्छा मृत्यु के समर्थकों का मानना है कि यह मानव गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका तर्क है कि जब कोई व्यक्ति ऐसी बीमारी से पीड़ित हो जाए जिसका इलाज संभव न हो और वह लगातार असहनीय शारीरिक और मानसिक पीड़ा में जी रहा हो, तब उसे गरिमा के साथ मृत्यु चुनने का अधिकार होना चाहिए। आधुनिक चिकित्सा कई बार केवल जीवन को कृत्रिम रूप से बनाए रखती है, लेकिन रोगी की पीड़ा समाप्त नहीं कर पाती। ऐसे में जीवन को अनावश्यक रूप से लंबा खींचना मानवता के सिद्धांतों के विपरीत माना जाता है। इसी संदर्भ में कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा कि गरिमा के साथ मरना भी जीवन के अधिकार का हिस्सा है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत आता है। इस निर्णय ने यह स्पष्ट किया कि व्यक्ति को अपने जीवन और मृत्यु से संबंधित कुछ निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए।

इच्छा मृत्यु के पक्ष में एक और महत्वपूर्ण तर्क यह दिया जाता है कि यह असहनीय पीड़ा से मुक्ति का मानवीय तरीका है। कई गंभीर रोग जैसे अंतिम चरण का कैंसर, मस्तिष्क क्षति या लंबे समय तक कोमा की स्थिति व्यक्ति को अत्यधिक पीड़ा और असहायता में डाल देते हैं। कई बार रोगी वर्षों तक जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर रहता है और उसके ठीक होने की कोई संभावना नहीं होती। ऐसी स्थिति में इच्छा मृत्यु को मानवीय करुणा और संवेदनशीलता के रूप में देखा जाता है। समर्थकों का मानना है कि यदि रोगी स्वयं अपनी इच्छा से जीवन समाप्त करना चाहता है, तो समाज और कानून को उसकी पीड़ा को समझना चाहिए। इसके अतिरिक्त इच्छा मृत्यु को परिवार के आर्थिक और मानसिक बोझ से भी जोड़ा जाता है। गंभीर और लंबी बीमारियों का इलाज अत्यंत महंगा होता है और कई बार परिवार को वर्षों तक इलाज का खर्च उठाना पड़ता है, जबकि रोगी के ठीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी होती है। इस स्थिति में परिवार आर्थिक संकट और मानसिक तनाव दोनों से गुजरता है। इच्छा मृत्यु के समर्थकों का तर्क है कि ऐसी परिस्थितियों में रोगी और परिवार दोनों को इस पीड़ा से मुक्त करने का विकल्प उपलब्ध होना चाहिए। हालांकि, इच्छा मृत्यु के विरोध में भी कई मजबूत तर्क दिए जाते हैं। विरोधियों का सबसे प्रमुख तर्क जीवन की पवित्रता से जुड़ा हुआ है। उनका मानना है कि जीवन ईश्वर या प्रकृति का दिया हुआ अमूल्य उपहार है और इसे समाप्त करने का अधिकार किसी मनुष्य को नहीं होना चाहिए। कई धार्मिक और नैतिक विचारधाराएं जीवन को सर्वोच्च मूल्य मानती हैं और आत्महत्या या किसी भी प्रकार से जीवन समाप्त करने को गलत मानती हैं। इस दृष्टिकोण से इच्छा मृत्यु को वैध बनाना समाज में जीवन के महत्व को कम कर सकता है।

इच्छा मृत्यु के विरोधियों की एक बड़ी चिंता इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर भी है। यदि इसे पूरी तरह वैध कर दिया जाए, तो यह संभव है कि कुछ लोग संपत्ति या पारिवारिक विवादों के कारण बुजुर्ग या बीमार व्यक्तियों पर इच्छा मृत्यु का दबाव डालें। कमजोर और असहाय व्यक्ति, विशेषकर बुजुर्ग और विकलांग, इच्छा मृत्यु के दबाव का शिकार हो सकते हैं। इसलिए कई विशेषज्ञ इसे सामाजिक और कानूनी दृष्टि से खतरनाक मानते हैं। चिकित्सा नैतिकता का भी यह विषय महत्वपूर्ण है, क्योंकि डॉक्टरों का मूल उद्देश्य जीवन बचाना और रोगी की पीड़ा कम करना होता है। यदि उन्हें इच्छा मृत्यु में शामिल होने की अनुमति दी जाए, तो यह नैतिकता के सिद्धांतों से टकरा सकता है।

चिकित्सा विज्ञान की प्रगति भी इस बहस में अहम है। इतिहास में कई रोग पहले असाध्य माने जाते थे, लेकिन बाद में उनका इलाज संभव हुआ। जल्द निर्णय लेने से भविष्य में उपलब्ध उपचार का अवसर रोगी से छिन सकता है।

भारत में सक्रिय इच्छा मृत्यु अवैध है, जबकि निष्क्रिय इच्छा मृत्यु सीमित परिस्थितियों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमति प्राप्त है। 'लिविंग विल' के माध्यम से व्यक्ति पहले से यह तय कर सकता है कि गंभीर बीमारी में वह जीवन रक्षक उपकरण पर जीवित न रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिकोण भिन्न हैं। नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे देशों में कड़े नियमों के तहत यह वैध है, जबकि कई देशों में नैतिक और धार्मिक कारणों से अवैध है।

अंतत:, यह विषय संवेदनशील है। मानव गरिमा, जीवन का मूल्य और चिकित्सा नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखना समाज और कानून की जिम्मेदारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

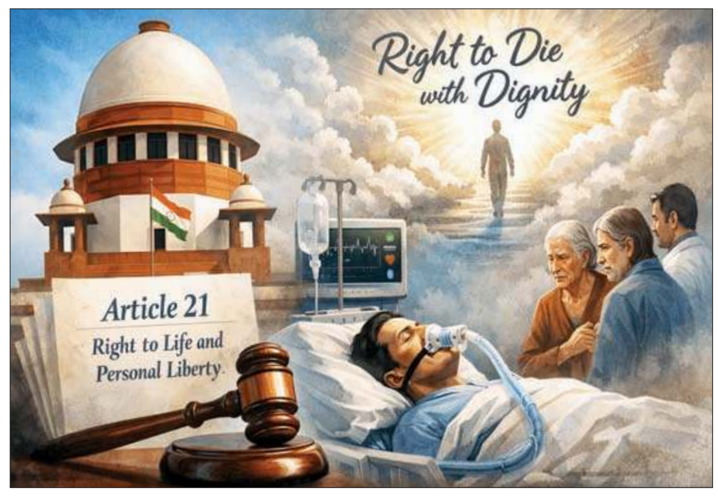

बदलता परिवेश : वट वृक्ष की छाया से गमले के पौधे तक

कनुप्रिया
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

पुराने समय में गुरु वट वृक्ष के समान था जिसकी अनुशासन की छाया धूप की तरह तीखी तो लगती थी, लेकिन कुंदन बन निखारती थी। तब शिष्य मिट्टी था और गुरु कुम्हार। कुम्हार की चोट दिखती कठोर थी पर अंदर से शिष्य का भविष्य संवार रही होती थी। अभिभावक जानते थे कि गुरु केवल शिक्षा नहीं सीखा रहे, बल्कि जीवन को जीने के संस्कारों को भी रोपित कर रहे हैं।

बदलते समय के साथ गुरु की परिभाषा भी बदलती जा रही है और साथ ही शिष्य की भी, जिस तरह की गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन पहले किया जाता था वह तो अब भूली बिसरी याद की तरह है। गुरु भी समय के बदलाव के साथ न केवल साधन संपन्न हुए हैं, बल्कि उनकी जो शक्तियां थी वह भी बदलते परिवेश के साथ छीन ली गई हैं। जिस वातावरण की पहली बात होती थी वह किंचित मात्र भी इस युग में दृश्य नहीं है। अनुभव व ज्ञान की पराकाष्ठा का व्यक्तित्व लिए जब गुरु पाठशाला में या बाजार में दिख जाता तो बच्चों को गर्व के साथ-साथ अनजना डर भी सताता था कि वह कहीं उसके अभिभावक से कोई शिकायत या प्रगति रिपोर्ट को लेकर कुछ कहना दे, साथ ही जो झिझक गुरुजनों के सानिध्य में होती थी उसमें आदर भाव की अधिकता और द्वेष व प्रतिकार की भावना ना मात्र पाई जाती थी। परिजन भी अपने बच्चों को पाठशाला में अध्यापकों के सुपुर्द करके चिंता मुक्त हो जाते थे कि वह चाहे तो जिस भी तरह से अपने शिष्य को कम से कम एक अच्छा नागरिक और संस्कारी व्यक्ति बनाएं वनिस्पत किसी नौकरी के उद्देश्य से पढ़ाई करवायें।

समय के साथ-साथ इन दोनों भूमिकाओं में बहुत ही अद्वितीय परिवर्तन आया है जो की एक तरफ अच्छा भी है तो दूसरी तरफ एक ऐसे भविष्य की नींव रख रहा है या स्पष्ट तौर पर कहें की रख चुका है जो कि समाज की बुनियाद को लगातार हिला के रख दे रहा है। किसी एक को दोषी मान के दंडित करना अपनी ही अयोग्यता को सिद्ध करने जैसा है क्योंकि इस समय जो परिस्थितियों हैं वह दो अलग-अलग तरह के वाक्यात को इंगित करती है क्योंकि आज का जो बच्चा है वह घर से इकलौता और सब सुविधा संपन्न हैं और मां-बाप अपने बच्चों को सुख सुविधाओं में पालने के लिए इतना ज्यादा यत्न करते हैं कि उसे छोटी सी चोट भी आ जाए तो उसकी सुविधा के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा देते हैं। जब बच्चा इस तरह के माहौल में पला-बड़ा होता है जिसको डांट- फटकार कभी पड़ी ही नहीं है और उसे छोटी सी बात भी आहत कर देती है,तो इस परिस्थिति में मां-बाप और अध्यापक दोनों का सामजस्य होना बहुत ही जरूरी है। स्वभाव में कोमलता और संवेदनशीलता अलग होती है। कोमलता मतलब नरमी से प्रति, या देना, जबकि संवेदनशीलता अक्सर तुरंत और बिना विचार किए निर्णय लेने से जुड़ी होती है। आजकल के बच्चे अधिकतर संवेदनशील हैं और किसी स्थिति के परिणाम को समझे बिना जल्दी प्रति, या दे देते हैं। परिजन और शिक्षक बच्चों की मानसिक मजबूती में अहम भूमिका निभाते हैं। सुरक्षित माहौल में पलते बच्चों को संघर्ष और चुनौतियों का अनुभव नहीं होता, जिससे वे छोटी-सी समस्या पर भी अत्यधिक प्रतिक्रिया कर सकते हैं। अक्सर प्यार और सुविधा का अधिक लाभ उठाने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है। अखबारों में ऐसी खबरें आम हैं कि मोबाइल या डांट मिलने पर बच्चे आत्महत्या जैसी गंभीर प्रतिक्रिया देते हैं।

इसलिए जरूरी है कि परिजन और शिक्षक बच्चों को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। उन्हें यह समझाना चाहिए कि डर, गुस्सा, उदासी स्वाभाविक भावनाएं हैं और गलती करना सीखने की प्र, या है। बच्चों को खुद अपनी समस्याओं का समाधान खोजने और 'क्या' के बजाय 'कैसे' सीखने की प्रेरणा देना आवश्यक है। हमें बच्चों को ग्रीन हाउस के कांच में पलते इंडोर प्लांट की तरह नहीं, बल्कि खुले माहौल में हर मौसम में पनपने के लिए तैयार करना होगा। मानसिक मजबूती ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों से निडर और निर्भीक बनाती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

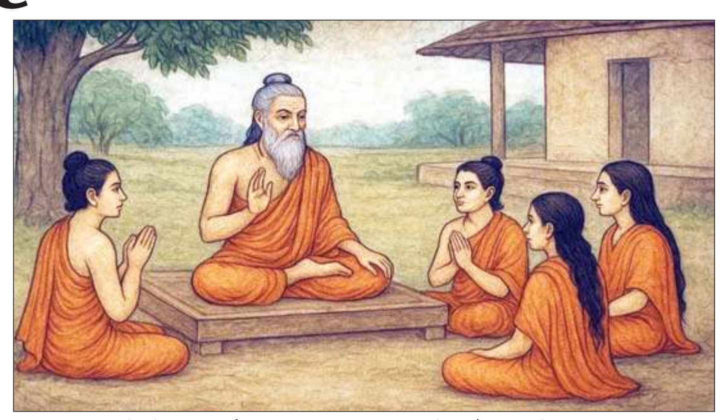

साझा चूल्हा : संकट में सहयोग और सामाजिक एकता का प्रतीक

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है।

यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है, लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है-समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता।

भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहां परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहां कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है-'साझा चूल्हा'।

साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था।

समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं।

इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? 'साझा चूल्हा' का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। मंदिरों, गुरुद्वारों और सामाजिक आयोजनों में सभी लोग जाति या आर्थिक स्थिति भेदभाव के बिना एक साथ भोजन करते हैं। यह केवल सेवा भावना नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का प्रतीक भी है। यदि बड़े आयोजनों में यह संभव है, तो छोटे स्तर पर भी सहयोग और साझा संसाधनों की भावना अपनाई जा सकती है। मोहल्ले या समुदाय में कुछ परिवार मिलकर भोजन बनाने या अन्य संसाधनों का साझा उपयोग कर सकते हैं। इससे न केवल खर्च में बचत होती है, बल्कि संवाद, विश्वास और आपसी समझ भी बढ़ती है। ग्रामीण जीवन में यह परंपरा पहले से मौजूद है। खेतों में काम करते समय और त्योहारों पर कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं।

शहरी जीवन ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता बढ़ाई है, लेकिन सामूहिकता की भावना कमजोर हुई है, जिससे समाज में अलगाव और अकेलापन बढ़ा है। साझा चूल्हा केवल आर्थिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का प्रतीक है। यह याद दिलाता है कि समाज की ताकत सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और एकता में है। संकट के समय, यही सहयोग हमें अवसर में बदलने की शक्ति देता है। साझा चूल्हा अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है—एक ऐसा विचार जो समाज को सशक्त, सहायक और एकजुट बनाता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

क्या देश की उच्च शिक्षा में बड़ा बदलाव लाएगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी?

केशव शर्मा रसिक
गांव-कोटला, घुमारवीं
फोन-9417379327

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज का युग तकनीकी क्रांति का युग है और इस क्रांति के केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (AI) तेजी से उभर रही है। उद्योग, चिकित्सा, कृषि और प्रशासन के साथ-साथ शिक्षा जगत भी इससे अछूता नहीं है। विशेषकर भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में एआई एक बड़े परिवर्तन का संकेत दे रही है।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ाई की पद्धति, शोध की दिशा, मूल्यांकन प्रणाली और प्रशासनिक व्यवस्था, सभी में ए.आई. नई संभावनाएं लेकर आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में ए.आई.उच्च शिक्षा की संरचना और स्वरूप दोनों को गहराई से बदल सकती है।

भारत के कई विश्वविद्यालय और कॉलेज पहले ही एआई को शिक्षा प्रक्रिया में शामिल करना शुरू कर चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 60 प्रतिशत से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान छात्रों को एआई टूल्स के उपयोग की अनुमति दे चुके हैं। इनमें से लगभग 53 प्रतिशत संस्थान अध्ययन सामग्री तैयार करने में, 40 प्रतिशत एआई आधारित ट्यूटर और चैटबॉट, 39 प्रतिशत अनुकूलित (एडैप्टिव) लर्निंग प्लेटफॉर्म और 38 प्रतिशत स्वचालित मूल्यांकन प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि एआई अब प्रयोगात्मक तकनीक नहीं रही, बल्कि धीरे-धीरे शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही है। एआई के आने से शिक्षा का पारंपरिक मॉडल तेजी से बदल रहा है। पहले शिक्षक एक ही तरीके से सभी छात्रों को पढ़ाते थे, लेकिन अब एआई आधारित प्लेटफॉर्म प्रत्येक छात्र की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार अध्ययन सामग्री तैयार कर सकते हैं।

इससे व्यक्तिगत (पर्सनलाइज्ड) शिक्षा संभव हो रही है।इसके अतिरिक्त एआई आधारित ट्यूटर और चैटबॉट छात्रों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान कर सकते हैं। छात्र किसी भी समय प्रश्न पूछ सकते हैं और तुरंत उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। इससे शिक्षा अधिक सुलभ और प्रभावी बन रही है। उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है। एआई इस क्षेत्र में भी बड़ी भूमिका निभा सकती है। बड़े-बड़े डेटा का विश्लेषण, जटिल गणनाएं,वैज्ञानिक मॉडलिंग और शोध पत्रों का विश्लेषण, ये सभी कार्य एआई की सहायता से अधिक तेज और सटीक तरीके से किए जा सकते हैं।

भारत में कई विश्वविद्यालय एआई आधारित शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। कुछ संस्थान तो विशेष रूप से एआई और उन्नत तकनीकों के लिए समर्पित कैंपस और पाठ्यक्रम विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

वर्तमान समय में एआई का उपयोग केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्था को भी अधिक कुशल बना रहा है। प्रवेश प्रक्रिया, छात्र डेटा प्रबंधन, परीक्षा मूल्यांकन और भर्ती प्रक्रया में एआई आधारित प्रणालियां तेजी से अपनाई जा रही हैं। इससे समय की बचत होती है और मानवीय त्रुटियों की संभावना कम होती है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में अधिकांश नौकरियां तकनीक और एआई से प्रभावित होंगी। इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रों को एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और डिजिटल कौशलों से परिचित कराना आवश्यक हो गया है। इससे उन्हें भविष्य के रोजगार और प्रतिस्पर्धा में लाभ मिलेगा हालांकि, एआई के साथ चुनौतियां भी हैं। कई शिक्षण संस्थानों में पर्याप्त डिजिटल ढांचा और संसाधन नहीं हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है, और डेटा सुरक्षा तथा गोपनीयता की चिंताएं भी बढ़ रही हैं। साथ ही, छात्रों द्वारा ए.आई. का अत्यधिक उपयोग मौलिक सोच और रचनात्मकता पर असर डाल सकता है। इसलिए एआई को शिक्षा में अपनाते समय संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

महादेव में थमने का नाम नहीं ले रहा है पेयजल पाइपों का रिसाव

लापरवाही पर सवाल : शिकायतों के बावजूद नहीं थमा जल रिसाव

अनंत ज्ञान

महादेव में पेयजल पाइपों से लगातार रिसाव, पानी की बर्बादी। अनंत ज्ञान

भीम बसेडू राजपूत, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत महादेव में पेयजल पाइपों से लगातार हो रहा रिसाव अब गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जगह-जगह पाइपलाइन से पानी लीक होने के कारण एक ओर जहां बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह रहा है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों, खासकर उपभोक्ताओं और पशुपालकों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

महादेव-धनोटू संपर्क मार्ग पर कई स्थानों पर पाइपों से रिसाव के चलते सड़क किनारे पानी जमा होकर छोटे-छोटे जोहड़ बन गए हैं। इसी तरह महादेव से चौक गांव को जोड़ने वाले मार्ग पर भी खुली पाइपलाइन के ढीले जोड़ साफ तौर पर विभागीय लापरवाही को उजागर करते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या के बारे में जल शक्ति विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार जल संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल विपरीत हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले गर्मी के मौसम में क्षेत्र में पानी के लिए हाहाकार मचना तय है। स्थानीय लोगों ने उपायुक्त मंडी से मांग की है कि जिले में हो रहे पेयजल रिसाव को रोकने के लिए जल्द प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि जल की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

बिना अनुमति के ड्यूटी से गायब चौकीदार को नोटिस

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) के बस्सी पावर हाउस डिवीजन, जोगिंद्रनगर में कार्यरत एक कर्मचारी के बिना अनुमति लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर विभाग ने कड़ा संज्ञान लिया है। इस संबंध में विभाग द्वारा एक सार्वजनिक सूचना/प्रेस नोट जारी कर कर्मचारी को अंतिम चेतावनी दी गई है।

जारी नोटिस के अनुसार अभिषेक जो चौकीदार (दैनिक वेतन भोगी) के पद पर तैनात हैं, 2 अप्रैल 2025 से बिना किसी स्वीकृत अवकाश या पूर्व सूचना के अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित चल रहे हैं। विभाग ने उनके पंजीकृत पते पर कई बार पत्र भेजकर संपर्क करने और ड्यूटी पर लौटने या अनुपस्थिति का कारण बताने को कहा, लेकिन उनकी ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

◆ **7 दिन में जवाब न देने पर की जाएगी विभागीय कार्रवाई**

विभाग ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित कर्मचारी नोटिस के प्रकाशन की तिथि से सात दिनों के भीतर अधिशासी अभियंता के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। अन्यथा यह माना जाएगा कि उन्हें अपनी सेवा में कोई रुचि नहीं है। प्रेस नोट में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समयावधि में जवाब न मिलने पर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह आदेश 16 मार्च को रेजिडेंट इंजीनियर, बस्सी पावर हाउस डिवीजन, जोगिंद्रनगर द्वारा जारी किया गया।

बारिश और मलबे से बरोट-घटासनी मार्ग प्रभावित, ट्राला फंसने से यातायात बाधित

पर्यटकों की गाड़ी को सुरक्षित निकालते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। बरोट-घटासनी मुख्य सड़क मार्ग पर सोमवार को हुई भारी बारिश के चलते गुराहला के पास ढांक से मलबा गिरने और सड़क दलदली होने से दिनभर यातायात प्रभावित रहा तथा केवल छोटे वाहन ही चल सके। हालांकि लोक निर्माण विभाग ने देर शाम जेसीबी से मलबा हटाकर मार्ग बहाल कर दिया।

टिक्कन के पास एक बड़ा ट्राला फंस जाने से यह मार्ग मंगलवार दोपहर तक बड़े वाहनों के लिए बंद रहा, जिसे ठीक करने के बाद ही यातायात सामान्य हो पाया। वहीं बरोट-मियोट मार्ग पर जमी बर्फ के कारण बड़े वाहन बंद हैं तथा मुल्थान-बड़ा ग्रां मार्ग पर भारी हिमपात से जोखिम के बीच छोटे वाहन चल रहे हैं, जबकि मुल्थान-लोहारडी मार्ग बहाल है। इसी बीच बर्फबारी के दौरान चंडीगढ़ से आए पर्यटकों की गाड़ी बड़ा ग्रां में संतुलन बिगड़ने से सड़क से बाहर लटक गई, जिसे लोक निर्माण विभाग ने सुरक्षित निकाल लिया।

ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात, किसानों और बागवानों के चेहरे खिले

अनंत ज्ञान, बरोट। दो दिन की बारिश और हिमपात के बाद चौहार व छोटाभंगाल घाटी की पर्वतमालाएं बर्फ की सफेद चादर से ढक गई हैं, जिससे थमसर जोत, बकरक्याड़ा, भेड़ खोशी, ढूंढनी धार, लाघा, डेहनसर, हनुमान गढ़ व टिकागढ़ क्षेत्र का दृश्य अत्यंत मनमोहक बन गया है, वहीं दुर्गम गांवों में भी बर्फ जमने से जनजीवन प्रभावित हुआ है, हालांकि मंगलवार को हल्की धूप निकलने के बाद लोगों की आवाजाही फिर शुरू हुई, इस हिमपात से जहां दुर्गम क्षेत्रों में दिक्कतें बढ़ी हैं, वहीं फसलों को नमी मिलने से किसान और बागवान खुश नजर आ रहे हैं और घाटी का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मंडी जिला अंडर-16 टीम का चयन 26 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी जिला अंडर-16 क्रिकेट टीम का चयन 26 मार्च, वीरवार को सुबह 10 बजे राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज के खेल मैदान में किया जाएगा। यह जानकारी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ मंडी के अध्यक्ष अजय राणा ने दी। उन्होंने बताया कि इस चयन ट्रायल में 1 सितंबर 2010 या उसके बाद जन्म लेने वाले खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। चयन प्रक्रिया के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जो ट्रायल आयोजित करेगी।चयनित टीम 10 अप्रैल से शुरू होने वाली अंतर जिला प्रतियोगिता में भाग लेगी। मंडी अंडर-16 टीम अपना पहला मैच 10, 11 और 12 अप्रैल को हमीरपुर के खिलाफ बिलासपुर के लुहणु मैदान में खेलेगी। इसके अलावा मंडी टीम सोलन, लाहौल-स्पीति और हमीरपुर की टीमों के साथ भी अपने अन्य मुकाबले खेलेगी।

21 मार्च को मनाएंगे साहित्य उत्सव

अनंत ज्ञान, महादेव। जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी के मुताबिक देवता मेला समिति तथा सुकेत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद सुंदरनगर 21 मार्च को सार्ध विकास अधिकारी सुंदरनगर के सभागार में पूर्व की भांति इस बार भी साहित्य उत्सव मनाएंगे। पिछले कुछ वर्षों से मनाए जा रहे इस साहित्यिक उत्सव में इस बार भी भव्य आयोजन में दूर-दूर के कवि लेखक एवं साहित्यकार तय किए गए कार्यक्रमानुसार पहले सत्र में 'वर्तमान में साहित्य की भूमिका' विषय पर वार्ता होगी इसके साथ ही दूसरे सत्र में बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

8वीं कक्षा में प्रवेश के लिए 5 अप्रैल को परीक्षा

अनंत ज्ञान, बरोट। साईं इंटरनल फाउंडेशन के तत्वावधान में हिमालयन सेंटर फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट धर्मपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डॉक्टर विजय मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 8वीं कक्षा में प्रवेश हेतु 5 अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें लाहौल-स्पीति को छोड़कर अन्य जिलों के पात्र विद्यार्थी भाग ले सकेंगे, इसके लिए वही छात्र पात्र होंगे जिन्होंने आठवीं उत्तीर्ण की हो तथा जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 4.25 लाख रुपए से अधिक न हो, साथ ही 9वीं कक्षा में सीमित सीटों पर प्रवेश योग्यता के आधार पर दिया जाएगा, चयनित विद्यार्थियों को छात्रावास, वर्दी, पुस्तकें व भोजन सहित पूरी तरह निशुल्क शिक्षा दी जाएगी, जबकि अभ्यर्थियों को परीक्षा के दिन आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित समय पर केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

सहकारी सभा नेरचौक का अधिवेशन संपन्न

अनंत ज्ञान, मंडी। दी जनहित ऋण एवं बचत सहकारी सभा नेरचौक का वार्षिक अधिवेशन 50 से अधिक डेलिगेट्स की उपस्थिति में प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मंच संचालन सहायक प्रबंधक भावना राणा ने किया। सचिव कृष्ण चंद (सेवानिवृत्त प्रबंधक राज्य सहकारी बैंक) ने वार्षिक आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया तथा गत वर्षों की रिपोर्ट को भी स्वीकृति दी गई। सभा सचिव ने निदेशक मंडल से पारित 18 प्रस्ताव अधिवेशन में प्रस्तुत किए जिसको सभा सदस्यों ने ध्वनि मत से पारित किया। सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सभा सचिव ने समाधान किया। इस अवसर पर निदेशक डॉक्टर सीताराम वर्मा ने सभा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़े जमा करताओं को सम्मानित किया तथा उपस्थित सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सुकेत देवता मेले से पहले गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध को गुप्त भेंट

अनंत ज्ञान

◆ श्रद्धालु ने चढ़ाए छतरोड़ी और सूरज पखवा

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। राज्य स्तरीय सुकेत देवता मेला के लिए, सुंदरनगर प्रशासन से पहले मंगलवार को गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध के दर भक्तों की अगाध श्रद्धा का एक उदाहरण सामने आया है। देवता की यात्रा आरंभ होने से पहले उपमंडल करसोग के महोग क्षेत्र स्थित गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध के दरबार में एक भक्त द्वारा गुप्त भेंट अर्पित की गई है। इस दौरान श्रद्धालु ने देवता को छतरोड़ी और सूरज पखवा भेंट स्वरूप अर्पित किए हैं।

जानकारी के अनुसार यह भेंट पूरी श्रद्धा और परंपरा के अनुसार गुप्त रूप से की गई, जो देव संस्कृति में विशेष महत्व रखती है। गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध के कारदार टीसी ठाकुर ने बताया कि देवता को अर्पित की गई छतरोड़ी और सूरज पंखा न केवल धार्मिक परंपराओं का हिस्सा हैं, बल्कि देवता के प्रति सम्मान और भक्ति का प्रतीक भी माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि देवता की सुंदरनगर यात्रा के दौरान छतरोड़ी और सूरज पखवा साथ मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध महोग राजाओं के राज के समय के उपरांत लगभग 180 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अपने मूल स्थान से सुंदरनगर स्थित राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेले में भाग लेने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। देव रथ के साथ सैकड़ों देवलु और बजंत्री इस यात्रा में शामिल होंगे। इस अवसर पर गढ़पति श्री नाग च्वासी सिद्ध के कारदार और कमेटी ने देवता से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

नाली में मिला युवक का शव पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल धर्मपुर के तहत आने वाले गांव ख्वालग के पास एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नाली से बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान नीरज (30) पुत्र रघु राम, निवासी गांव ख्वालग, डाकघर लौंगनी, तहसील धर्मपुर, जिला मंडी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 16 मार्च को शाम करीब 4:57 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि ख्वालग के पास एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना धर्मपुर की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की आपराधिक आशंका सामने नहीं आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ने शराब का सेवन किया हुआ था और संभवतः सड़क किनारे नाली में गिरने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नेरचौक भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी धर्मपुर संजीव सूद ने बताया कि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

हाईकोर्ट ने सरसकान पंचायत प्रधान के खिलाफ फैसले पर लगाई रोक

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। सरकाघाट के धर्मपुर विकास खंड की सरसकान पंचायत के प्रधान उमेश ठाकुर को बड़ी राहत मिली है। उनके चुनाव को अवैध करार देने के फैसले पर उच्च न्यायालय ने रोक लगाते हुए संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। यह मामला उस चुनाव याचिका से जुड़ा है, जो हारे हुए प्रत्याशी द्वारा दायर की गई थी। आरोप था कि प्रधान ने भूमि नियमितीकरण के दौरान गलत जानकारी दी, लेकिन जांच में स्पष्ट हुआ कि उनका मकान निजी भूमि पर बना है और केवल मंदिर का एक छोटा हिस्सा ही सरकारी भूमि से जुड़ा पाया गया।

मामले में यह भी सामने आया कि शिकायत पत्र फर्जी था और संबंधित व्यक्ति ने इसे भेजने से इनकार किया। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जारी रही। प्रदेश उच्च न्यायालय के सीनियर एडवोकेट अजय चंदेल ने मामले की पुष्टि की है। वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार, एसडीएम पर राजनीतिक दबाव डालकर प्रधान के खिलाफ निर्णय लिया गया। आदेश लिखने और सुनवाई की प्रक्रिया पर भी सवाल उठे हैं, जिससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा हुआ। डीसी कोर्ट से राहत न मिलने पर प्रधान ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जहां तुरंत सुनवाई कर दोनों पूर्व फैसलों पर रोक लगा दी गई। इस फैसले से समर्थकों में खुशी की लहर है। उमेश ठाकुर ने इसे आम आदमी की न्यायपालिका में आस्था की जीत बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक षड्यंत्र के तहत उन्हें परेशान किया गया, लेकिन न्यायालय से उन्हें भरोसा मिला है।

उमेश ठाकुर ने कहा कि भ्रष्ट पंचायत प्रतिनिधियों पर शिकंजा कसा जाना चाहिए, लेकिन जनता की सेवा के लिए हर संभव प्रयास करने वाले प्रतिनिधियों को राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार बनाया जाना सर्वथा गलत है।

आभूषण प्रदर्शनी शुरू, 75 हजार की खरीद पर मिलेगा सोने का सिक्का

अनंत ज्ञान

◆ **जोगिंद्रनगर में 21 मार्च तक चलेगी प्रदर्शनी**

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर शहर में आज से आभूषणों की भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ हो गया है। यह प्रदर्शनी स्थानीय अंशदीप होटल में आयोजित की जा रही है, जो 18 से 21 मार्च तक चलेगी। प्रदर्शनी में शहर व आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए सोने, चांदी व डायमंड ज्वेलरी के नवीनतम और आकर्षक डिजाइनों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी के आयोजन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर आभूषणों का अवलोकन किया व खरीदारी में रुचि दिखाई। प्रदर्शनी में पारंपरिक आभूषणों के साथ-साथ आधुनिक ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए तैयार डिजाइनों को भी शामिल किया गया है, जो युवाओं और महिलाओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए वर्मा ज्वेलर्स सोलन के एग्जीबिशन मैनेजर शीश राम ठाकुर और वरुण गर्ग सीनियर सेल्स एक्सपर्ट ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य ग्राहकों को एक ही स्थान पर उच्च गुणवत्ता वाले आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में विशेष रूप से शादी व अन्य मांगलिक अवसरों के लिए उपयुक्त ज्वेलरी भी प्रदर्शित की गई है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रदर्शनी के दौरान विशेष ऑफर रखा गया है, जिसके तहत 75 हजार रुपए की खरीदारी करने पर ग्राहकों को सोने का सिक्का उपहार स्वरूप दिया जाएगा। इसके अलावा अन्य आकर्षक योजनाएं भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। संचालकों ने जोगिंद्रनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचें और इस विशेष अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रदर्शनी लोगों के लिए न केवल खरीदारी का बेहतर मौका साबित होगी, बल्कि उन्हें नवीनतम ज्वेलरी ट्रेंड्स से भी रूबरू कराएगी।

मंडी में रोजगार मेला 24 मार्च को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 24 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय मंडी द्वारा लघु रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला प्रातः 10:30 बजे मॉडल करियर सेंटर, खलियार में आयोजित होगा, जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां भाग लेकर 196 रिक्त पदों को भरेंगी। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि हीरो मोटर्स ई-वैली प्रा. लिमिटेड में 35 पद, सुपरवाइजर के 60 पद, सेल्स एग्जीक्यूटिव व सर्विस एडवाइजर के 17 पद, सेल्स ऑफिसर के 4 पद, एसिस्टेंट मैनेजर के 30 पद व तकनीकी श्रेणियों में 50 पदों के लिए साक्षात्कार होंगे। इन पदों के लिए 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व बीटेक योग्यता निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को लुधियाना, परवाणू, मोहाली, मंडी, कुल्लू, मनाली और हिमाचल के अन्य क्षेत्रों में तैनाती दी जाएगी। वेतन 12,500 से 36,500 रुपए तक निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्र, फोटो, आधार कार्ड और बायोडाटा सहित निर्धारित समय पर पहुंचकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

जोगिंद्रनगर के ज्योतिषियों को मिला विशेष सम्मान

चंडीगढ़ में ऊर्जा ज्योतिष प्रांगण सम्मान समारोह-2026 संपन्न

अनंत ज्ञान

सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर स्थित श्री शारदा ज्योतिष निकेतन के निदेशक एवं प्रख्यात हस्तरेखा विशेषज्ञ कैप्टन पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि चंडीगढ़ के सेक्टर-24 स्थित होटल पार्कव्यू में 'ऊर्जा ज्योतिष प्रांगण सम्मान समारोह-2026' का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में गुलाब चंद कटारिया उपस्थित रहे। उनके गरिमामयी व्यक्तित्व एवं सरल, शालीन स्वभाव का प्रभाव पूरे सभागार में देखने को मिला। कार्यक्रम में देशभर से ज्योतिष एवं आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े विद्वान, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष प्रांगण की अध्यक्ष पूनम शर्मा एवं उनके संगठन के कुशल नेतृत्व में किया गया। उनके मार्गदर्शन में समारोह सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसकी उपस्थित जनों ने सराहना की। समारोह के दौरान कैप्टन पंडित लेखराज शर्मा द्वारा मुख्यातिथि को शॉल से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान जोगिंद्रनगर के श्री शारदा ज्योतिष निकेतन से जुड़ी ज्योतिषविद विभा शर्मा व शीतल शर्मा को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया।

सरकाघाट की शीतल शर्मा को भी मिला सम्मान

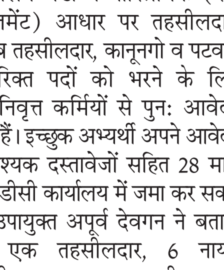

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट के लोअर डबरोग क्षेत्र की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या शीतल शर्मा को चंडीगढ़ में आयोजित 'ऊर्जा ज्योतिष प्रांगण सम्मान समारोह-2026' में उनके ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें गुलाब चंद कटारिया, जो वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ यूटी के प्रशासक हैं, द्वारा देश-विदेश से आए विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

धडोल और सराडा के लोगों के साथ पंचायत सचिव ने कर दिया 'खेला'

अनंत ज्ञान

◆ **नई पंचायत धडोल का प्रस्ताव जिला प्रशासन तक नहीं पहुंचाया**

◆ **700 वोटरों के साथ अन्याय, पंचायत सचिव पर कार्रवाई की मांग**

◆ **नोटिफिकेशन न होने पर खुली प्रशासनिक लापरवाही**

बालक राम, पंडोह। प्रदेश में नई पंचायतों के गठन की प्रक्रिया अंतिम दौर में है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को तेज करना है। मंडी जिला की पंडोह पंचायत में भी नई ग्राम सभा का गठन स्थानीय लोगों की उम्मीदों के साथ किया गया था, लेकिन अब यह मामला विवादों में आ गया है।

पंडोह पंचायत के स्थानीय निवासी—बालक राम, गोपाल ठाकुर, केवल कृष्णा, राधा, हरबंस लाल, रूप चंद, हरि सिंह ठाकुर, किशन चंद, परमा राम, टेक चंद, रमेश चंद, चित्र देव और रामेश्वरी सहित दर्जनों लोगों ने आरोप लगाया है कि नई पंचायत धडोल के गठन को लेकर उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि 26 जनवरी 2025 को ग्राम सभा में सर्वसम्मति से पंडोह पंचायत के विभाजन का प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव में धडोल को नई पंचायत बनाने और उसकी वार्ड सीमाएं तय करने का निर्णय लिया गया था, ताकि धडोल और सराडा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में समुचित विकास हो सके।

लोगों के अनुसार, जब सरकार ने नई पंचायतों की अधिसूचना जारी की, तब उन्होंने पंचायत घर पंडोह में जाकर जानकारी ली। जांच में सामने आया कि धडोल पंचायत का प्रस्ताव उपायुक्त मंडी को भेजा ही नहीं गया। इससे स्पष्ट हुआ कि यह प्रस्ताव पंचायत रजिस्टर तक ही सीमित रह गया या जानबूझकर दबा दिया गया।

तत्कालीन पंचायत सचिव ने सफाई देते हुए कहा कि लोग उनके पास प्रस्ताव लेकर नहीं आए, इसलिए इसे आगे नहीं भेजा गया। उन्होंने अपने तबादले का भी हवाला दिया। वहीं, निवर्तमान प्रधान गीता देवी ने कहा कि प्रस्ताव पारित करना पंचायत का कार्य था, जबकि उसे आगे भेजना सचिव की जिम्मेदारी होती है।

ग्रामीणों ने जिला पंचायत अधिकारी से शिकायत कर संबंधित सचिव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। समाजसेवी बीआर भाटिया ने इसे जनता के साथ धोखा बताते हुए कहा कि पंचायत सचिव का दायित्व है कि वह ऐसे प्रस्तावों को समय पर संबंधित विभागों तक पहुंचाए।

जिला पंचायत अधिकारी अर्चित डोगरा ने बताया कि उन्हें इस मामले में शिकायत मिली है और इसकी जांच की जाएगी।

अनदेखी **हिमाचल बीएड बेरोजगार यूनियन ने सरकार से टीजीटी भर्ती की उठाई मांग**

स्कूलों में टीजीटी शिक्षकों के सैकड़ों पद खाली

अनंत ज्ञान

बालक राम, पंडोह। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में टीजीटी के सैकड़ों पद खाली चल रहे हैं। जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, प्रभावित हो रही है। जबकि हजारों ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश बीएड बेरोजगार यूनियन ने मांग करते हुए कहा कि सरकार अतिशीघ्र समस्त सरकारी स्कूलों में खाली टीजीटी पदों को भरना चाहिए। जिससे हमारी शिक्षा व्यवस्था में निखार आयेगा। देश का भावी भविष्य भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हुए देश की विकास गति में तेजी लाने में सहायक होगा। इससे विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के स्कूलों में पढ़ने वाले ग्रामीण बच्चों को उनके घर-द्वार मे शिक्षा मिल सकेगी। जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता में निखार आयेगा। इस गंभीर मुद्दे पर यूनियन के अध्यक्ष राजेश गौतम तथा महासचिव भूपेंद्र पाल ने कहा कि भर्ती नियमों में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद भी भर्ती प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है, जिससे एक ओर विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और दूसरी ओर पात्र व योग्य युवा लंबे समय से बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं।

टीजीटी के रिक्त पदों का तुरंत हो आकलन

यूनियन ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तथा शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से इस मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि प्रदेश के स्कूलों में टीजीटी के रिक्त पदों का तुरंत आकलन किया जाए और आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले 50 प्रतिशत बैच वाइज भर्ती प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से शुरू किया जाए, ताकि स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जा सके और बच्चों की पढ़ाई बाधित ना हो सके।

1200 पद खाली, मार्च में बढ़ जाएगी संख्या

यूनियन के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में टीजीटी के लगभग 1200 पद पहले से खाली हैं, जबकि मार्च माह में करीब 1600 शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने के बाद यह संख्या और भी बढ़ जाएगी और पूरे प्रदेश में लगभग 1700 से अधिक पद रिक्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आगामी शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले बैच वाइज भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है तो इससे हजारों बेरोजगार युवाओं को राहत मिलेगी और स्कूलों में पढ़ाई का वातावरण भी बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के नियमों के अंतर्गत टीजीटी भर्ती में 50 प्रतिशत पद बैच वाइज और 50 प्रतिशत पद राज्य चयन आयोग के माध्यम से भरने का प्रावधान है। लेकिन लंबे समय से बैच वाइज भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, जिस कारण हजारों पात्र अभ्यर्थियों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ रहा है और कई अभ्यर्थी आयु सीमा पार करने की कगार तक पहुंच चुके हैं। यूनियन अध्यक्ष राजेश गौतम और महासचिव भूपेंद्र पाल ने कहा कि 'जब तक विद्यार्थियों को संबंधित विषय का विशेषज्ञ अध्यापक नहीं मिलेगा, तब तक शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। यह विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है।' उन्होंने कहा कि यदि समय रहते भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर इसका दूरगामी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि मार्च माह के बाद बड़ी संख्या में शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने से स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी हो जायेगी और समस्या और अधिक गंभीर हो जाएगी। जिससे नए शैक्षणिक सत्र में पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है।

पारिश्रमिक आधार पर तहसीलदार, पटवारी पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। उपायुक्त कार्यालय मंडी ने पारिश्रमिक (री-एंगेजमेंट) आधार पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो व पटवारी के रिक्त पदों को भरने के लिए सेवानिवृत्त कर्मियों से पुन: आवेदन मांगे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित 28 मार्च तक डीसी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि एक तहसीलदार, 6 नायब तहसीलदार व 117 पटवारी पद भरे जाएंगे। आवेदक ने प्रदेश राजस्व विभाग में कम से कम पांच वर्ष सेवाएं दी हों व उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक मामला लंबित न हो। आयु सीमा 1 जनवरी को 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को तहसीलदार के लिए 70 हजार, नायब तहसीलदार के लिए 60 हजार व पटवारी के लिए 40 हजार प्रतिमाह पारिश्रमिक मिलेगा। तैनाती जिले में कहीं भी की जा सकती है, लेकिन गृह क्षेत्र में नहीं। री-एंगेजमेंट प्रारंभ में तीन माह के लिए होगा, जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जा सकता है। यह नियुक्ति पूर्णत: अस्थायी होगी व प्रदर्शन पर समाप्त की जा सकती है।

भव्य शोभायात्रा व ऐतिहासिक परंपराओं के साथ नलवाड़ी मेले का रंगारंग आगाज

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। बिलासपुर के ऐतिहासिक लुहणू मैदान में राज्य स्तरीय प्रसिद्ध नलवाड़ी मेले का शुभारंभ पारंपरिक 'खूंटा गाड़ना' व बैल पूजन की रस्म के साथ पूरे उत्साह और उल्लास के बीच किया गया। सदियों पुरानी इस परंपरा के जीवंत होते ही पूरा माहौल लोक संस्कृति और आस्था के रंग में रंग गया।

मेले के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने सबसे पहले लक्ष्मी नारायण मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और मेले की सफलता की कामना की। इसके बाद मंदिर परिसर से लुहणू मैदान तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। शोभायात्रा में विभिन्न सांस्कृतिक दलों, स्कूली बच्चों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया। रंग-बिरंगी झांकियां, ढोल-नगाड़ों की गूंज व हिमाचली लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया।

खूंटा गाड़ने से पहले पूजन करते मुख्यातिथि धर्माणी। अनंत ज्ञान

शहरवासियों ने जगह-जगह इस शोभायात्रा का स्वागत किया व बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। लुहणू मैदान पहुंचने पर पारंपरिक 'खूंटा गाड़ना' व बैल पूजन की रस्म अदा की गई, जो नलवाड़ी मेले की ऐतिहासिक पहचान मानी जाती है। इस रस्म के साथ ही मेले का विधिवत आगाज हुआ। इसके उपरांत मुख्यातिथि ने विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों व स्थानीय कारीगरों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का उद्घाटन कर उनका अवलोकन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि नलवाड़ी मेला केवल एक पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि बिलासपुर की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है, जो वर्षों से लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले हमारी लोक परंपराओं, संस्कृति और आपसी भाईचारे को सशक्त करने का माध्यम हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझें और उसे आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मेलों और उत्सवों को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि इन्हें स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों को मंच देने का माध्यम बना रही है।

उन्होंने प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, जिसे प्रशासन ने बखूबी निभाया है। यह मेला 23 मार्च तक चलेगा, जिसमें सांस्कृतिक संध्याओं, व्यापारिक गतिविधियों, पशु प्रतियोगिताओं और कृषि से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अंजना धीमान, पूर्व विधायक तिलक राज शर्मा, पूर्व कांग्रेस महासचिव विवेक कुमार, मेला समिति के अध्यक्ष एवं उपायुक्त राहुल कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप धवल, एडीसी ओमकांत ठाकुर, एएसपी शिव चौधरी, डीएसपी मुख्यालय मदन धीमान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

झलेड़ा में मारुति सुजुकी शोरूम में भीषण आग, लाखों का नुकसान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जिला मुख्यालय के झलेड़ा स्थित मारुति सुजुकी के शोरूम में मंगलवार तड़के अचानक भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया।

आग इतनी विकराल थी कि शोरूम का एक बड़ा हिस्सा जलकर राख हो गया, जबकि रिपेयर के लिए आई एक गाड़ी भी इसकी चपेट में आकर नष्ट हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि, शॉर्ट सर्किट को संभावित वजह माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं व राहत व बचाव कार्य शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए करीब एक दर्जन दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाना पड़ा। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी सहयोग करते हुए शोरूम के अंदर खड़ी नई गाड़ियों व जरूरी दस्तावेजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। गनीमत यह रही कि घटना के समय शोरूम में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लेकर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने भी नुकसान के आकलन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दमकल विभाग ऊना के प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही तीन दमकल गाड़ियों और करीब 30 सदस्यीय टीम के साथ मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि आग काफी फैल चुकी थी, ऐसे में सबसे पहले शोरूम के बाहर खड़ी गाड़ियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इसके बाद लगातार प्रयास कर आग पर काबू पाया गया।

सर्वाइकल कैंसर बचाव के लिए टीकाकरण अभियान 29 मार्च से

अनंत ज्ञान, ऊना। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऊना संजीव कुमार वर्मा ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य एवं कल्याण विभाग द्वारा जिला ऊना में सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय के मुंह के कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 29 मार्च, 5 अप्रैल व 12 अप्रैल रविवार के दिन जिले के 27 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण किया जाएगा। यह टीका भारत सरकार द्वारा 14 से 15 वर्ष आयु की बालिकाओं को इस कैंसर के बचाव के लिए लगाया जा रहा है। इसकी एक खुराक लंबे समय तक इम्युनिटी प्रदान करने के लिए सक्षम है। यह टीका कैंसर पैदा करने वाले वायरस से सुरक्षा प्रदान करता है तथा पूर्णतया प्रभावशाली और सुरक्षित है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की है कि इस टीकाकरण को लेकर किसी प्रकार की भ्रांतियों में न आएं व बच्चियों का भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए बढ़-चढ़कर आगे आएं।

नलवाड़ी मेले से कांग्रेसी नेता बंबर ने किया किनारा, उठाए कई सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक बंबर ठाकुर ने मेले से दूरी बनाने का ऐलान कर दिया है।

उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान इस फैसले की जानकारी देते हुए मेले की व्यवस्थाओं व स्वरूप पर गंभीर सवाल खड़े किए। बंबर ठाकुर ने कहा कि यदि राज्य स्तरीय मेलों में आम लोगों का शोषण हो, महंगे दामों पर सामान बेचा जाए व छोटे व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डाला जाए, तो ऐसे आयोजन का हिस्सा बनने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि मेले के संचालन के लिए बनाई गई कमेटियों में पारदर्शिता की कमी है और निर्णय मनमर्जी से लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से नलवाड़ी मेला पशुधन पर आधारित रहा है, जिसमें बैल, गाय, भेड़-बकरियों की प्रतियोगिताएं होती थीं व बेहतर पशुपालकों को सम्मानित किया जाता था, लेकिन अब इस परंपरा को दरकिनार कर डॉग शो जैसे आयोजन शामिल किए जा रहे हैं, जो मेले की मूल भावना के विपरीत है। बंबर ठाकुर ने रहेडी-फड़ी लगाने वाले छोटे व्यापारियों से वसूले जा रहे शुल्क पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब मेला स्थल करोड़ों रुपए में दिया गया है, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा व उन्हें महंगे दामों पर सामान खरीदना पड़ेगा। महिला मंडलों के मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने बताया कि करीब 80 महिला मंडलों के प्रतिनिधियों ने उनसे संपर्क कर अपनी नाराजगी जताई है।

उनका कहना है कि प्रस्तुति के लिए दिया जाने वाला मानदेय बेहद कम है, जिससे उनका खर्च भी पूरा नहीं हो पा रहा। ठाकुर ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को पहले भी उठाया, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया।

एमसी में पीएम आवास योजना के तहत आईईसी कार्यशाला का आयोजन

लाभार्थियों को 2.5 लाख रुपए तक आर्थिक सहायता का लाभ

अनंत ज्ञान

◆ पेंपलेट वितरण कर योजना के प्रचार-प्रसार की अपील

ऊना। नगर निगम ऊना द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत एकदिवसीय आईईसी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में निगम क्षेत्र के फील्ड फंक्शनरीज, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, योजना के लाभार्थी और स्थानीय लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि फील्ड फंक्शनरीज का सीधा संपर्क आम जनता से होता है, इसलिए वे योजना की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं, ताकि अंतिम लाभार्थी तक इसका लाभ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि योजना के तहत कमजोर और संवेदनशील समूहों, आर्थिक रूप से कमजोर या निम्न आय वर्ग के पात्र परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है। पात्र लाभार्थियों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, विधवाएं, एकल महिलाएं, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति एवं जनजाति और अल्पसंख्यक वर्ग शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को 2.5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता चार किस्तों में प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में सिविल इंजिनियर (अर्बन प्लानर) आदित्य पाठक ने योजना की पात्रता व आवेदन प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पति, पत्नी व अविवाहित बच्चों को एक परिवार माना जाता है, ऐसे परिवार जिनके पास कहीं भी पक्का मकान नहीं है, वे कच्चे अथवा असमुचित आवास में रहते हैं, वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक है और शहरी क्षेत्र में स्वयं की भूमि उपलब्ध है, वे पात्र हैं। आवेदन यूनिफाइड वेब पोर्टल या निकटतम लोकमित्र केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। अर्बन प्लानर अंजू सोनी ने सुरक्षित भवन निर्माण पद्धतियों और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी दी। पीएनबी आर-सेटी ऊना के निदेशक सुधीर शर्मा ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा ने पंजीकृत श्रमिकों को अतिरिक्त 1.5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। फूड सेफ्टी अधिकारी साक्षी शर्मा ने खाद्य व्यवसाय से जुड़े लोगों के पंजीकरण और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। सामाजिक विकास विशेषज्ञ मनोज कौशिक ने पेंपलेट वितरण कर योजना के प्रचार-प्रसार की अपील की। इस अवसर पर बिजली, लेबर वेलफेयर, फूड सेफ्टी विभाग और पीएनबी ऊना के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बल्ह में ट्रैक्टर हादसा, पूर्व विधायक भुट्टो ने दिखाई इंसानियत की मिसाल

अनंत ज्ञान

बंगाणा। बंगाणा उपमंडल के थानाकलां-भाखड़ा सड़क मार्ग पर बल्ह मोड़ के पास एक बड़ा हादसा टल गया, जब निर्माण सामग्री से लदा ट्रैक्टर तीखी चढ़ाई चढ़ते समय अनियंत्रित होकर पलट गया।

इस घटना में चालक बाल-बाल बच गया। संयोगवश उसी समय वहां से गुजर रहे दविंदर कुमार भुट्टो ने तुरंत गाड़ी रोककर राहत कार्य संभाला। उन्होंने चालक को सुरक्षित स्थान पर बैठाया, पानी पिलाया व उसकी स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने क्रेन की व्यवस्था कर ट्रैक्टर को सीधा करवाया। भुट्टो करीब डेढ़ घंटे तक मौके पर मौजूद रहे और सुनिश्चित किया कि चालक सुरक्षित है। स्थानीय लोगों के अनुसार भुट्टो का यह मानवीय व्यवहार नया नहीं है। वे पहले भी कई सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद कर चुके हैं व उन्हें अस्पताल पहुंचाने या आर्थिक सहायता देने में सक्रिय रहे हैं। बल्ह में इस घटना के बाद उन्होंने पीड़ित चालक को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। भुट्टो ने कहा कि संकट की घड़ी में मानवता सबसे बड़ा धर्म है और हर व्यक्ति को जरूरतमंद की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी फैलते ही लोगों ने दविंदर कुमार भुट्टो की सराहना की और इसे इंसानियत की मिसाल बताया। कई लोगों ने लिखा कि ऐसे जनप्रतिनिधि समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं।

ग्रामीणों को निरोग रहने के उपाय बताए

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के तहत ग्राम पंचायत नाहरी देवी सिंह के तहत गांव खड़ोल में मंगलवार को स्वास्थ्य केंद्र परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान योगा डॉक्टर सुनील, ट्रेनर उदय उपमन्यु व शुभलता ने ग्रामीणों को विभिन्न योगासन व प्राणायाम का अभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को बताया कि नियमित योग अभ्यास से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है। उन्होंने कहा कि योग से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है व जीवनशैली में सुधार लाकर निरोग जीवन जिया जा सकता है। शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने व संतुलित दिनचर्या अपनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों ने ऐसे आयोजनों को समय-समय पर आयोजित करने की मांग भी की।

कोच शाम लाल अंतरराष्ट्रीय क्याकिंग व कैनोइंग प्रतियोगिता के लिए चयनित

अनंत ज्ञान

बंगाणा। हिमाचल प्रदेश की फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव खटियाल के शाम लाल चौधरी पुत्र प्यार चंद को अंतरराष्ट्रीय क्याकिंग व कैनोइंग खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है, जो फतेहपुर विधानसभा सहित हिमाचल प्रदेश के लिए बड़े गर्व की बात है।

भारत के चुनिंदा राज्यों से बेहतरीन खेल कोचों के चयन की प्रक्रिया में हिमाचल प्रदेश के शाम लाल ने अपनी जगह बनाकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। शाम लाल, जो कयाकिंग एंड कैनोइंग खेल के विशेषज्ञ हैं, उन गिने-चुने कोचों में शामिल हैं जिनमें इंडियन आर्मी और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रशिक्षकों को प्राथमिकता दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस चयन से हिमाचल प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स, विशेषकर कयाकिंग एवं कैनोइंग को नई दिशा मिलेगी। नई तकनीक और अत्याधुनिक उपकरणों के समावेश से प्रदेश के खिलाड़ियों को अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ विकसित होने का बल मिलेगा। खेल प्रेमियों ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि वे इस रोमांचक खेल को प्राथमिकता सूची में रखें। वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन सही प्रशिक्षण और प्रदर्शन के अवसरों के अभाव में खिलाड़ी पिछड़ रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हिमाचल के पास लगभग 35 से 40 अनुभवी कोच मौजूद हैं। प्रदेश के कोच बाहरी राज्यों की टीमों को प्रशिक्षण देकर उन्हें मेडल दिला रहे हैं। स्वयं हिमाचल राज्य के पास कयाकिंग एंड कैनोइंग के लिए स्थायी कोचों की भारी कमी बनी हुई है। हिमाचल में न खिलाड़ियों की कमी है, न ही योग्य कोचों की।

सीएम के फैसले से 'मित्र मंडली' नैरेटिव को करारा जवाब: सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। कांग्रेस के पूर्व मीडिया कॉर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए लिए जा रहे फैसलों को जनता हित में साहसिक व दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद होने और ऋण सीमा पर पाबंदियों के बावजूद कैबिनेट रैंक वापसी व 20 प्रतिशत वेतन कटौती का निर्णय प्रदेश की आर्थिकी मजबूत करने में महत्वपूर्ण है। सांख्यान ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कठिन परिस्थितियों में भी जनहित में कड़े फैसले लेने का साहस दिखाया है। यह निर्णय केवल खर्चों में कटौती नहीं करता, बल्कि पूरे देश को यह संदेश देता है कि राजनीति में जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा जनता के हित को प्राथमिकता देती रही है और यह निर्णय उसी सोच का परिणाम है।

सुविधा | मुकेश अग्निहोत्री-पेयजल जैसी महत्वपूर्ण सेवा को सुदृढ़ करना राज्य सरकार की प्राथमिकता

पेयजल योजना रक्कड़ कॉलोनी का किया लोकार्पण

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को गांव रक्कड़ की कृष्णा कॉलोनी में पेयजल योजना रक्कड़ कॉलोनी का लोकार्पण किया। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) वित्तापोषित हिमाचल प्रदेश ग्रामीण पेयजल सुधार व आजीविका परियोजना के अंतर्गत 6 करोड़ 10 लाख रुपए से निर्मित इस योजना से क्षेत्र के 10 हजार की आबादी को पेयजल सुविधा मिलेगी।

इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है व पेयजल जैसी महत्वपूर्ण सेवा को सुदृढ़ करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि एडीबी के तहत जिला ऊना में 124 करोड़ रुपए की धनराशि से 19 पेयजल योजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जिनमें से 16 लगभग तैयार हो चुकी हैं। इसके अंतर्गत 62 वाटर टैंक निर्मित करके 254 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई हैं। उन्होंने बताया कि अब गगरेट विस क्षेत्र की पेयजल योजनाएं पूरा होना शेष है, जिन्हें जल्द पूरा करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उठाऊ पेयजल योजना का लोकार्पण करते मुकेश अग्निहोत्री साथ में विधायक सतपाल सत्ती, सतपाल रायजादा व अन्य। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि एडीबी के तहत 17 करोड़ रुपए से ऊना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्वीकृत देहलां, बनगढ़ व रक्कड़ कालोनी की तीनों पेयजल योजनाओं को पूरा कर लोगों को समर्पित कर दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के पूर्ण होने के उपरांत ठेकेदार को भी आगाह करें कि योजना के संचालन में लोगों की संतुष्टि भी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की कमी को दूर किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने रक्कड कालोनी क्षेत्र की सीवरेज और जलनिकासी की समस्या पर कहा कि अब यह क्षेत्र अभी-अभी नगर निगम ऊना के अधीन आया है तथा नगर निगम को पूर्ण आकार लेने के लिए कुछ समय लगेगा व आने वाले समय में नगर निगम की जरूरतों के मुताबिक इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर ऊना विस क्षेत्र के विधायक सतपाल सत्ती ने पेयजल योजना के लोकार्पण के लिए उपमुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया व कहा कि जिला ऊना की राजनीति में मुकेश अग्निहोत्री एक महत्वपूर्ण चेहरा हैं व अपेक्षा की कि उनके निरंतर प्रयास से जिले को विकास की नई उंचाइयां हासिल होंगी। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता जलशक्ति परियोजना धर्मेंद्र गिल ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा विभाग की परियोजनाओं बारे जानकारी साझा की। मौके पर ऊना विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, मुख्य अभियंता हेमंत तनवर, अधीक्षण अभियंता नरेश धीमान सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

हरोली के विकास में एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र के रूप में एक नया अध्याय जुड़ा: अग्निहोत्री

अनंत ज्ञान

ऊना। पालकवाह में हिमाचल प्रदेश सेंटर ऑफ डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस एंड रेजीलियेंस कार्यालय का संचालन हरोली विधानसभा क्षेत्र के विकास में एक नया अध्याय जुड़ा है। यह बात उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कौशल विकास केंद्र पालकवाह में सेंटर ऑफ डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस एण्ड रेजिलियेंस कार्यालय के लोकार्पण के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि इस कार्यालय के माध्यम से भूकंप, बाढ़, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ मानवजनित आपदाओं के दौरान त्वरित बचाव, राहत एवं प्राथमिक चिकित्सा के लिए जवानों और नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें आधुनिक बचाव तकनीक, चिकित्सा प्रशिक्षण (सीपीआर) और मॉक ड्रिल शामिल हैं। इससे ज़िला ऊना व इसके आस-पास के जिलों को भी लाभ होगा। इसके उपरांत कौशल विकास केंद्र पालकवाह के ऑडिटोरियम में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल द्वारा मंगलवार को एकदिवसीय आपदा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने करते हुए कहा कि कभी बरसात में ऊना के लिए स्वां नदी प्राकृतिक आपदा का मुख्य कारण रही है। जिला ऊना में 1500 करोड़ की धनराशि व्यय करके स्वां नदी व इसकी सहायक खड्डों का तटीयकरण किया गया। इसमें 922 करोड़ रुपए से हरोली विस क्षेत्र के घालूवाल से बाथड़ी तक स्वां नदी का चौनलाइजेशन शामिल है। इससे न सिर्फ नदी के प्रकोप पर रोक लगी बल्कि हजारों एकड़ भूमि भी रिक्लेम करके आज उसी स्थान पर फसलें लहलहा रही हैं। उन्होंने कहा कि कमांडेंट जनरल होमगार्ड एवं नागरिक सतवंत अटवाल से प्रेरित होकर आज बच्चियों में पुलिस में सेवा करने का जज्बा पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार भी बेटियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ मजबूती से डटी हुई है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान कहा कि आप इस कार्यक्रम में बच्चों को न केवल प्रशिक्षित करें, बल्कि उनमें साहस, आत्मविश्वास और चुनौतियों का सामना करने का भी जज्बा भरकर जाएं ताकि भविष्य में दुनिया की हर कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना कर सकें।

न्यूज ब्रीफ

एआई से प्रश्नपत्र निर्माण, लेसन प्लान के तरीके बताए

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों के लिए एक विशेष शैक्षणिक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स के उपयोग पर चर्चा हुई। अवर्तन पब्लिकेशन से आए विशेषज्ञ प्रतीक अरोड़ा ने शिक्षकों को एआई के माध्यम से प्रश्नपत्र निर्माण, लेसन प्लान, क्विज तैयार करने और छात्रों के प्रदर्शन विश्लेषण के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि एआई से शिक्षण अधिक सरल, रोचक और प्रभावी बन सकता है। प्रधानाचार्य प्रवेश चंदेल ने कहा कि डिजिटल युग में शिक्षकों का तकनीकी रूप से सशक्त होना आवश्यक है। सेमिनार में सभी शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

ट्रस्ट की बैठक में विकास कार्यों पर मंथन

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। बाबा कल्याण दास ट्रस्ट की बैठक हनुमान टिल्ला में अध्यक्ष राम लाल ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वृंदावन, हरिद्वार, नैमिसारण, सोलग आश्रम व कांगनी मंदिर के रखरखाव और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं देने और धार्मिक गतिविधियों को सुचारू बनाने पर चर्चा हुई। ट्रस्ट ने रंग में बाबा कल्याण दास जी महाराज की पुण्यतिथि 25 अप्रैल को मनाने और 19-25 अप्रैल 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा आयोजित करने का निर्णय लिया। सोशल मीडिया पर फोटो एडिट कर पोस्ट करने पर आपत्ति जताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। यह जानकारी सुरेंद्र मिन्हास ने दी।

बीडीटीएस महाधिवेशन में समस्याओं पर हुई चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बरमाना में सीमेंट ढुलाई से जुड़े ट्रक ऑपरेटरों के बीडीटीएस महाधिवेशन में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। सरदार हरविंदर सिंह ने 2032 ऑपरेटरों की ओर से ड्राइवरों के लिए अनिवार्य आई-कार्ड और सख्त नियम बनाने की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि चालक बिना सूचना काम छोड़ देते हैं, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। यूनियन के प्रधान नीलम चंदेल ने आश्वासन दिया कि नियम तोड़ने वाले चालकों को सहायता राशि नहीं दी जाएगी। बैठक में सहायता राशि बढ़ाने के निर्णय का भी स्वागत किया गया। ऑपरेटरों ने समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।

प्रशिक्षण शिविर में आधुनिक विषयों पर दिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, नयना देवी। श्री नयना देवी मंदिर में भाजपा द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा विधायक व प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि पार्टी पूरे देश में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण महाअभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत राष्ट्रीय स्तर से लेकर मंडल स्तर तक कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्री नयना देवी में भी अपर मंडल भाजपा का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। रणधीर शर्मा ने बताया कि इन प्रशिक्षण शिविरों का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक, राजनीतिक, सामाजिक और डिजिटल बातों के साथ-साथ सोशल मीडिया व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों पर प्रशिक्षित करना है, ताकि वे बदलते समय के अनुरूप खुद को ढाल सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं, जब कार्यकर्ता मजबूत और जागरूक होते हैं, तो पार्टी और संगठन भी स्वाभाविक रूप से मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा, जो आज देश की सबसे बड़ी पार्टी है, उसके उत्थान में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का विशेष योगदान रहा है।

बुजुर्गों को मिला वरिष्ठ नागरिक सुविधा व संवाद कक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। कल्याण भवन में 'वरिष्ठ नागरिक सुविधा व संवाद कक्ष' का उद्घाटन सोमवार को वरिष्ठ नागरिकों द्वारा किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य इंटरजेनरेशन बॉन्डिंग (पीढ़ियों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना) को बढ़ावा देना है। इस कक्ष में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें चेस, कैरम बोर्ड जैसी इंडोर गेम के साथ-साथ पुस्तकें, स्टोरी बुक्स, नॉवेल्स आदि शामिल हैं, ताकि वे अपने खाली समय का सदुपयोग कर सकें व आपसी संवाद को बढ़ावा मिल सके। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने विचार भी साझा किए। इस पहल से बुजुर्गों और युवाओं/बच्चों के बीच आपसी समझ व संबंधों को और अधिक मजबूत करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी ने भी उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने खाली समय में इस कक्ष का उपयोग कर सकते हैं और यहां उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हुए आपसी संवाद व सहभागिता को बढ़ावा दे सकते हैं। कार्यक्रम में 70 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

मिनर्वा स्कूल में अब आर्ट्स व कॉमर्स की पढ़ाई भी

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल करते हुए अब विज्ञान के साथ-साथ कला व वाणिज्य संकाय की कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। पिछले 26 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा यह संस्थान क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब एक ही छत के नीचे विभिन्न विषयों के विकल्प उपलब्ध करवाएगा। संस्थान के संयोजक व प्रिंसिपल परवेश चंदेल ने बताया कि यह फैसला अभिभावकों व विद्यार्थियों की मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए संकायों के विद्यार्थी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय का उद्देश्य छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार बेहतर शिक्षा प्रदान करना है।

एआई के दौर में फोटोग्राफरों को अपडेट रहना जरूरी

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं में संगम डिजिटल स्टूडियो व सोनी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की गई। संचालक अंशुल कुमार ने एआई के दौर में फोटोग्राफरों को अपडेट रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। सोनी के विशेषज्ञ रोहित गौतम ने प्रतिभागियों को सोनी अल्फा 7वीं कैमरे की एडवांस तकनीकों और फोटोग्राफी की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया।

जुखाला कॉलेज के स्वयंसेवियों ने परिसर को संवारा

अनंत ज्ञान, बरमाना। राजकीय महाविद्यालय जुखाला में एनएसएस इकाई ने एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाकर महाविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार और आसपास के क्षेत्र की सफाई की।

निजी बसों की मनमानी पर टैक्सी यूनियन का हल्ला बोल

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। शाहतलाई स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर की तपोभूमि में चैत्र मेले के दौरान बिना समय-सारिणी चल रही निजी बसों के खिलाफ टैक्सी यूनियन ने मोर्चा खोल दिया है। बाबा बालक नाथ टैक्सी यूनियन तलाई के सदस्यों ने एसडीपीओ घुमारवीं विशाल वर्मा को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की। यूनियन का आरोप है कि निजी बसें निर्धारित रूट छोड़कर मनमाने ढंग से शाहतलाई से दियोटसिद्ध तक चल रही हैं, जिससे स्थानीय टैक्सी चालकों का कारोबार पूरी तरह प्रभावित हो गया है। उन्होंने कहा कि मेला बैठक में तय नियमों के बावजूद न तो रूट फॉलो हो रहा है और न ही बसों का तय ठहराव किया जा रहा है। चालकों का कहना है कि हिमाचल पथ परिवहन निगम की स्पेशल बसें भी बिना ठहराव लगातार चलाई जा रही हैं, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि मेला बैठक के निर्णयों को तुरंत लागू नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। इस पर एसडीपीओ विशाल वर्मा ने शिकायत की पुष्टि करते हुए कहा कि बिना रूट परमिट चल रही बसों के खिलाफ जल्द कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बस रूट बदलने से ग्रामीण परेशान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। एचआरटीसी की घुमारवीं-जाहू वाया बेला मटयाल बस सेवा के रूट में बदलाव से ग्रामीणों में रोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस को वाया केंट बाह करने से पंचायत पटेर और लंझता के लोगों, खासकर विद्यार्थियों व कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व प्रधान सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि बिना सूचना रूट बदलना ग्रामीणों के साथ अन्याय है। उन्होंने प्रशासन से पुराने रूट की बहाली की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जल्द समाधान न होने पर वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

3000 भगवा झंडे लगाने का अभियान शुरू

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं में हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में संवेदना संस्था ने पूरे शहर में लगभग 3000 भगवा झंडे लगाने का अभियान शुरू किया है। संस्था के अध्यक्ष विशाल नड्डा सहित पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज में एकता और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मुख्य चौकों, बाजारों, मंदिरों व प्रमुख मार्गों पर झंडे लगाए जा रहे हैं, जिसमें स्थानीय युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। संस्था ने आम लोगों से भी इस पहल में जुड़ने की अपील की है, ताकि हिंदू नववर्ष को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा सके।

बर्फ के आगोश में लाहौल, ग्लेशियर की मिली संजीवनी

बारिश-बर्फबारी की थमी रफ्तार, धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा कुल्लू व लाहौल-स्पीति का जनजीवन

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग। कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में बारिश व बर्फबारी की रफ्तार थम गई है, ऐसे में अब दोनों जिलों में जनजीवन भी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है।

लाहौल घाटी पूरी तरह से बर्फ की सफेद चांदी के आगोश में लिपट गई है। मार्च माह में प्रकृति के इस श्रृंगार से जहां जिला के किसान-बागवानों के चेहरे खिल उठे हैं। वहीं, बर्फबारी से जलस्रोतों व ग्लेशियर को संजीवनी मिली है। उधर, कुल्लू जिले में हालांकि बारिश व बर्फबारी पर्यटन कारोबारियों व किसान-बागवानों के लिए आशा की किरण बनकर आई है, जबकि बर्फबारी से कुछ बागवानों को नुकसान भी हुआ है। जिले के विभिन्न पर्यटन स्थल बर्फ की सफेद चादर ओढ़े हुए हैं और पर्यटकों का इन्तजार कर रहे हैं। हालांकि, मंगलवार को रेस्क्यू अभियान के चलते मंगलवार को पर्यटकों के लिए स्नो प्वाइंट बंद रहे। पर्यटकों को मनाली के निकटवर्ती पर्यटन स्थल नेहरूकुंड तक भेजा गया। बीआरओ ने सड़क बहाली के चलते

बर्फ की सफेद चादर में लिपटी लाहौल घाटी। अनंत ज्ञान

वाहनों की आवाजाही बंद करवाई थी। सभी फंसे पर्यटक वाहन निकाल लिए हैं, लेकिन मौसम विभाग के पूर्वानुमान के चलते पर्यटकों को बुधवार को भी सोलंगनाला से आगे नहीं भेजा जाएगा। हालांकि, मनाली आने वाला हर पर्यटक बर्फ के फाहों को देखना चाहता है, लेकिन हिमपात के समय हर वाहन सुरक्षित नहीं होता। फोर बाई फोर वाहन व स्नो चैन लगे वाहन ही सुरक्षित होते हैं, लेकिन बाहरी राज्यों से आने वाले अधिकतर पर्यटक इन बातों को नहीं समझते, बल्कि इसका नकारात्मक अर्थ निकालते हैं वो समझते हैं कि प्रशासन व स्थानीय लोग कमाई के चक्र में उन्हें बेवकूफ बना रहे हैं। इस कारण वे अपने वाहन ही ले जाते हैं और इस विपरीत परिस्थितियों से घिर जाते हैं। उधर, कुल्लू में 11 सड़कें बाधित व 422 डीटीआर प्रभावित हैं, जबकि मनाली-केलांग सड़क मार्ग को बहाल कर दिया है और लाहौल के अन्य संपर्क मार्गों को भी बहाल किया जा रहा है।

एसडीएम मनाली रमण कुमार शर्मा ने कहा कि 18 व 19 मार्च को ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए वाहनों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि स्नो प्वाइंटों पर पर्यटकों की आवाजाही मौसम पर निर्भर रहेगी। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई ताजा बर्फबारी के कारण अटल टनल के एप्रोच रोड पर यातायात प्रभावित हुआ है। उपायुक्त कुल्लू, अनुराग चंद्र शर्मा ने स्थिति का जायजा लेते हुए स्पष्ट किया है कि मार्ग को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए जिला प्रशासन और बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन की मशीनरी पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रही है। डीसी ने बताया कि टनल के पास बर्फ की मोटी परत और सड़कों पर फिसलन (आइसिंग) के कारण आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य मार्ग को जल्द से जल्द सुरक्षित बनाना है। इसके लिए ब्रो और प्रशासन की टीमें समन्वय के साथ जुटी हुई हैं।' मशीनों के जरिए बर्फ को हटाकर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है ताकि यातायात फिर से सुचारू हो सके। उपायुक्त ने जोर देकर कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता पर्यटकों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जब तक मार्ग पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक यातायात को सावधानीपूर्वक नियंत्रित किया जा रहा है। डीसी कुल्लू ने बताया कि स्थिति पर जिला प्रशासन की पैनी नजर है। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार मौके पर अतिरिक्त संसाधन और मशीनरी तैनात की जा रही है। सुरक्षा मानकों की जांच के बाद ही वाहनों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी।

2000 वाहनों में 10 हजार लोगों को किया रेस्क्यू

पिछले दो दिनों में लगातार हुई भारी बर्फबारी के चलते अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल, सिस्सू व आसपास के क्षेत्रों में फंसे लगभग 2000 वाहनों को पुलिस ने बीआरओ और प्रशासन के सहयोग से सुरक्षित रूप से इवैकुएट किया। इस दौरान करीब 10,000 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार से शुरू होकर मंगलवार दोपहर तक लगातार जारी रहा और सभी पर्यटकों को सुरक्षित रूप से मनाली की ओर भेज दिया गया है। राहत की बात यह रही कि पूरे अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी घटना सामने नहीं आई।

10 हजार पर्यटक सुरक्षित मनाली पहुंचाए

अनंत ज्ञान

एम बोकटाप्पा, मनाली। भारी बर्फबारी के कारण अटल टनल से धुंधी इलाके में फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन लगभग 36 घंटे बाद पूरा हुआ। रविवार शाम से मंगलवार दोपहर बाद तक यह अभियान चला। प्रशासन, पुलिस व सीमा सड़क संगठन की टीमों ने 10 हजार से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित मनाली पहुंचाया। हालांकि, इस दौरान कई पर्यटकों को अपने वाहन में रात बितानी पड़ी। सनद रहे कि रविवार को अटल टनल में भारी बर्फबारी होने के कारण पर्यटक वाहन फंस गए थे। रविवार रात को कई पर्यटकों को वाहनों में ही रात गुजारनी पड़ी।

प्रशासन ने फंसे हुए पर्यटकों को फोर बाई फोर वाहनों में मनाली पहुंचाया। सोमवार को भी कई वाहन निकले गए, जबकि मंगलवार को भी लाहौल घाटी से मनाली की ओर आए लगभग 280 वाहनों को मनाली पहुंचाने के लिए अभियान चलाया गया। ब्लैक आइस की वजह से वाहन स्किड हो रहे थे, जिससे पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बीआरओ ने जेसीबी के माध्यम से ब्लैक आइस को तोड़कर सड़क खोली। उसके बाद

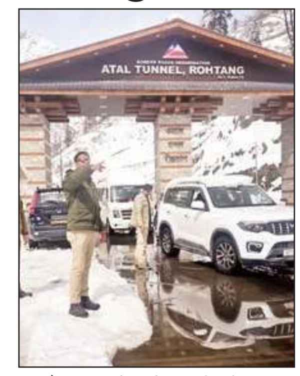

लाहौल घाटी में फंसे वाहनों को मनाली की ओर भेजा गया। कुल्लू के एसपी संजीव चौहान खुद मौके पर पहुंचे। वहीं, एसडीएम रमण कुमार शर्मा, डीएसपी मनाली केडी शर्मा भी मौके पर डटे रहे। डीएसपी केडी शर्मा ने बताया की फंसे वाहनों को निकाला गया है।

मनाली क्षेत्र में लगातार बर्फबारी के चलते आज यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सुबह के समय फोर बाई फोर गाड़ियों को केवल नेहरू कुंड तक ही जाने की अनुमति दी गई। इसके बाद उन्हें वहीं रोक दिया गया। वहीं, सुबह के समय फोर बाई फोर गाड़ियां सोलंग नाला तक पहुंचने में सफल रहीं। इससे कुछ हद तक पर्यटकों व स्थानीय लोगों को राहत मिली। हालांकि, दोपहर करीब 12 बजे के बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सभी प्रकार की गाड़ियों को पलचान पुल के पास ही रोक दिया। यह फैसला इसलिए लिया गया, ताकि पिछले तीन दिनों से अटल टनल के आसपास बर्फबारी के कारण फंसी हुई गाड़ियों को सुरक्षित तरीके से निकालने के लिए रास्ता साफ किया जा सके। प्रशासन, पुलिस और बीआरओ की टीम लगातार मौके पर तैनात रहीं व फंसे हुए वाहनों को निकालने का कार्य तेजी से जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यह कदम उठाया गया है। स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है व मौसम सामान्य होते ही यातायात को सुचारू रूप से बहाल करने के प्रयास जारी हैं। मनाली में हाल ही में हुई ताजा बर्फबारी के बाद पर्यटन में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। बर्फ से ढके पहाड़, सफेद चादर में लिपटी वादियों और ठंडी हवाओं के बीच सैलानी बड़ी संख्या में मनाली का रुख कर रहे हैं। पर्यटक बर्फ में जमकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं। कोई स्नोबॉल खेल रहा है, तो कोई बर्फ में फोटो और वीडियो बनाकर यादगार पल कैद कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अवैध कटान की घटना को लेकर खोला मोर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुल्लू इकाई द्वारा सिरमौर के शिलाई क्षेत्र में हुए वृक्षों के अवैध कटान पर धरना-प्रदर्शन किया गया। इकाई मंत्री संजना ठाकुर ने बताया कि सिरमौर के शिलाई क्षेत्र की बात ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का यही हाल है। कुल्लू के बिजली महादेव रोपवे के समय भी कई वृक्षों का कटान हुआ। किसी क्षेत्र का विकास होना सही बात है, लेकिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना सहन नहीं किया जाएगा। इकाई मंत्री ने कहा कि सिरमौर के शिलाई कांड की निष्पक्ष जांच की जाए व दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए अन्यथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुल्लू इकाई इससे भी उग्र से उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदार स्वयं प्रदेश सरकार रहेगी।

कल सूत्रधार नव संवत् समारोह का होगा आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। सूत्रधार कला संगम कुल्लू द्वारा 19 मार्च को हिंदू नव वर्ष नव संवत्सर 'विक्रम संवत 2083' के शुभारंभ पर सूत्रधार नव संवत् समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सूत्रधार भवन के सभागार में सायं 4 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम में पं. विद्यासागर के दिशा-निर्देशन में सूत्रधार के कलाकारों व प्रशिक्षुओं द्वारा गीत, संगीत व नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी जाएंगी। पंडित अजय मोदगिल अध्यक्ष भक्ति सुधा सेवा सनातन संस्थान कुल्लू, सुप्रसिद्ध ज्योतिष तथा भागवत कथा प्रवक्ता इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि होंगे। इनकी दीक्षा गुरू पं. लक्ष्मण राम शर्मा सुल्तानपुर तथा शिक्षा गुरू आचार्या हेमप्रभ शर्मा सेवानिवृत्त दर्शनाचार्य संस्कृत महाविद्यालय सुंदरनगर रहे हैं। इस शुभ कार्यक्रम सूत्रधार नव संवत् समारोह में वर्षफल का व्याख्यान भी इन्हीं के द्वारा किया जाएगा। सनातन संस्कृति सबसे पुरानी और परंपराओं को समेटे हुए एक साथ लोगों को लेकर चलने वाली सभ्यता मानी गई है। सनातन धर्म के अपने अलग-अलग नियम व परंपराओं के साथ बहुत सी चीजों का पालन किया जाता है, ऐसे में हिंदू नव संवत्सर भी सनातन धर्म में चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन से माना जाता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही सृष्टि का आरंभ हुआ था, इसलिए इस दिन से ही हम वर्ष आरंभ मानते हैं। इस बार 'रौद्र संवत्सर' 'विक्रम संवत 2083' का आगाज 19 मार्च वीरवार को होने जा रहा है, ऐसे में सूत्रधार कला संगम कुल्लू अपने उदेश्यों के अनुरूप सूत्रधार नव संवत् समारोह 2083 का आयोजन कर रहा है।

भुंतर स्कूल की बेटियों ने बॉक्सिंग में गाड़े झंडे

अनंत ज्ञान, भुंतर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भुंतर के विद्यार्थियों ने खेल के मैदान में एक बार फिर स्कूल और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। स्कूल की दो होनहार छात्राओं, तन्वी और अनन्या ने बॉक्सिंग (मुक्केबाजी) में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। तन्वी ने राष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा को सिद्ध किया। तन्वी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक्सपोजर कैंप के लिए कजाकिस्तान भेजा गया, जहाँ उन्होंने विदेशी धरती पर अपनी तकनीक और दमखम का प्रदर्शन किया।अनन्या ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय युवा बॉक्सिंग टीम में अपनी जगह पक्की की है। उनका चयन देश के उभरते मुक्केबाजों में होना स्कूल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इन ऐतिहासिक उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए आज स्कूल परिसर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य तिलक राज ने दोनों विजेता छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इन बेटियों ने न केवल स्कूल का, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर चमकाया है।प्रधानाचार्य ने छात्राओं के अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का सहयोग और कोच का सही मार्गदर्शन सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि तन्वी और अनन्या आने वाले समय में ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर देश के लिए पदक जीतेंगी।

दिल्ली में 'जोमसा 2026' का भव्य आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। राजधानी दिल्ली में लाहौल-स्पीति कल्चरल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'जोमसा 2026' कार्यक्रम बड़े ही भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस अवसर पर लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रवि ठाकुर बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को यूनियन एवं एलआईसी का सहयोग प्राप्त रहा। कार्यक्रम में जिले के छात्र-छात्राओं, सरकारी कर्मचारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा लामागण की उल्लेखनीय सहभागिता रही। इस दौरान प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और पारंपरिक विरासत की सुंदर झलक पेश की।कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सांस्कृतिक समाज (कल्चरल सोसायटी) के गठन की घोषणा की गई। आयोजकों ने बताया कि इस संस्था को भविष्य में विधिवत रूप से संचालित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्य अतिथि रवि ठाकुर ने अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए विकास कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जिले में बेहतर और प्रभावी कार्य करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्सवमय वातावरण में हुआ, जिसने सामाजिक एकता, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक मूल्यों को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

एससी युवाओं के लिए मुफ्त कौशल विकास पाठ्यक्रम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कल्याण अधिकारी गिरधारी लाल शर्मा ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश के 'सशक्तिकरण निदेशालय (ESOMSA) और NIELIT शिमला' के सहयोग से अनुसूचित जाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 'प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत मुफ्त कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण अप्रैल 2026 में 'राज इंट्रा टेक, माउंट व्यू बिल्डिंग, ढालपुर, कुल्लू' में शुरू होगा। इस कार्यक्रम के तहत दो मुख्य पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं: पहला, 'कांसेप्ट्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी, जिसकी अवधि 3 महीने (प्रतिदिन 2 घंटे) है और इसके लिए न्यूनतम योग्यता स्नातक है। दूसरा, 'ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग एंड पब्लिशिंग', जिसकी अवधि भी 3 महीने (प्रतिदिन 4 घंटे) है और इसके लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदक हिमाचल प्रदेश का मूल निवासी और अनुसूचित जाति वर्ग से होना चाहिए। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयन स्नातक या 10+2 के अंकों की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। बीपीएल उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी और 30% सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। इच्छुक पात्र उम्मीदवार अपने आवेदन 31 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

कारसेवा दल संस्था ने कुल्लू अस्पताल में शुरू की एक और नई एंबुलेंस सेवा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कार सेवा दल संस्था द्वारा क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में एक और नई एंबुलेंस सेवा की शुरुआत की गई है। इस एंबुलेंस का उद्घाटन संस्था के आजीवन सदस्यों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार सेवा दल के आजीवन सदस्य तथा सूत्रधार कला संगम कुल्लू के अध्यक्ष दिनेश सेन ने बताया कि कारसेवा दल संस्था द्वारा कुल्लू की जनता व जरूरतमंदों को 40 प्रकार की सेवाएं दी जा रही हैं। इन्हीं सेवाओं में अब एक और नई एंबुलेंस सेवा को भी जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं में और अधिक सहायता मिल सकेगी। कार सेवा दल संस्था के अध्यक्ष मनदीप सिंह ने बताया कि पिछले 6 वर्षों से भी संस्था की एक एंबुलेंस लगातार जनता की सेवा में समर्पित है। मरीजों की सुविधा व जरूरत को देखते हुए संस्था ने एक और एंबुलेंस सेवा शुरू करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि गरीब व जरूरतमंद लोगों को कम दामों पर तथा आवश्यकता पड़ने पर निशुल्क एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस नेक कार्य में संस्था के आजीवन सदस्य दिनेश सेन, अनिल कुमार, शेरू राम व अन्य सेवादार मौजूद रहे और सभी ने मिलकर इस नई सेवा की शुरुआत का स्वागत किया।

हरिपुर कॉलेज में मेधावी स्टूडेंट्स हुए सम्मानित

अनंत ज्ञान

आनी। आनी उपमंडल के अंतर्गत आने वाले राजकीय महाविद्यालय हरिपुर (आनी) में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, वहीं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश मिल्क फेडरेशन के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि आनी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी परस राम विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और उन्हें हर क्षेत्र में

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि व अन्य गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रहा है। इस दौरान सत्र 2024-25 के परीक्षा परिणाम भी घोषित किए गए। बीए प्रथम वर्ष में मीनाक्षी देवी ने 85.2 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रजनीका और निशा ठाकुर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। बीकॉम प्रथम वर्ष में ईशा ने प्रथम, तमन्ना ठाकुर ने द्वितीय तथा मुस्कान ने तृतीय स्थान हासिल किया। बीए द्वितीय वर्ष में रंजना कौशल ने 81.7 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि यशवर्धी दूसरे और नेहा तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं बीकॉम द्वितीय वर्ष में मनोज कुमार ने प्रथम, राहुल ने द्वितीय और अंकुर शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीए तृतीय वर्ष में पवन कुमार ने 82.5 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अक्षय कुमार दूसरे और अंशिका शर्मा तीसरे स्थान पर रहीं।

बीकॉम तृतीय वर्ष में पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। मुख्यातिथि बुद्धि सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने शिक्षा को समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

62 रोगियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। आयुष विभाग कुल्लू द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत खोखन के आयुष आरोग्य मंदिर में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिला आयुर्वेदिक अस्पताल कुल्लू के चिकित्सकों व स्टाफ ने भाग लेकर ऑस्टियो आर्थराइटिस एवं मस्क्युलोस्केलेटल डिसऑर्डर से पीड़ित रोगियों की जांच की तथा उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। शिविर के दौरान कुल 62 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अलावा 17 रोगियों की कपिंग थेरेपी, 7 रोगियों का अग्निकर्म, 17 रोगियों की मर्म चिकित्सा की गई। साथ ही 23 लोगों की रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) और 30 लोगों के रक्तचाप की जांच भी की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सोनिया ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत इस प्रकार के निशुल्क चिकित्सा शिविर आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

80 बच्चों ने सीखे स्कीइंग के गुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल घाटी के त्रिलोकीनाथ में 10 दिवसीय स्की ऐलीमेंटरी कोर्स सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कोर्स में लाहुल के 80 बच्चों ने भाग लिया और स्कीइंग के बुनियादी कौशल सीखकर अपने खेल कौशल को निखारा। यह कोर्स जिला शरद कालीन खेल व एलाईड खेल एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसोसिएशन के अध्यक्ष नोरबू पांस रहे, जबकि जिस्पा सब सेंटर के निरीक्षक मोहन विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। विधायक लाहुल स्पीति अनुराधा राणा के सहयोग, जिला प्रशासन और अटल बिहारी खेल संस्थान मनाली के सौजन्य से बच्चों को इस कोर्स में भाग लेने का अवसर मिला। एसोसिएशन के अध्यक्ष नोरबू पांस ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और लगातार अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। एसोसिएशन शरद खेलों को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास कर रहा है और जिला लाहौल-स्पीति शरद कालीन खेल व एलाईड खेल एसोसिएशन केलंग द्वारा ऐलीमेंटरी कोर्स का सफल आयोजन सराहनीय है।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने व किसानों की आय सशक्त करने पर जोर : बुद्धि सिंह ठाकुर

आनी में एकदिवसीय दुग्ध उत्पादक प्रशिक्षण शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

आनी। हिमाचल प्रदेश दुग्ध प्रसंघ, दूध प्रसंस्करण संयंत्र इकाई दत्तनगर द्वारा आनी में एकदिवसीय दुग्ध उत्पादक प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के कई दुग्ध उत्पादकों ने भाग लेकर आधुनिक तकनीकों व पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। शिविर का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, गुणवत्ता सुधार व किसानों की आय को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम के मुख्यातिथि व अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश दुग्ध प्रसंघ के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार व प्रसंघ द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दुग्ध उत्पादकों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने, पशुओं के स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष ध्यान देने तथा संगठित रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दुग्ध उत्पादन की नई तकनीकों, पशुओं की देखभाल, चारे के प्रबंधन तथा दुग्ध की गुणवत्ता बनाए रखने के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

सजोबा रैली : उतार-चढ़ाव के बीच आर्यक का अद्भुत साहस

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। उत्तर भारत की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित 'सजोबा सब-हिमालयन रैली 2026' इस बार कुल्लू-मनाली के युवा आर्यक राणा के संघर्ष और अटूट इच्छाशक्ति की गवाह बनी। दिग्गज रैलिंग चैंपियन सुरेश राणा के पुत्र आर्यक ने इस प्रतियोगिता में अपनी रफ्तार का ऐसा लोहा मनवाया कि शुरुआती दो दिनों तक वे सबसे प्रथम स्थान पर काबिज रहे। हालांकि, किस्मत की मार और तकनीकी खराबी ने उन्हें निश्चित मानी जा रही जीत (पोडियम फिनिश) से दूर कर दिया, लेकिन उनके खेल के जज्बे ने सबका दिल जीत लिया।

आर्यक राणा ने रैली की शुरुआत किसी मंझे हुए खिलाड़ी की तरह की और लगातार दो दिनों तक रेस में टॉप पोजीशन पर बने रहे। जीत उनके हाथ में लग रही थी, लेकिन दूसरे दिन स्पेशल स्टेज 7 के दौरान, फिनिश लाइन से महज 700 मीटर पहले उनकी गाड़ी में मैकेनिकल ब्रेकडाउन (तकनीकी खराबी) हो गया। एक दुर्भाग्यपूर्ण क्रैश और इस तकनीकी खराबी के कारण उन्हें ओवरऑल कैटेगरी से बाहर होना पड़ा। किसी भी रेसर के लिए जीत के इतने करीब आकर रुक जाना एक बड़ा मानसिक और शारीरिक झटका होता है। आर्यक ने हार मानने के बजाय तीसरे दिन फिर से ट्रैक पर उतरने का फैसला किया।

उनकी गाड़ी के पिछले सस्पेंशन खराब थे, जिससे ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर कार को नियंत्रित करना जान जोखिम में डालने जैसा था। चुनौतियों का सिलसिला यहीं नहीं थमा; उनकी गाड़ी का टायर फट गया व अगले ही स्टेज में फिनिश लाइन से 3 किमी पहले एग्जॉस्ट (साइलेंसर) भी टूट गया। इंजन की पावर कम होने और गाड़ी के डगमगाने के बावजूद, आर्यक ने अपने पिता सुरेश राणा के मार्गदर्शन और नेविगेटर अश्विन के अनुभव के दम पर गाड़ी को फिनिश लाइन तक पहुँचाया। उन्होंने साबित कर दिया कि एक सच्चा चैंपियन केवल जीत से नहीं, बल्कि मुश्किलों में खड़े रहने से पहचाना जाता है। आर्यक राणा के इस संघर्ष के बीच कुल्लू घाटी के अन्य खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। शुभम खजुरिया (कुल्लू) ने अपनी 'ड्रीम रन' जारी रखते हुए अपनी कैटेगरी में टॉप पोजीशन हासिल की। वहीं नग्गर के रॉबिन शर्मा भी ट्रॉफी के साथ घर लौटे। बाइक कैटेगरी में भी कुल्लू का दबदबा रहा, जहां टीम, 2 के नीतिश (भुंतर) और हैप्पी वर्मा (कुल्लू) ने टॉप 3 में जगह बनाई। साथ ही, युवा बाइकर आयुष मिरुपा ने अपनी पहली ही रैली में शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया। अपनी सर्विस टीम और परिवार का आभार जताते हुए आर्यक राणा ने विजेताओं—शुभम और विपुल सहित सभी विजेताओं को बधाई दी। आर्यक ने आत्मविश्वास के साथ कहा कि भले ही यह रैली उनकी योजना के मुताबिक नहीं रही, लेकिन वे इन अनुभवों से सीख लेकर भविष्य में और भी मजबूत होकर वापसी करेंगे।

परेशानी | सामरिक व आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कुल्लू-मनाली वामतट मार्ग की खस्ताहालत

गड्ढों के बीच हिचकोले खाने को मजबूर वाहन चालक

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुल्लू और मनाली को जोड़ने वाला वामतट मार्ग (लेफ्ट बैंक रोड) इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू रो रहा है।

सड़क की हालत इस कदर खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर तारकोल का नामोनिशान मिट गया है और केवल नुकीले पत्थर ही शेष बचे हैं। अरछंडी नाला, लरांकेलो, नग्गर स्कूल के समीप, मढी, हरिपुर, सजला, छाकी और शुरू जैसे क्षेत्रों में सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे यह मार्ग हादसों को न्योता दे रहा है। सड़क पर उभरे बड़े-बड़े गड्ढों और बाहर निकले पत्थरों के कारण दोपहिया और चौपहिया वाहनों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय निवासियों और पर्यटकों का कहना है कि इस मार्ग पर सफर करना किसी सजा से कम नहीं है। पर्यटकों को लगने वाले झटकों के

कुल्लू-मनाली वामतट मार्ग की खस्ताहालत। अनंत ज्ञान

कारण जहां यात्रा कष्टदायी हो गई है, वहीं इसका सीधा प्रतिकूल असर होटल व्यवसाय और पर्यटन कारोबार पर भी दिखने लगा है। आगामी फल सीजन को लेकर जिला के बागवान भी बेहद चिंतित हैं। बागवानों का तर्क है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो खराब सड़क के कारण फलों की ढुलाई में देरी होगी और झटकों के कारण फल खराब होने की संभावना बढ़ जाएगी। सीजन से पूर्व सड़क को चकाचक करना सेब और अन्य फलों के सुचारू विपणन के लिए अनिवार्य है। गौर करने वाली बात यह है कि बरसात के मौसम में जब अक्सर राइट बैंक (मुख्य मार्ग) भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो जाता है, तब वामतट मार्ग ही कुल्लू और मनाली के बीच लाइफलाइन का काम करता है। पर्यटन और सीजन के समय ट्रैफिक के दबाव को झेलने वाला यह मार्ग वर्तमान में खुद ही उपेक्षा का शिकार है।इस मार्ग का दुरुस्त होना न केवल स्थानीय कनेक्टिविटी के लिए, बल्कि सामरिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

> **विभाग** सड़क की स्थिति से अवगत है। उन्होंने बताया कि सड़क को पक्का करने और इसकी व्यापक मरम्मत के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जा चुका है। जैसे ही सरकार से बजट की मंजूरी प्राप्त होती है, निर्माण और मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया जाएगा।
> **अनूप शर्मा, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग**

डीसी साहब ! जल्द बुलाई जाए जेसीसी की बैठक : संजीव भारद्वाज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष संजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा से मिला। इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारियों ने डीसी का कुल्लू में कार्यभार संभालने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें बुके भेंट कर और पारंपरिक टोपी पहनाकर सम्मानित किया।

भेंट के दौरान अध्यक्ष संजीव भारद्वाज ने बताया कि यह मुलाकात शिष्टाचार के तौर पर की गई, लेकिन इसके बाद कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी प्रारंभिक चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के अराजपत्रित कर्मचारियों की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें लेकर जल्द ही डीसी के समक्ष विस्तृत मांग पत्र (डिमांड चार्टर) प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश स्तर पर जेसीसी की बैठक को लेकर भी कर्मचारियों में अपेक्षा बनी हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय जीसीसी बैठक जल्द आयोजित करने का आश्वासन दिया गया है। महासंघ की मांग है कि राज्य स्तर की बैठक के तुरंत बाद जिला स्तर पर भी जेसीसी की बैठक आयोजित की जाए, ताकि स्थानीय कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। महासंघ ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करेगा।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व सैनिकों को 28 मार्च को मिलेगी सीएसडी चलित कैंटीन की सुविधा

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। एक्स सर्विसमैन हिमाचल प्रदेश सब यूनिट दाड़लाघाट लीग एवं भराड़ीघाट लीग के पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए 28 मार्च को अंबुजा गेट के पास स्थित एसडीटीओ ट्रांसपोर्ट कॉम्प्लेक्स दाड़लाघाट के लोअर फ्लोर में सीएसडी चलित कैंटीन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। पूर्व सैनिक लीग के प्रधान कैप्टन हीरालाल ठाकुर ने बताया कि दाड़लाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चलित कैंटीन में रोजमर्रा के उपयोग का सभी प्रकार का सामान उपलब्ध रहेगा। उन्होंने पूर्व सैनिकों से आग्रह किया कि कैंटीन में बैग की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए सभी पूर्व सैनिक अपना-अपना बैग साथ लेकर अवश्य आएं, ताकि सामान ले जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महिलाओं को बचत, अभिलेख संधारण और वित्तीय योजना की जानकारी दी

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी भवन निर्माण सामग्री समाधान प्रदाता और अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स ने अपनी सीएसआर पहल के तहत जिला सोलन में महिलाओं को स्वयं सहायता समूह एसएचजी से जोड़कर उनकी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ किया है। कंपनी ने महिलाओं को औपचारिक बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूकता शिविर और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में महिलाओं को बचत, अभिलेख संधारण और वित्तीय योजना की जानकारी दी गई। पात्र महिलाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया। इस पहल का सकारात्मक उदाहरण जसपाल कौर के परिवार के रूप में सामने आया। नवंबर 2021 में जसपाल कौर के निधन के बाद उनके परिवार ने फरवरी 2022 में पीएमजेजेबीवाई के तहत 2 लाख रुपए का बीमा दावा सफलतापूर्वक प्राप्त किया, जिससे कठिन समय में आर्थिक सहारा मिला।

धूमधाम से मनाया पझौता कॉलेज ने वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजकीय महाविद्यालय पझौता में सत्र 2025-26 का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय श्री रेणुकाजी ददाहु के प्राचार्य डॉक्टर पवन कुमार शर्मा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्जवलन के माध्यम से की गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि के बहुमुखी व्यक्तित्व, जिसमें खगोल विज्ञान, पक्षी विज्ञान तथा बागवानी आदि शामिल हैं, के विषय में विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया। स्वागत भाषण अंग्रेजी विषय के सहायक आचार्य प्रोफेसर सौरभ ठाकुर ने रखा। इसके उपरांत सत्र 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्राचार्या डॉक्टर शिवानी शर्मा ने रखा। वार्षिक प्रतिवेदन में प्राचार्या महोदय ने वर्ष भर की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य अतिथि महोदय के व्यक्तित्व के विषय में अपने अनुभव साझा किए। इसके उपरांत विद्यार्थियों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया।

नाहन में कल वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित होगा स्वास्थ्य जांच शिविर

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला प्रशासन सिरमौर तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 18 मार्च को राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्मृति क्षीणता (डिमेंशिया स्क्रीनिंग) एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर आस्था डे-केयर सेंटर, पक्का टैंक के नजदीक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी जिला कल्याण अधिकारी गावा सिंह नेगी ने दी। शिविर में 60 वर्ष व इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच, स्मृति क्षीणता (डिमेंशिया स्क्रीनिंग) शिविर डा. वाईएस परमार मेडिकल कॉलेज नाहन में आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों की स्मृति क्षीणता, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श

पानी की समस्या को लेकर डीसी से मिले रेणुका क्षेत्र के छौऊ भोगर पंचायत के ग्रामीण

अनंत ज्ञान, नाहन। रेणुका विधानसभा क्षेत्र की छौऊ भोगर पंचायत के ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार पानी की समस्या को लेकर उपायुक्त से मिला और जल्द समाधान की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल योजना शुरू न होने के कारण इलाके में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। मीडिया से बात करते हुए ग्रामीण इंद्र सिंह ने बताया कि रेणुका विधानसभा क्षेत्र की छौऊ भोगर पंचायत में प्रस्तावित पेयजल योजना का निर्माण कार्य समय पर शुरू नहीं हो पाया, जिसके चलते योजना के लिए स्वीकृत फंड लैप्स हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण आज पूरे क्षेत्र को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी की कमी के कारण कई मवेशियों की मौत तक हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों और मवेशियों को मजबूरी में एक ही स्रोत से पानी पीना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर पंचायत के ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल उपायुक्त से मिला और लैप्स हुए फंड को दोबारा से जारी करने की मांग की, ताकि जल्द से जल्द पेयजल योजना का कार्य शुरू हो सके।

ग्रामीणों ने सौगंध खाकर लिया पर्यावरण संरक्षण का प्रण

एसपी जैरथ, नाहन। प्रदेश में जहां प्रतिदिन पर्यावरण दूषित हो रहा है और जंगल कट रहे हैं। इसी के चलते जिला सिरमौर के पांवटा साहिब के नारी वाला के ग्रामीणों ने जंगल को बचाने का संकल्प लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों ने न केवल पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधे, बल्कि शास्त्र उठाकर प्रण लिया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगलों की बलि नहीं देंगे। यही नहीं ग्रामीणों ने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण पर्यावरण संरक्षण, जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए आगे आएगा। सोमवार को पांवटा साहिब के नारी वाला स्थित मंदिर में ग्रामीणों की एक बैठक हुई। नाथूराम चौहान ने कहा कि ग्रामीणों ने एकत्रित होकर पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधे। ग्रामीणों ने इस दौरान शस्त्र पूजन भी किया।

मारपीट के दो मामलों में 15 लोगों पर एफआईआर

अनंत ज्ञान, नाहन। पांवटा ब्लॉक के माजरा क्षेत्र में हुए मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस स्टेशन माजरा में करीब 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी है।

पहला मामला

जिले के एसपी एनएस नेगी ने बताया कि पवन कुमार निवासी गांव माजरा तह. पांवटा साहिब जिला सिरमौर ने मामला दर्ज करवाया कि जब यह अपनी पत्नी सुमन देवी के साथ खेत से घास काट रहे थे तो इनके पड़ोसी नरेश के परिवार को इनके घर के पास कबाड़ जलाने से रोका गया तो नरेश के परिवार ने, जिसमें जसबिंदर, कृप्पाचंदर, सुमन, अंकिता, सुनिता, नरेश, रोशनी, पंकज व विशाल ने लाठीयों व डंडों से हमला किया। इस हमले में यशपाल, साहिल व अश्वनी को काफी चोटें आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरा मामला

नरेश कुमार पुत्र बाबूराम निवासी गांव माजरा तह. पांवटा साहिब जिला सिरमौर ने पुलिस थाना माजरा मे मामला दर्ज करवाया कि सुबह मेरी बेटी सुनीता कुमारी झाड़ू लगाकर अपनी ही गली में कूड़े को एक तरफ इकट्ठा करके उसमें आग रही थी। इसी बीच पड़ोसी लेखराम का सारा परिवार, जिसमें पवन कुमार, यशपाल, सुमन देवी के साथ नरेश कुमार, नीलम सभी ने गाली-गलौज के साथ हमला कर दिया। जिसके कारण उन्हें चोटे आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डेली नीड की दुकान से 8 बोतलें देशी शराब पकड़ी, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, नाहन। पांवटा ब्लॉक में पुलिस ने माजरा इलाके में एक डेली नीड की दुकान पर गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर 8 बोतलें देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने माजरा स्टेशन में आबकारी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है।जिले के एसपी एनएस नेगी ने बताया कि पुलिस थाना माजरा की पुलिस टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली कि पवन कुमार निवासी नया गांव डा. माजरा त. पांवटा साहिब जिला सिरमौरनया गांव में डेली नीड़ की दुकान व ढाबा चलाता है तथा शराब बेचने का धंधा करता है। जिस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी से 8 बोतलें देशी शराब बरामद करने मे सफलता प्राप्त की है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, जांच जारी है।

ओटीपी नियम बना परेशानी की वजह, गैस सिलेंडर के लिए भटक रहे राजगढ़ के बाशिंदे

सुबह से खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर इंतजार, कई गांवों के उपभोक्ता परेशान

अनंत ज्ञान

राजगढ़। जिला सिरमौर के राजगढ़ क्षेत्र में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर प्राप्त करने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर वितरण के दौरान लागू किए गए ओटीपी सिस्टम के कारण उपभोक्ताओं को बार-बार इंतजार करना पड़ रहा है और कई लोगों को गैस एजेंसी के चक्कर भी लगाने पड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस सिलेंडर की डिलीवरी के समय मोबाइल पर आने वाला ओटीपी अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन क्षेत्र में कई जगह नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में उपभोक्ताओं को समय पर ओटीपी प्राप्त नहीं हो पाता, जिससे उन्हें सिलेंडर लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

खाली सिलेंडर लेकर सड़क किनारे इंतजार करते लोग। अनंत ज्ञान

स्थिति यह है कि सुबह से ही टिकर रोड से आगे डूबलू, जाजर, टिकर, टिकरी, कनेच और बड़गला सहित अन्य गांवों के लोग धूप और बारिश में खड़े होकर गैस गाड़ी का इंतजार करते हैं। घंटों इंतजार के बाद भी कई बार गैस वितरण नहीं हो पाता, जिससे लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ता है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने संबंधित विभाग और गैस एजेंसी से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए और ओटीपी प्रणाली में सुधार किया जाए, ताकि आम जनता को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके। लोगों ने सरकार से आग्रह किया है की ग्रामीण लोगो के लिय ओटीपी अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। बीच का कोई रास्ता निकाल कर लोगो को गैस सिलेंडर दिए जाए, ताकि ग्रामीणों को परेशानी ना उठानी पड़े।

सोलन में पेयजल किल्लत से इनकार विभाग का दावा : पर्याप्त आपूर्ति जारी

15 दिनों के आंकड़ों में रोजाना औसतन 109 लाख लीटर जलापूर्ति का दावा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, सोलन। जलशक्ति विभाग ने सोलन में कथित पेयजल किल्लत को सिरे से नकार दिया है। शहर के कुछ क्षेत्रों से लोगों ने प्रशासन और विभागीय अधिकारियों से शिकायत की थी। वहीं जल शक्ति विभाग सोलन के सहायक अभियन्ता का दावा है कि

◆ **आंकड़ों से जल किल्लत के दावों को विभाग ने किया खारिज**

सोलन शहर में सुचारु रुप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित बनाई जा रही है। सहायक अभियन्ता ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र सोलन में गिरी उठाऊ पेयजल योजना तथा अश्वनी खड्डु उठाऊ पेयजल योजना के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति सुचारु रुप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि 9 मार्च को विद्युत आपूर्ति न होने के कारण केवल एक दिन पंपिंग प्रभावित हुई थी। उन्होंने कहा कि गत 20 दिनों के दौरान नगर निगम सोलन को औसतन लगभग 109 लाख लीटर पेयजल प्रतिदिन उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग द्वारा नगर निगम सोलन को पर्याप्त मात्रा में प्रतिदिन जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंपिंग प्रणाली की नियमित जांच भी की जा रही है ताकि शहर वासियों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध होता रहे। उन्होंने कहा कि पावर हाउस और सपरुन सहित शहर के सभी क्षेत्रों में जलापूर्ति सुचारू है।

उन्होंने कहा कि प्रथम मार्च को गिरी नदी से 65 लाख लीटर पानी तथा अश्वनी खड्डु से 25.04 लाख लीटर पानी, 2 मार्च को गिरी नदी से 70 लाख लीटर पानी तथा अश्वनी खड्डु 25 लाख लीटर पानी, 3 मार्च को गिरी नदी से 68 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 24.4 लाख लीटर,

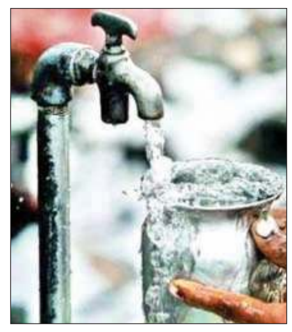

4 मार्च को गिरी नदी से 62 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 16.8 लाख लीटर, 5 मार्च को गिरी नदी से 65 लाख तथा अश्वनी खड्डु से 16.6 लाख लीटर, 6 मार्च को गिरी नदी से 74 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 24.5 लाख लीटर, 7 मार्च को गिरी नदी से 72 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 25.4 लाख लीटर, 8 मार्च को गिरी नदी से 68 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 24.09 लाख लीटर, 9 मार्च को गिरी नदी से 75 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 24.5 लाख लीटर, 10 मार्च को गिरी नदी से 12 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 22.5 लाख लीटर, 11 मार्च को गिरी नदी से 70 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 23.8 लाख लीटर, 12 मार्च को गिरी नदी से 68 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 20.6 लाख लीटर, 13 मार्च को गिरी नदी से 65 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 21.8 लाख लीटर, 14 मार्च को गिरी नदी से 75 लाख लीटर अश्वनी खड्डु से 18.8 लाख लीटर, 15 मार्च को गिरी नदी से 63 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 21.6 लाख लीटर, 16 मार्च को गिरी नदी से 45 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 25.1 लाख लीटर, तथा 17 मार्च को गिरी नदी से 70 लाख लीटर तथा अश्वनी खड्डु से 18.8 लाख लीटर पानी नगर निगम सोलन को वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग सभी को सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मखनुमाजरा बल्लू गोलीकांड: साजिश में शामिल एक और आरोपी गिरफ्तार

● बद्दी गोलीकांड में पुलिस की कार्रवाई तेज ● मुख्य हमलावर अब भी फरार ● चौथी गिरफ्तारी के बाद कई राज्यों में छापेमारी जारी

अनंत ज्ञान

बद्दी। प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन के तहत बहुचर्चित बलबीर उर्फ बल्लु मखनुमाजरा गोलीकांड में पुलिस ने चौथी गिरफ्तारी की है। इससे पहले साजिश रचने में संलिप्तता के आरोप में 2 आरोपियों ओर वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने और मामले को लॉरेंस-बम्बिहा गैंग से जोड़ने की अफवाह फैलाने के आरोप में पपलोहा के एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। वहीं अब पुलिस ने इसी कड़ी में एक और आरोपी की पहचान करते हुए मनप्रीत सिंह पुत्र बलवंत सिंह, निवासी गांव मखनुमाजरा, तहसील बद्दी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए इस युवक पर भी हमले की साजिश रचने की संलिप्तता सामने आई है। गिरफ्तार किए आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में पुलिस जुट गई है।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

बताते चलें कि बीती 28 फरवरी की शाम करीबन 6 बजे मखनुमाजरा निवासी बलबीर उर्फ बल्लु पर कार में सवार होकर आए 5 युवकों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थीं। 5 हमलावरों ने से 3 हमलावरों की बलबीर उर्फ बल्लु के बयानों पर पहचान हो चुकी है, जो कि अभी तक भी फरार चल रहे हैं। अभी तक पांचों गोलियां बरसाने वाले आरोपियों में से एक भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है। जबकि पुलिस की 5 टीमें फरार आरोपियों की तलाश में अलग-अलग राज्यों में छापेमारी कर रही हैं।

> **बलबीर** उर्फ बल्लु गोलीकांड में साजिश रचने और रैकी करने में संलिप्तता पाए जाने पर मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। बल्लू गोलीकांड में यह चौथी गिरफ्तारी है, जबकि फरार चल रहे गोलीकांड के मुख्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें अलग-अलग राज्यों में दबिश दे रही हैं। जल्द ही मुख्य आरोपी पुलिस गिरफ्त में होंगे।
>
> **विनोद धीमान, एसपी, बद्दी**

दोस्त बना दुश्मन: देसी कट्टे से दोस्त पर फायर, आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

नालागढ़। पुलिस थाना नालागढ़ के अंतर्गत वार्ड नं. 2 नालागढ़ में फायरिंग की घटना सामने आई। जिसमें दोस्त ने अपने ही दोस्त पर देसी कट्टे से फायर कर आरोपी मौके से फरार हो गया। फायरिंग के फरार आरोपी को नालागढ़ पुलिस

◆ **प्राथमिक उपचार के बाद घायल को पीजीआई चंडीगढ़ किया रैफर**

ने एक घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगामी जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दिशांत उर्फ दिशु तथा घायल अमीर खान आपस में दोस्त थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जिस पर आरोपी ने अमीर खान पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। इस दौरान अमीर के हाथ में गोली लगी तथा कुछ छर्रे उसके पेट में भी लगे। घायल को तत्काल सिविल अस्पताल नालागढ़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे आगामी इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। घायल युवक खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बद्दी विनोद धीमान के निर्देशानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। बद्दी पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी को घटना के मात्र एक घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त देसी कट्टा तथा कारतूस का खोल भी बरामद कर लिया है। एसपी बद्दी विनोद धीमान ने बताया कि मामले की जांच गहनता के साथ की जा रही है।

गेहूं की सरकारी खरीद 8 अप्रैल से, 2585 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी निर्धारित

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर में रबी विपणन सत्र 2025-26 के अंतर्गत गेहूं की सरकारी खरीद 8 अप्रैल से प्रारंभ की जा रही है। गेहूं खरीद कार्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के माध्यम से अधिसूचित खरीद केंद्र पांवटा साहिब व धौलाकुआं में की जाएगी। यह जानकारी उपनिदेशक कृषि राजकुमार ने देते हुए बताया कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए राज्य सरकार के पोर्टल https://hpappp.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया 1 मार्च से शुरू की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के समय किसानों को आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, भूमि संबंधित दस्तावेज (जमाबंदी/ततीमा) तथा मोबाइल नंबर ओटीपी सत्यापन हेतु दस्तावेज व जानकारी उपलब्ध करवानी होगी।

उपमुख्यमंत्री ने शिलाई में 7 करोड़ 50 लाख की योजनाओं के शिलान्यास किए

अनंत ज्ञान

नाहन। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जिला सिरमौर के एक दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को शिलाई विधानसभा क्षेत्र के टिंबी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उद्योग, संसदीय कार्य एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान भी उनके साथ शामिल रहे। उपमुख्यमंत्री ने उद्योग मंत्री की उपस्थिति में 90 लाख से निर्मित कालची चियाली उठाऊ पेयजल योजना व रावमापा टिंबी में 25 लाख से निर्मित पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 5 करोड़ 17 लाख की उठाऊ पेयजल योजना थौन्था जाखल के विस्तार की आधारशिला व 1 करोड़ 11 लाख की लागत से टिंबी में जलशक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर का शिलान्यास किया। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शिलाई विधानसभा का नेतृत्व कर रहे उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं उनके सशक्त नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उद्योग मंत्री की कर्तव्य निष्ठा से क्षेत्र में अभूतपूर्ण विकास हो रहा है। उन्होंने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एशियन डेवलपमेंट बैंक के तहत 18 करोड़ की जल आपूर्ति योजना को भी जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने टिंबी में जल शक्ति विभाग के विश्राम गृह का कार्य जल्द पूर्ण करने को कहा तथा शिलाई में बस अड्डा बनाने के लिए भूमि चयन करने को कहा। उपमुख्यमंत्री ने शिलाई से शिमला, शिलाई से हरिद्वार व शिलाई से चंडीगढ़ तथा अन्य लोकल रूटों पर बस चलाने का आश्वासन दिया।

उद्योग मंत्री ने कहा कि टिंबी 10 पंचायतों का केंद्र बिंदु पड़ता है। यहां विश्राम गृह की आवश्यकता थी, जिसके मद्देनजर भूमि आवंटित होने के उपरांत 25 लाख की लागत से रोड तथा अन्य कार्य किए गए।

सिरमौर कल्याण मंच के फाउंडर चेयरमैन रहे एनके बंसल के निधन पर शोक

अनंत ज्ञान, सोलन। सिरमौर कल्याण मंच सोलन के फाउंडर अध्यक्ष रहे सेवानिवृत्त डीएफओ नरेंद्र कुमार बंसल (88) के निधन पर सिरमौर कल्याण मंच ने शोक जताया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। सिरमौर कल्याण मंच के प्रधान प्रदीप मंमगाई ने कहा कि सेवा परमो धर्म: के मार्ग पर चलने वाले नरेंद्र कुमार बंसल समाजसेवा के क्षेत्र में हम सभी के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उन्होंने सोलन में रहने वाले सिरमौर के लोगों को एकजुट करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। मंच के प्रधान के अलावा फाउंडर मेंबर राजेंद्र गुरूंग, राजेंद्र सिंह, नवीन निश्चल शर्मा, अमरीश शर्मा, कंवर वीरेंद्र सिंह, शिव प्रसाद ,यशपाल कपूर, एडवोकेट गगन चौहान, मियां प्रेम सिंह, बलदेव चौहान, डॉ.एसएस परमार, महेंद्र गौतम, राजेंद्र शर्मा व अजय कंवर, एलआर दहिया व वरूण चौहान, डॉ.डीपी शर्मा समेत सभी सदस्यों ने बंसल के निधन पर शोक प्रकट किया है।

मुफ्त बस सेवा बंद कर 236 रुपए का पास अनिवार्य करना शिक्षा विरोधी निर्णय

अनंत ज्ञान

सोलन। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए दी जा रही नि:शुल्क बस सुविधा समाप्त करने के निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए इसे छात्र विरोधी और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला फैसला बताया है।

◆ **सुविधा छीन रही सरकार गरीब परिवारों पर डाला आर्थिक बोझ : भारद्वाज**

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकारी स्कूलों में लगभग 8.50 लाख छात्र पढ़ते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या दूर-दराज क्षेत्रों से रोजाना बसों के माध्यम से स्कूल पहुंचती है। पहले इन छात्रों को बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाती थी, लेकिन अब सरकार ने यह सुविधा समाप्त कर 236 रुपए का हिम बस पास अनिवार्य कर दिया है, जो सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लगातार ऐसे निर्णय ले रही है जिससे आम जनता और विशेष रूप से गरीब परिवार प्रभावित हो रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश के कई ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को स्कूल पहुंचने के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है।

ऐसे में मुफ्त बस सुविधा समाप्त करने से हजारों परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा और कई बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो सकती है। संदीपनी भारद्वाज ने प्रदेश सरकार से मांग की कि वह इस निर्णय पर तुरंत पुनर्विचार करे और स्कूली छात्रों के लिए नि:शुल्क बस सुविधा को बहाल करे।

फूलों की विविधता, स्थिरता का संगम: शूलिनी का वार्षिक फ्लावर फेस्ट बना आकर्षण का केंद्र

शूलिनी विवि में पुष्प उत्सव में खिले 200 से अधिक फूल, 500 आगंतुकों की रही भागीदारी

अनंत ज्ञान

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय वार्षिक पुष्प उत्सव में 500 से अधिक आगंतुक शामिल हुए, जहां विश्वविद्यालय के फार्मों में उगाई गई 200 से अधिक किस्मों के फूलों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के वन विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. पंकज खुल्लर ने किया। वानिकी प्रशासन में व्यापक अनुभव रखने वाले खुल्लर ने वानिकी और मृदा संरक्षण परियोजनाओं की योजना, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में कार्य किया है।
इस अवसर पर उपस्थित एक अन्य अतिथि, रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी (यूके) के आजीवन सदस्य दुरलभ सिंह पुरी ने पुष्प उत्सव के आयोजन के प्रयासों की सराहना की और इसके व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

पुष्प उत्सव प्रदर्शन में पहुंचे लोग। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों को पौधे उगाने और प्रकृति को और अधिक गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। दुरलभ सिंह पुरी ने कहा कि बेगोनिया उनका पसंदीदा पौधा है और यह उत्पादकों को पौधों की देखभाल के बारे में बहुमूल्य सबक सिखाता है, जिसमें कीटों, रोगों और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों से निपटने का तरीका भी शामिल है।

पुष्प उत्सव में स्कूली छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें सेंट ल्यूक स्कूल (सोलन), सोलन पब्लिक स्कूल, गीता आदर्श विद्यालया (सोलन) और सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल (कसौली) के समूह शामिल थे। उत्सव में और भी रौनक लाने के लिए एक लक्की ड्रॉ का आयोजन किया गया, जिसमें 25 आगंतुकों को पुष्प उपहार मिले। इस वर्ष के आयोजन में 200 से अधिक प्रकार के पुष्पीय पौधे प्रदर्शित किए गए, जिनमें ऑर्किड, एंथुरियम, पिंक क्विल, ब्रोमेलियाड, रेनकुलस, बर्ड्स ऑफ पैराडाइज और बेगोनिया शामिल थे।

छात्रों और कर्मचारियों द्वारा बनाई गई रचनात्मक कलाकृतियों और सजावटी व्यवस्थाओं ने उत्सव में कलात्मकता का स्पर्श जोड़ा। कुछ पौधे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंगवाए गए थे, जिनमें चीन से क्रिसमस कैक्टस शामिल था, जबकि बीज जर्मनी और इटली से आयात किए गए थे। लैंडस्केप और इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स के निदेशक सुरेश शर्मा ने वर्षों से उत्सव के विकास के बारे में बताया।

करालघाट जंगल में मिले युवक और युवती के शव

अनंत ज्ञान

परवाणु/सोलन। जिला में परवाणू पुलिस थाना के तहत भोजनगर गांव के समीप करालघाट के घने जंगल में संदिग्ध हालात में युवती और युवक का

◆ **पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों पहलुओं पर कर रही जांच**

◆ **पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई की शुरू**

शव मिलने का मामला सामने आया। युवक का शव फंदे से लटका मिला, जबकि युवती का शव जमीन पर पड़ा था। युवती के मुंह-नाक से खून निकल रहा था। सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही असल कारणों का खुलासा होगा। बहरहाल, पुलिस ने आत्महत्या या फिर हत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। युवक की पहचान 22 वर्षीय करण निवासी खील को मोड़ (पडगयानी) जिला सोलन के रूप में की है, जबकि युवती की शिनाख्त याशिका लामा (20) निवासी गौतम बुद्ध विहार देउंघाट सोलन मूल निवासी नेपाल के तौर पर हुई है। युवक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

डीएसपी परवाणू अनिल ने भी मौके का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि शव कब्जे में ले लिए हैं।

> **पुलिस** ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हर पहलू से तफ्तीश में जुटी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी कई सबूत जुटाए है। परिजनों के भी बयान दर्ज किए जा रहे हैं।
>
> **टी एसडी वर्मा, एसपी, सोलन**

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रंप

नाटो देश बोले- ये हमारी लड़ाई नहीं, होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

एजेंसी, वॉशिंगटन

ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी, लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रंप अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि, इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे। (अनंत ज्ञान)

ब्रिटेन बोला- हम इस युद्ध में नहीं फंसेंगे

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा। यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपियन यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान ने भी साफ कर दिया है कि वे अपने युद्धपोत नहीं भेजेंगे।

ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच ट्रंप ने अपनी बीजिंग यात्रा टाली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान से जुड़ा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष के कारण उन्होंने चीन की अपनी तय यात्रा को फिलहाल टाल दिया है, क्योंकि इस समय उन्हें वॉशिंगटन में रहना जरूरी लग रहा है। जब ओवल ऑफिस में पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या यह युद्ध इसी सप्ताह खत्म हो सकता है, तो उन्होंने कहा कि ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन यह ज्यादा लंबा नहीं चलेगा। उनके मुताबिक, जब यह युद्ध समाप्त होगा तो दुनिया पहले से ज्यादा सुरक्षित हो जाएगी। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने चीन से अपनी यात्रा लगभग एक महीने के लिए टालने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि वे चीन के साथ बातचीत को लेकर उत्साहित हैं और वहां जाना चाहते हैं, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए उन्हें अमेरिका में ही रहना जरूरी लग रहा है।

ओडिशा में कांग्रेस ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

एजेंसी, नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कांग्रेस पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को वोट दिया था, जिसके चलते कांग्रेस और बीजद के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने तीनों बागी विधायकों को निलंबित करते हुए कहा कि इन विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक व्हिप का उल्लंघन किया है, जो पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बयान जारी कर कहा, तीनों विधायकों ने न सिर्फ पार्टी के निर्देशों को नहीं माना बल्कि पार्टी और इसकी विचारधारा के हितों के खिलाफ काम किया। इसका संज्ञान लेते हुए तीनों विधायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि तीनों पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है और इन्हें पार्टी से निष्कासित करने पर भी विचार किया जा सकता है। कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष अरविंद दास ने बताया कि मामले की समीक्षा की जा रही है। ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसकी जानकारी दी गई है। (अनंत ज्ञान)

◆ **राज्यसभा चुनाव में बीजेपी को दिया था वोट**

संसद में राहुल के व्यवहार पर सवाल उठाए, 204 पूर्व अधिकारियों ने लिखा खुला पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। संसद की गरिमा और संवैधानिक मर्यादाओं को लेकर देश के प्रतिष्ठित नागरिकों और पूर्व सार्वजनिक सेवकों ने एक खुला पत्र लिखकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया व्यवहार पर कड़ा ऐतराज जताया है। पत्र में 12 मार्च को संसद परिसर में हुई घटना का जिक्र करते हुए इसे 'संसदीय परंपराओं का अपमान' करार दिया गया है। मामला है 12 मार्च को संसद परिसर के भीतर हुई उस घटना का, जिसे इन दिग्गजों ने 'लोकतंत्र के मंदिर' का अपमान करार दिया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी एसपी वैद की अगुआई में कुल 204 प्रबुद्ध नागरिकों ने एक खुला पत्र जारी कर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनके साथियों के आचरण पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। इस पत्र का मुख्य बिंदु वह वाकया है, जब राहुल गांधी और विपक्ष के कुछ सांसद संसद की सीढ़ियों पर बैठकर चाय-बिस्कुट का आनंद लेते दिखे थे। पूर्व अधिकारियों का कहना है कि यह महज एक नाश्ता नहीं था, बल्कि सदन के भीतर लागू अनुशासन और स्पीकर के उन आदेशों की जानबूझकर की गई अवहेलना थी, जिसमें परिसर के भीतर किसी भी तरह के विरोध या धरने पर रोक लगाई गई थी। पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि संसद की सीढ़ियां कोई राजनीतिक रंगमंच या तमाशा दिखाने की जगह नहीं हैं, बल्कि वे उस गरिमा का हिस्सा हैं जहां देश की किस्मत लिखी जाती है। समन्वयक एसपी वैद ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जब विपक्ष के नेता जैसा जिम्मेदार व्यक्ति ही नियमों को ठेंगा दिखाने लगे, तो इससे देश की संवैधानिक साख को चोट पहुंचती है। (अनंत ज्ञान)

चांदी 5 हजार बढ़कर 2.54 लाख पर पहुंची, सोना 300 रुपए बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने और चांदी के दामों में मंगलवार को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 300 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी 5 हजार रुपए बढ़कर 2.54 लाख रुपए पर पहुंच गई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी के दाम 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थे। इसके बाद से इनकी कीमत में काफी गिरावट आ चुकी है। इसलिए इनकी खरीदारी देखने को मिल रही है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.56 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 23 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 24 हजार रुपए महंगी हुई है। (अनंत ज्ञान)

उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में बम विस्फोट में 23 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

एजेंसी, मैदुगुरी। उत्तर पूर्वी नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर सोमवार रात को संदिग्ध आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष ग्रस्त मैदुगुरी में हाल के वर्षों में सबसे भीषण हमलों में से एक है। इससे पूर्व स्थानीय निवासियों एवं आपात सेवाओं ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में 'मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल' के प्रवेश द्वार पर और एक प्रमुख बाजार सहित भीड़ भाड़ वाले तीन स्थानों पर विस्फोट की सूचना मिली। बोर्नो पुलिस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा इनके आत्मघाती विस्फोट होने का संदेह है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से 23 लोगों की जान चली गई जबकि 108 अन्य घायल हो गए। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन संदेह है कि बोको हराम जिहादी समूह ने इन हमलों को अंजाम दिया है जिसने 2009 में शरिया लागू करने के लिए उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में विद्रोह शुरू किया था। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी 172 अंक का उछाल

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में मंगलवार को बढ़त रही। सेंसेक्स 568 अंक की तेजी के साथ 76,071 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 172 अंक की बढ़त रही, ये 23,581 पर बंद हुआ।

एनर्जी, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में बढ़त रही। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.63% चढ़कर 5,640 पर बंद हुआ। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.13% चढ़कर 25,868 पर बंद हुआ। वहीं, जापान का निक्केई इंडेक्स 09% गिरकर 53,700 पर, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.85% नीचे 4,049 पर बंद हुआ। एग्रोकेमिकल कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस का आईपीओ 16 मार्च से ओपन हो चुका है। इसमें आम निवेशक 18 मार्च तक पैसा लगा सकेंगे। कंपनी इस मेनलाइन इश्यू के जरिए 400 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसमें मिनिमम 14,720 रुपए लगाने होंगे। सोमवार को भी शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 938 अंक की तेजी के साथ 75,502 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 257 अंक की तेजी रही, ये 23,408 के स्तर पर बंद हुआ था। (अनंत ज्ञान)

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने बदले 19 अफसर

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का एलान होने के बाद से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हो चुका है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को भी 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। तबादला किए गए अधिकारियों में उत्तर, दक्षिण बंगाल के एडीजी भी शामिल हैं। इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव का भी तबादला किया जा चुका है।

आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं, के जयरामन को उत्तर बंगाल के एडीजी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों 1997 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। आसनसोल-दुर्गापुर, हावड़ा, बराकपोर और चंदननगर जिलों में भी नए कमिश्नर ऑफ पुलिस की नियुक्ति की गई है। 13 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी ताजा फेरबदल में बदले गए हैं। (अनंत ज्ञान)

मणिपुर: प्रीपाक, केवाईकेएल व केसीपी के 5 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के कैडरों के विरुद्ध जारी अभियान के दौरान टेंगनौपाल जिले से अलग-अलग संगठनों के पांच कैडरों को गिरफ्तार किया गया है।

उग्रवादियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में बताया गया कि सोमवार को सुरक्षाबलों ने टेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय बार्डर पोस्ट (बीपी) 73 और 75 के बीच से वीबीआईजी के पांच कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात हो कि मोरेह इलाके की सीमा म्यांमार देश से लगती है। गिरफ्तार कैडरों की पहचान वाइखोंग गांव के थांगजम अशोक कुमार सिंह उर्फ खोंगथांग (प्रीपाक), लाइश्रम निपमाचा सिंह उर्फ लोइया (प्रीपाक), थांगजाम मणिमातुम मैतेई उर्फ सना (केवाईकेएल), लाइश्रम इनाओ सिंह उर्फ सनमाचा (केसीपी-एमएफएल) और चिंगंगबाम शक्ति सिंह उर्फ फेयरन (केसीपी-एमएफएल) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है। (अनंत ज्ञान)

प्रॉपर्टी कारोबारी से 17 करोड़ की ठगी, पुलिस की 20 टीमें जांच में जुटी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। फरीदाबाद शहर में साइबर ठगों ने एक प्रॉपर्टी कारोबारी के साथ अब तक की सबसे बड़ी साइबर ठगी को अंजाम दिया है। ठगों ने शेयर मार्केट में पैसा निवेश कराकर मोटे मुनाफे का लालच देकर 17 करोड़ रुपए ठग लिए, अब पुलिस की 20 टीमों को इन ठगों को पकड़ने के लिए लगाया गया है, जो अलग-अलग राज्यों में दबिश दे रही है। जानकारी के अनुसार पीड़ित प्रॉपर्टी कारोबारी सेक्टर -15 का रहने वाला है। कुछ समय पहले उसने हाईवे के साथ एक एकड़ जमीन को बेचा था। इसको बेचकर उसके पास ये पैसा आया था, उसी दौरान उसके मोबाइल पर शेयर मार्किट में निवेश कर मुनाफा कमाने का एक मैसेज प्राप्त हुआ था। इसके बाद उसी मैसेज में दिए गए नंबर पर निवेश को लेकर बात हुई। बात करने वाले साइबर ठग ने अपने आपकों निवेश करने वाली टीम का हिस्सा बताया और अपने अनुभव का हवाला देते हुए मोटा मुनाफा दिलाने की बात कही। इसके बाठ ठगों ने प्रापर्टी कारोबारी के फोन में एक फर्जी एप डाउनलोड करा दिया था। जिस पर शेयर मार्किट के बारे जानकारी और पैसे निवेश के बारे में बताया गया था। ठगों के बहकावे में आकर कारोबारी ने शुरूवात में छोटे अमाउंट में पैसे इनवेस्ट करना शुरू किया। इस दौरान उसको ऐप पर उसके द्वारा लगाए गए पैसों में मुनाफा दिखाया गया। कारोबारी ने निवेश किए गए पैसों में मुनाफा देख मोटी रकम निवेश करनी शुरू कर दी। इस तरह उसने कुछ समय में 17 करोड़ रुपए का निवेश कर दिया।

चेक बाउंस मामले में कोचिंग संस्थान एके विद्या मंदिर दोषी

अनंत ज्ञान

◆ **निदेशक अनूप शर्मा को छह महीने की सजा**

◆ **विज्ञापन प्रकाशित कराने के बाद भुगतान के लिए दिए गए चेक हुए बाउंस**

चंडीगढ़। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में चंडीगढ़ की अदालत ने कोचिंग संस्थान एके विद्या मंदिर प्राइवेट लिमिटेड तथा उसकी निदेशक अनूप शर्मा को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

यह मामला 1.5 लाख के भुगतान से संबंधित है, जो विज्ञापन सेवाओं के लिए देय था। मामले के अनुसार, एके विद्या मंदिर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए मोंगा एडवरटाइजिंग के प्रोप्राइटर राजेश मोंगा से संपर्क किया गया था, जिसके बाद विभिन्न समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए गए। विज्ञापनों के प्रकाशन के बाद भुगतान के रूप में कंपनी की ओर से 75,000-75,000 के दो चेक जारी किए गए। हालांकि, बैंक में प्रस्तुत करने पर दोनों चेक बाउंस हो गए। अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों और रिकॉर्ड के आधार पर एके विद्या मंदिर प्राइवेट लिमिटेड तथा इसकी निदेशक अनूप शर्मा को धारा 138, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 के तहत दोषी ठहराया गया। अदालत ने अनूप शर्मा को 6 महीने की सजा सुनाई है। वहीं, कंपनी के अन्य निदेशक कैलाश शर्मा और अनुसूया शर्मा न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए, जिन्हें पूर्व में ही 'प्रोक्लेम्ड पर्सन' घोषित किया जा चुका है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उनकी गिरफ्तारी या सरेंडर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में शिकायतकर्ता राजेश मोंगा की ओर से वकील रोहित उम्मत हर बार अदालत में पेश होते रहे। इसके अलावा, मोंगा एडवरटाइजिंग की तरफ से इनके खिलाफ और भी चेक बाउंस के केस चल रहे हैं, जिनका फैसला अभी आना बाकी है।

'आप' विधायक अनमोल गगन मान के पति शाहबाज समेत 3 को दो साल की सजा

अनंत ज्ञान, मोहाली। करोड़ों रुपए के चेक बाउंस मामले में खरड़ से विधायक अनमोल गगन मान के पति शाहबाज सिंह को डेरा बस्सी कोर्ट ने दो साल जेल की सजा सुनाई है। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने एक हाउसिंग प्रोजेक्ट कंपनी के पार्टनर्स के खिलाफ केस में शाहबाज सिंह सोही समेत तीन लोगों को दोषी ठहराया है। डेरा बस्सी कोर्ट में करीब 7 साल तक चले केस की सुनवाई के बाद ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास परनीत कौर ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने खरड़ से मौजूदा विधायक के पति और जीरकपुर के रहने वाले शाहबाज सिंह सोही सहित तीनों दोषियों को दो-दो साल जेल और 10,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है, हालांकि तीनों ने मौके पर ही बेल अमाउंट भरकर जमानत ले ली। जीरकपुर के पूर्व सरपंच जसपाल सिंह के भाई कमलजीत सिंह ने 2018 में कोर्ट में शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया था 'मेसर्स प्लेटिनम स्मार्ट बिल्डकॉन' के तीन पार्टनर शाहबाज सिंह सोही, जतिंदर सिंह और नछत्तर सिंह ने राजपुरा में 'सिल्वर सिटी' प्रोजेक्ट में करोड़ों का प्लॉट बेचने की डील तय की थी। जब डील पक्की नहीं हुई, तो एग्रीमेंट में 3.5 करोड़ रुपए का चेक दिया गया जो बाउंस हो गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद शिकायत करने वाले का पक्ष मजबूत होने पर कोर्ट ने तीनों को सजा का फैसला सुनाया। शिकायतकर्ता के वकील भरत जोशी ने बताया कि कोर्ट में करीब 7 साल तक चले केस की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया गया है। कोर्ट से सजा पाए शाहबाज सिंह सोही की पत्नी अनमोल गगन मान पंजाब सरकार में मंत्री और पंजाबी गायिका हैं। अनमोल गगन मान को गगनदीप कौर मान के नाम से भी जाना जाता है। वह पंजाबी लोकगीतों और भांगड़ा गीतों के लिए जानी जाती हैं।

गैंगस्टरों को भगाने की बात करने वाले खुद 'गैंगस्टर्स लाओ' कैंपेन चला रहे: कुलदीप सिंह

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि तरनतारन से कंचनप्रीत कौर को चुनाव क्षेत्र इंचार्ज लगाकर बादल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 में पंजाब के अंदर किस तरह के माडल लाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा गुजरात मॉडल की बात करती है या हरियाणा सरकार हरियाणा मॉडल की बात करती है, उसी तरह सुखबीर बादल अब पंजाब में अपना 'सुखबीर मॉडल' पेश कर रहे हैं, जिससे सिर्फ आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को बढ़ावा मिलेगा। मंगलवार को पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए धालीवाल ने कहा कि अगर सुखबीर सिंह बादल अपने 'गैंगस्टर्स लाओ' मुहिम के तहत ऐसा मॉडल पेश करना चाहते हैं, तो उन्हें अभी सभी 117 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देनी चाहिए, ताकि लोगों को उनकी असली सोच का पता चल सके।

उन्होंने कहा कि सुखबीर बादल को अब अबोहर से जगदीश भोले जैसे लोगों को भी टिकट देने की घोषणा कर देनी चाहिए। उन्होंने सुखबीर बादल से सवाल करते हुए पूछा कि वह डेरा बाबा नानक से पहले जैसे लोगों के नामों की घोषणा करने में देरी क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि अगर अकाली दल पंजाब के जख्मों पर नमक छिड़कना चाहता है, तो सुखबीर बादल बरगाड़ी, बहबल कलां और कोटकपूरा में निहत्थे सिखों पर गोलियां चलाने वाले सुमेध सैनी और उमरानंगल जैसे विवादित अधिकारियों को भी मैदान में उतारने का ऐलान करें। धालीवाल ने कहा कि सुखबीर बादल को अब गुरमीत राम रहीम से भी सूचि मंगवा लेनी चाहिए ताकि उनके 'गैंगस्टर और क्रिमिनल' मॉडल की तस्वीर पूरी तरह साफ हो सके। धालीवाल ने सुखबीर बादल पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उन 'कमाऊ बेटों' को टिकट दें, जिन्होंने दरबार साहिब की लंगर की सूखी रोटियों के घोटाले करके बादलों के घर पैसे भेजे हैं। उन्होंने कहा कि सुखबीर जी, उन लोगों को भी टिकट दें जिन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 स्वरूप चुराए और अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट कोहली को भी मैदान में उतारें जो आपके पैसों का हिसाब रखता है। उन पुराने जत्थेदारों को भी टिकट दो जिन्होंने तुम्हारे कहने पर राम रहीम को माफी दी थी, ताकि पंजाब के लोगों को पता चले कि तुम्हारी टोली में किस तरह के लोग शामिल हैं।

पंजाब स्टेट ट्रेडर्स' कमीशन व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगा: विधायक कुलजीत

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा व्यापारियों व निवेशकों के लिए अनुकूल एवं मित्रवत वातावरण उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने पंजाब स्टेट ट्रेडर्स' कमीशन के वाइस चेयरमैन अनिल ठाकुर के साथ आज जीरकपुर में व्यापारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की।

विधायक रंधावा ने कहा कि पंजाब स्टेट ट्रेडर्स' कमीशन हल्का स्तर से लेकर जिला और राज्य स्तर तक सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है ताकि व्यापारियों को आ रही समस्याओं का समाधान जमीनी स्तर से ही सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा करने और व्यापारिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने के लिए वचनबद्ध है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन अनिल ठाकुर ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि कमीशन सरकार और व्यापारियों के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से नोट किया गया है और संबंधित विभागों को दो सप्ताह के भीतर उनके समाधान के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मामलों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाएगी ताकि व्यापारियों को समय पर राहत मिल सके और कारोबार करना और आसान बने। बैठक के दौरान व्यापारियों द्वारा टैक्सेशन, नगर परिषद सेवाओं, पुलिसिंग, नागरिक सेवाओं तथा अन्य नियामक प्रक्रियाओं से संबंधित कई मुद्दे उठाए गए। इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागों को दो सप्ताह के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर चेयरमैन जिला ट्रेडर्स' कमीशन मोहाली रणजीत पाल सिंह; वाइस चेयरमैन तरलोचन सिंह बैदवान; हल्का डेराबस्सी ट्रेडर्स' कमेटी के चेयरमैन अजय कुमार; एसडीएम डेराबस्सी अमित गुप्ता; डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस डेराबस्सी एवं जीरकपुर; असिस्टेंट कमिश्नर स्टेट टैक्स एसएएस नगर-3, नगर परिषद डेराबस्सी आदि उपस्थित रहे।

पंजाब में एलपीजी संकट के आसार, डिस्ट्रीब्यूटर्स ने जताई चिंता

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। पंजाब में एलपीजी आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ पंजाब (एफएलडीपी) ने मंगलवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जमीनी हकीकत सामने रखी। फेडरेशन ने सरकार के पर्याप्त आपूर्ति के दावों और जमीनी स्तर पर उपभोक्ताओं व डिस्ट्रीब्यूटर्स को हो रही परेशानियों के बीच बढ़ते अंतर पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

फेडरेशन के अध्यक्ष गुरपाल सिंह मान ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते जियो-पोलिटिकल तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे महत्वपूर्ण सप्लाई मार्गों में रुकावट के कारण ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अचानक एलपीजी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी है। घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपये तक बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बिना पर्याप्त तैयारी और क्लीयर काम्युनिकेशन के लिए गए इस फैसले से उपभोक्ताओं में घबराहट फैल गई है और संभावित कमी की आशंका बढ़ गई है।

फेडरेशन ने आगे बताया कि स्थिति को संभालने के बजाय हाल के नीतिगत फैसलों ने भ्रम और चिंता को और बढ़ा दिया है। शहरी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 45 दिन के बीच ही बुकिंग की अनुमति, साथ ही 3-4 दिनों तक बुकिंग चैनलों का अस्थायी बंद रहना, लंबित बुकिंग्स में भारी वृद्धि का कारण बना है। इस बीच, डिस्ट्रीब्यूटर्स पर उपभोक्ताओं का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जबकि बॉटलिंग प्लांट्स से आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं हो पा रही है। फेडरेशन ने जोर देकर कहा कि सरकारी दावों के बावजूद राज्यभर में डिस्ट्रीब्यूटर्स को बैकलॉग और अनियमित आपूर्ति की समस्या से जूझना पड़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सख्त नीतियां, अचानक मूल्य वृद्धि और सिस्टम में रुकावट ने मिलकर उपभोक्ताओं में घबराहट को बढ़ाया है। इसके साथ ही फेडरेशन ने नीति-निर्माताओं और जमीनी स्तर के स्टेकहोल्डर्स के बीच पूरी तरह से संवादहीनता (लैक ऑफ डायलॉग्स) पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि डिस्ट्रीब्यूटर्स को न तो निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है और न ही उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं को समझने का कोई प्रभावी तंत्र मौजूद है। फेडरेशन ने यह भी चिंता जताई कि बढ़ती जन-नाराजगी के कारण डिस्ट्रीब्यूटर्स और उनके कर्मचारियों पर दबाव और जोखिम लगातार बढ़ रहा है, जबकि ये समस्याएं उनके नियंत्रण से बाहर हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए फेडरेशन ने तुरंत और प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है।

फेडरेशन ने सरकार और संबंधित एजेंसियों से अपील की कि डिस्ट्रीब्यूटर्स और आम जनता के साथ पारदर्शी और नियमित संवाद सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बुकिंग नियमों में सुधार कर भ्रम और असमानता को दूर किया जाए। आपूर्ति बढ़ाने और बॉटलिंग प्लांट्स को पूरी क्षमता से चलाने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा, 100 फ़ीसदी डायरेक्ट अकाउंट क्रेडिट लागू करने की सिफारिश की गई ताकि डिस्ट्रीब्यूशन में पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की गड़बड़ी रोकी जा सके।

'आप' सरकार वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल: बलबीर सिद्धू

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। सीनियर कांग्रेस नेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बदलाव के नारे के साथ सत्ता में आई यह सरकार लोगों से किए गए वादे पूरे करने में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 16 नए मेडिकल कॉलेज बनाने का वादा किया था, लेकिन अभी तक जमीन पर एक भी नया मेडिकल कॉलेज बनता नजर नहीं आ रहा। सिद्धू ने कहा कि हाल ही में विधानसभा में इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने यह कहकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की कि 2017 से 2022 के दौरान कांग्रेस सरकार के समय भी कोई मेडिकल कॉलेज नहीं बना था। उन्होंने कहा कि यह दावा पूरी तरह गलत और तथ्यों के विपरीत है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान मोहाली में Dr. B. R. Ambedkar State Institute of Medical Sciences की स्थापना 2021 में की गई थी, जहां लगभग 100 एमबीबीएस सीटें हैं और इस समय करीब 500 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इस साल यहां से लगभग 100 छात्र अपनी पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनकर निकलेंगे। बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि आप के मंत्रियों को बिना तथ्यों की जांच किए इस तरह के गलत बयान नहीं देने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को लोगों को गुमराह करने के बजाय सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए गंभीरता से काम करना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को मोहाली में बने इस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सिद्धू ने कहा कि यदि सरकार अपने ही राज्य में बनी संस्थाओं से अनजान है तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अंत में उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार केवल दावों और विज्ञापनों तक ही सीमित रह गई है, जबकि जमीन पर वास्तविक काम कांग्रेस सरकार के दौरान हुआ था, जिसका लाभ आज भी पंजाब के लोगों को मिल रहा है।

स्पोर्ट्स विंडो

पत्नी के एक सवाल ने बदली सूर्यकुमार यादव की किस्मत

◆ देविशा की सादगीभरी सलाह बनी टर्निंग प्वॉइंट

एजेंसी, नई दिल्ली। कभी-कभी जीवन में बड़े बदलाव की शुरुआत एक छोटे से सवाल से होती है। सूर्यकुमार यादव के लिए यह सवाल उनकी पत्नी देविशा ने 2018 में पूछा था- 'अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है?' यही सरल लेकिन गहरा सवाल उनके करियर का निर्णायक मोड़ बन गया। सूर्यकुमार बताते हैं कि 2016 में शादी के बाद सब कुछ सामान्य तरीके से चल रहा था। वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और खेल का आनंद ले रहे थे, लेकिन जब वह 2018 में मुंबई इंडियंस से जुड़े, तब देविशा ने उनके करियर को एक अलग नजरिए से देखा और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति अधिक स्पष्ट होने के लिए प्रेरित किया। इस बातचीत के बाद दोनों ने मिलकर जीवनशैली में कई बदलाव किए। खान-पान से लेकर दोस्तों के साथ समय बिताने तक, हर चीज में अनुशासन लाया गया। सप्ताहांत की मौज-मस्ती कम हुई और ट्रेनिंग व फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दिया गया। इसका असर जल्द ही दिखने लगा। 2018 के आईपीएल सीजन में सूर्यकुमार ने शानदार प्रदर्शन किया और घरेलू क्रिकेट में भी निरंतरता बनाए रखी। उन्होंने 2019 और 2020 में भी इसी फोकस के साथ खेल जारी रखा। 2020 में उनका प्रदर्शन और निखर कर सामने आया, जिससे 2021 में भारतीय टीम में उनकी एंट्री का रास्ता खुला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह विश्व कप विजेता कप्तान के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

ओलंपिक डेब्यू से बदला खेल: अनाहत

एजेंसी, मुंबई। भारत की शीर्ष स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने कहा है कि स्क्वाश के ओलंपिक में शामिल होने के बाद अब सभी खिलाड़ियों का फोकस लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 पर है। अनाहत के मुताबिक, ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है और स्क्वाश के शामिल होने से इस खेल को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि पहले खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रमंडल खेल ही बड़ा मंच था, लेकिन अब ओलंपिक ने लक्ष्य को और ऊंचा कर दिया है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में उनकी तैयारी का केंद्र भी ओलंपिक ही रहेगा और वह देश के लिए पदक जीतने का सपना लेकर आगे बढ़ रही हैं। इस बीच जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन जैसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों को रैंकिंग सुधारने और बड़े आयोजनों की तैयारी का मौका दे रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी रमित टंडन ने भी माना कि ओलंपिक में शामिल होने से स्क्वाश को कॉरपोरेट समर्थन मिला है, जिससे खेल का ढांचा मजबूत हुआ है। अनाहत फिलहाल एक-एक टूर्नामेंट पर ध्यान दे रही हैं और एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रख रही हैं। (अनंत ज्ञान)

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

एजेंसी, लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी स्टेडियम में 1994 का पुरुष विश्व कप का फाइनल, 1999 का महिला विश्व कप का फाइनल और 1984 के ओलंपिक खेलों का स्वर्ण पदक का मैच आयोजित किया गया था। टूर्नामेंट का विस्तृत कार्यक्रम इस साल के आखिर में जारी किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

खूबसूरत अंदाज में एलिस केप्सी

इंग्लैंड। इंग्लैंड की ऑलराउंडर खिलाड़ी एलिस केप्सी भी खूबसूरती में किसी से कम नहीं हैं। या यूं कहें कि एलिस अपनी खूबसूरती से बॉलीवुड एक्ट्रेस को भी कड़ी टक्कर देती हैं।

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
''अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र''
शिमला – सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला – राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन – मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी – अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर – विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर – अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा – राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना – राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति – कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट – अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली – गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615
Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com

दूसरा टी20 : एक-एक से बराबर की सीरीज, कॉनवे ने बनाए 60 रन

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराया

सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने झटके तीन–तीन विकेट

एजेंसी, हैमिल्टन

सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली, जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन–तीन विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर कर ली।

कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए।

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए।

दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तूफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। हाल ही में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन जबकि फर्ग्यूसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने कहा, ''मुझे लगा कि हमने एक समय तक बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन खराब रहा। खेल आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो गया था।'' तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल में एसआरएच की कप्तानी कर सकते हैं अभिषेक

पैट कमिंस की फिटनेस ने बढ़ाई टेंशन

एजेंसी, नई दिल्ली

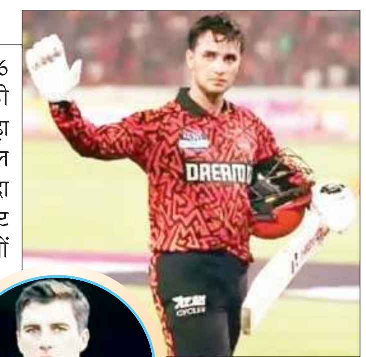

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। टीम के मौजूदा कप्तान पैट कमिंस की चोट के चलते शुरुआती मुकाबलों में उनकी अनुपस्थिति लगभग तय मानी जा रही है। ऐसे में भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को टीम की कमान सौंपी जा सकती है।

कमिंस लंबे समय से पीठ की समस्या से जूझ रहे हैं। यह चोट 2025 के दौरान शुरू हुई थी और एशेज सीरीज के दौरान और गंभीर हो गई। इसी कारण वह टी20 विश्व कप के साथ–साथ एशेज के कई अहम मुकाबलों में भी नहीं खेल सके। रिपोर्ट्स के अनुसार, 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 के शुरुआती मैचों में भी उनकी उपलब्धता संदिग्ध है।

ऐसे हालात में टीम मैनेजमेंट एक अंतरिम समाधान के तौर पर अभिषेक शर्मा को कप्तानी देने पर विचार कर रहा है। योजना यह है कि जैसे ही कमिंस पूरी तरह फिट होकर टीम में वापसी करेंगे, कप्तानी फिर से उन्हें सौंप दी जाएगी।

अभिषेक शर्मा को यह जिम्मेदारी मिलने की मुख्य वजह उनका शानदार फॉर्म और बढ़ता अनुभव है। उन्होंने अब तक आईपीएल में 77 मैचों में 1816 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 160 से अधिक का है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। इसके अलावा उनके नाम एक शतक और नौ अर्द्धशतक भी दर्ज हैं। टीम प्रबंधन का मानना है कि अभिषेक की निडर बल्लेबाजी, मैच की समझ और युवा ऊर्जा उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाती है। अगर उन्हें यह मौका मिलता है, तो यह उनके करियर का एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

टेस्ट क्रिकेट में महिलाओं के लिए बढ़ें मैच : प्रतिका रावत

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने की मांग

भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने टेस्ट क्रिकेट को अपना पसंदीदा प्रारूप बताते हुए महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच आयोजित करने की वकालत की है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दिन–रात्रि टेस्ट में 63 रन की अहम पारी खेलकर टीम को पारी की हार से बचाने वाली प्रतिका का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि बचपन से ही उन्हें इस प्रारूप के लिए तैयार किया गया और सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा जैसे महान बल्लेबाजों से प्रेरणा मिली। प्रतिका ने जोर देकर कहा कि महिला क्रिकेट में जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, खेल का स्तर उतना ही ऊंचा उठेगा। हाल ही में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के कार्यक्रम में उन्हें 51 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने गर्व का क्षण बताया।

प्रतिका के अनुसार, खिलाड़ियों को मिलने वाली पहचान उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है और उनका फोकस हमेशा टीम के लिए योगदान देने पर रहता है। (अनंत ज्ञान)

टी20 विश्व कप 2024 में अनुभवी जोश कारगर साबित हुआ तो 2026 में 'गरम खून' ने किया कमाल : सूर्यकुमार यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2024 और 2026 की टी20 विश्व कप विजेता टीमों के बीच फर्क को बेहद दिलचस्प अंदाज में समझाया। उनके मुताबिक, 2024 की टीम में जहां 'अनुभवी जोश' था, वहीं 2026 की टीम 'युवाओं के गरम खून' से भरी हुई थी।

2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल थे, जिनका लक्ष्य लंबे समय से चले आ रहे आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना था। टीम ने दबाव और मानसिक चुनौतियों को पार करते हुए खिताब जीता। इसके बाद इन दिग्गजों के संन्यास लेने पर 2026 में टीम की कमान सूर्यकुमार को मिली। उनकी अगुवाई में युवा खिलाड़ियों से भरी टीम ने घरेलू सरजमीं पर खिताब का सफल बचाव किया। सूर्यकुमार ने कहा कि दोनों टीमों में 'उन्नीस–बीस' का ही फर्क था। 2024 में अनुभव और स्पष्ट भूमिकाएं टीम की ताकत थीं, जबकि 2026 में खिलाड़ियों का जोश, ऊर्जा और निडरता निर्णायक साबित हुई। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू मैदान पर खेलना आसान नहीं था। हजारों दर्शकों के बीच दबाव को संभालना और खिलाड़ियों को उस माहौल के लिए मानसिक रूप से तैयार करना एक बड़ी चुनौती थी। सूर्यकुमार के अनुसार, कौशल के स्तर पर दोनों टीमें लगभग बराबर थीं, लेकिन इस बार युवाओं के जोश ने फर्क पैदा किया और भारत को एक और विश्व कप दिलाया। (अनंत ज्ञान)

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में हासिल किए 80 प्रतिशत अंक : यादव

नई दिल्ली। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मजेदार अंदाज में कहा कि भले ही वह पढ़ाई में अच्छे अंक नहीं ला सके, लेकिन क्रिकेट में उन्होंने '80 प्रतिशत' हासिल कर लिया है। दरअसल, उनकी कप्तानी में भारत ने अब तक 52 में से 42 मैच जीते हैं, जो करीब 80 प्रतिशत जीत दर है। इस शानदार रिकॉर्ड ने उन्हें बेहद खुश किया है, खासकर इसलिए क्योंकि स्कूल और कॉलेज के दिनों में वह कभी 50-60 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाए थे। सूर्यकुमार ने कहा कि वह आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते, लेकिन जीतना हर खिलाड़ी को पसंद होता है और उन्हें भी हार बिल्कुल पसंद नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके परिवार ने शुरुआत में पढ़ाई पर जोर दिया, लेकिन जल्द ही समझ गया कि उनका मन खेल में है। इसके बाद परिवार ने उन्हें क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए पूरा समर्थन दिया। मुंबई में पले-बढ़े सूर्यकुमार ने अपने परिवार के भरोसे को सही साबित किया और आज वह विश्व कप विजेता कप्तान के रूप में भारतीय क्रिकेट के शीर्ष पर हैं।

विश्व कप से पहले मैत्री मैचों के लिए नेमार ब्राजील की फुटबॉल टीम से बाहर

एजेंसी, रियो डी जनेरियो

स्टार स्ट्राइकर नेमार को इस महीने अमेरिका में होने वाले मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की फुटबॉल टीम में नहीं चुना गया है जिससे उनके विश्व कप में खेलने को लेकर संदेह पैदा हो गया है। ब्राजील के पूर्व कप्तान 34 वर्षीय नेमार अक्तूबर 2023 में चोटिल होने के बाद से पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस के खिलाफ और चार दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को कहा, ''यह एक ऐसी टीम है जिसमें उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जो पूरी तरह से फिट हैं।'' ब्राजीली लीग में सैंटोस और कोरिनथियंस के बीच 1–1 से ड्रॉ रहे मैच में नेमार का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। नेमार ने साओ पाउलो में एक कार्यक्रम में मीडिया से कहा कि दो मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की टीम में शामिल न होने से वह ''दुखी और निराश'' हैं लेकिन उन्हें अभी उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे।

उन्होंने कहा, ''मेरा पूरा ध्यान हर अभ्यास सत्र और हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अपना लक्ष्य हासिल करेंगे। अभी अंतिम टीम का चयन होना बाकी है।'' विश्व कप टीम की घोषणा 18 मई को की जाएगी। टीम का आखिरी अभ्यास मैच 31 मई को रियो डी जनेरियो में पनामा के खिलाफ होगा। (अनंत ज्ञान)

टॉमी फ्लीटवुड 'डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' में खिताब का करेंगे बचाव

एजेंसी, नई दिल्ली। विश्व रैंकिंग में तीसरे पायदान पर काबिज टॉमी फ्लीटवुड 15 से 18 अक्तूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में आयोजित होने वाली 'डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' में अपने खिताब का बचाव करने के लिए वापसी करेंगे।

पिछले साल इस आयोजन के शुरुआती सत्र में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को पछाड़कर फ्लीटवुड ने 'डीपी वर्ल्ड टूर' पर अपना आठवां खिताब जीता था। वह अब एक बार फिर 40,00,000 डॉलर पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। फ्लीटवुड ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''पिछले सत्र में डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में मेरा सप्ताह अविश्वसनीय रहा।''

उन्होंने कहा, ''भारत में रहने के कई फायदे हैं, लोगों की गर्मजोशी, शहर का माहौल, खाना और इतने चुनौतीपूर्ण और रणनीतिक कोर्स पर खेलने का अनुभव।'' फ्लीटवुड ने कहा, '' वह जीत मेरे लिए इस लिए भी खास थी क्योंकि मेरी जीत का जश्न मनाने के लिए मेरा परिवार वहां मौजूद था।'' उन्होंने कहा, ''टूर्नामेंट के शुरुआती सत्र में इतने शानदार खिलाड़ियों के बीच खेलना मेरे लिए खुशी की बात थी और मैं अक्तूबर (2026) में भी ऐसा ही करने के लिए उत्सुक हूं।'' यह चैम्पियनशिप 2026 'रेस टू दुबई' के नौ टूर्नामेंटों में से आठवां आयोजन होगा। (अनंत ज्ञान)

डोनाल्ड ट्रंप प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है वाडा

एजेंसी, न्यूयॉर्क। विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी (वाडा) एक ऐसे सख्त नियम पर विचार कर रही है, जिसके तहत डोनाल्ड ट्रंप सहित अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने से रोका जा सकता है–ईवन अगर ये आयोजन अमेरिका में ही क्यों न हों। यह विवाद अमेरिका और वाडा के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव का हिस्सा है। मुख्य कारण अमेरिका द्वारा वाडा को देय वार्षिक शुल्क का भुगतान रोकना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 2024 और 2025 के दौरान करीब 73 लाख डॉलर की राशि रोक रखी है। तनाव हाल के एक विवादित मामले के बाद और बढ़ गया, जिसमें चीनी तैराकों को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई। वाडा ने इस मामले में चीन की एजेंसियों के स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया था, जिसका अमेरिका ने विरोध किया।

यह प्रस्ताव वाडा की कार्यकारी समिति की बैठक में चर्चा के लिए रखा गया है और इसे अब तक का सबसे कड़ा कदम माना जा रहा है। हालांकि, वाडा के प्रवक्ता जेम्स फिट्जगेराल्ड के अनुसार, यदि नियम लागू होता है तो इसे पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जाएगा। इससे आगामी बड़े आयोजन जैसे फुटबॉल विश्व कप और ओलंपिक खेल लॉस एंजिलिस 2028 प्रभावित नहीं होंगे। इस प्रस्ताव की वैधता पर भी सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी संप्रभु देश के सरकारी अधिकारियों को उनके ही देश में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने से रोकना व्यावहारिक और कानूनी रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने शुरू किया अभ्यास

एजेंसी, ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों ने ब्रिस्बेन में एक पेशेवर क्लब के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने के बाद यह पहला अवसर है, जबकि वह सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित ए–लीग महिला घरेलू प्रतियोगिता में खेलने वाली टीम ब्रिस्बेन रोर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें ईरान की खिलाड़ी फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह को क्लब की महिला टीम के साथ दिखाया गया है जिसमें उन्होंने क्लब की जर्सी पहन रखी है और वे मुस्कुरा रही हैं। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब ईरान की टीम के बाकी सदस्य मलेशिया से ओमान के लिए रवाना हो गए।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला एशियाई कप में भाग लेने के लिए आई ईरान की फुटबॉल टीम की सभी सदस्यों को मानवीय आधार पर वीजा देने की पेशकश की थी। शुरुआत में सात महिलाओं ने शरण का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था, लेकिन बाद में पांच ने अपना मन बदल दिया था। ब्रिस्बेन रोर ने ''फातिमेह और अतेफेह'' का स्वागत करते हुए इंस्टाग्राम पर एक शेरनी का इमोजी पोस्ट किया।

ब्रिस्बेन रोर के सीईओ काज पटाफ्ता ने लिखा, ''हम उन्हें अच्छा माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे अपने खेल को नए स्तर पर पहुंचा सकें।'' ईरान की दोनों महिला खिलाड़ियों ने इस पोस्ट पर कमेंट किया है। रामेजानीसादेह ने लिखा, ''हर चीज के लिए धन्यवाद।'' क्लब ने इस मामले पर आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और सभी सवालों के जवाब के लिए ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्रालय से संपर्क करने को कहा। (अनंत ज्ञान)

निराशा | कोलकाता नाइट राइडर्स टीम को लगा बड़ा झटका

आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है।

राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी 'रिहैबिलिटेशन' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है।

उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया, जिन्होंने इस टूर्नामेंट का केवल एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) खेला था। राणा ने रविवार को बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था।

राणा की अनुपस्थिति तीन बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी, जो पहले से ही कई खिलाड़ियों की फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना टी20 विश्व कप के दौरान लगी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिससे उनका आईपीएल के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध है।

भारत और बांग्लादेश के बीच इस साल की शुरुआत में तनावपूर्ण भू–राजनीतिक संबंधों के मद्देनजर बीसीसीआई ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया जिससे केकेआर को इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी।

फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अनुबंधित किया है। मुजरबानी ने आईपीएल में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया था जहां वह इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेलने वाले थे। केकेआर की टीम बुधवार से अपना अभ्यास सत्र शुरू करेगी। उसका पहला मैच 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में होगा। (अनंत ज्ञान)